YouTube channel RK study point 99

Completely Based on the BLUEPRINT & BOARD MODEL PAPER-2024

संजीव®

डेस्क वर्क

FREE
इस डेस्क वर्क के साथ
₹ 20 मूल्य की
प्रोजेक्ट कार्य पुस्तिका फ्री

(वर्क बुक)
प्रोजेक्ट कार्य सहित

बोर्ड मॉडल पेपर-2024 हल सहित

भूगोल

कक्षा 12

संजीव प्रकाशन, जयपुर

Youtube channel RK study point 99

2024 की परीक्षा के लिए बोर्ड द्वारा 20 दिसम्बर, 2023 को जारी मॉडल प्रश्न-पत्र एवं ब्लू प्रिंट पर आधारित

संजीव®

बोर्ड की नवीनतम प्रोजेक्ट सूची के अनुसार प्रोजेक्ट कार्य सहित

डेस्क वर्क

भूगोल कक्षा 12

प्रमुख विशेषताएँ

- 2024 की परीक्षा के लिए बोर्ड द्वारा Website पर जारी मॉडल प्रश्न-पत्र इस डेस्क वर्क में मॉडल प्रश्न-पत्र-1 में हल सहित दिया गया है।
- शेष अभ्यासार्थ मॉडल पेपर बोर्ड द्वारा जारी मॉडल प्रश्न-पत्र एवं ब्लू प्रिंट पर आधारित हैं।
- सभी अभ्यासार्थ मॉडल पेपर्स की सम्पूर्ण उत्तर-पुस्तिका इस डेस्क वर्क के साथ नि:शुल्क उपलब्ध।
- इस डेस्क वर्क में बोर्ड द्वारा 20 दिसम्बर, 2023 को जारी नवीनतम प्रोजेक्ट सूची के अनुसार प्रोजेक्ट कार्य शामिल किये गये हैं।
- प्रोजेक्ट कार्य पुस्तिका भी इस डेस्क वर्क के साथ नि:शुल्क उपलब्ध है।

YouTube channel RK study point 99

नाम .....

कक्षा ..... सेक्शन .....

2024

संजीव प्रकाशन, जयपुर

₹ मूल्य : 200.00

प्रश्न-पत्र की योजना

कक्षा : 12

विषय : भूगोल

अवधि : 3 घण्टे 15 मिनट **पूर्णांक : 56**

1. उद्देश्य हेतु अंकभार–

क्र.सं.	उद्देश्य	अंकभार	प्रतिशत
1.	ज्ञान	23.5	41.96
2.	अवबोध	21.5	38.39
3.	ज्ञानोपयोग/अभिव्यक्ति	7	12.5
4.	कौशल/मौलिकता	4	7.14
	योग	**56**	**100**

2. **प्रश्नों के प्रकारवार अंकभार–**

क्र. सं.	प्रश्नों का प्रकार	प्रश्नों की संख्या	अंक प्रति प्रश्न	कुल अंक	प्रतिशत (अंकों का)	प्रतिशत (प्रश्नों का)	संभावित समय
1.	वस्तुनिष्ठ	16	0.5	8	14.29	32	24
2.	रिक्त स्थान	10	0.5	5	8.93	20	15
3.	अतिलघूत्तरात्मक	7	1	7	12.5	14	14
4.	लघूत्तरात्मक	10	1.5	15	26.79	20	45
5.	दीर्घउत्तरीय	3	3	9	16.07	6	39
6.	निबंधात्मक	2	4	8	14.28	4	48
7.	मानचित्र	2	2	4	7.14	4	10
	योग	**50**		**56**	**100%**	**100%**	**195 मिनट**

विकल्प योजना : खण्ड 'स' एवं 'द' में हैं

3. **विषयवस्तु का अंकभार–**

क्र.सं.	विषयवस्तु	अंकभार	प्रतिशत
1.	भाग-1 मानव भूगोल के मूल सिद्धान्त		
	इकाई-1	3	5.36
	इकाई-2	5	8.93
	इकाई-3	18	32.14
	मानचित्र	2	3.57
2.	भाग-2 भारत : लोग और अर्थव्यवस्था		
	इकाई-1	3	5.36
	इकाई-2	2	3.57
	इकाई-3	14	25
	इकाई-4	4	7.14
	इकाई-5	3	5.36
	मानचित्र	2	3.57
	योग	**56**	**100%**

Youtube channel RK study point 99

ब्ल्यू प्रिन्ट

विषय : भूगोल

कक्षा-12 पूर्णांक : 56

क्र. सं.	उद्देश्य इकाई/उप इकाई	ज्ञान						अवबोध						ज्ञानोपयोग/अभिव्यक्ति						कौशल/मौलिकता							योग
		वस्तुनिष्ठ	रिक्त स्थान	अतिलघूत्तरात्मक	लघूत्तरात्मक	दीर्घउत्तरात्मक	निबंधात्मक	वस्तुनिष्ठ	रिक्त स्थान	अतिलघूत्तरात्मक	लघूत्तरात्मक	दीर्घउत्तरात्मक	निबंधात्मक	वस्तुनिष्ठ	रिक्त स्थान	अतिलघूत्तरात्मक	लघूत्तरात्मक	दीर्घउत्तरात्मक	निबंधात्मक	वस्तुनिष्ठ	रिक्त स्थान	अतिलघूत्तरात्मक	लघूत्तरात्मक	दीर्घउत्तरात्मक	निबंधात्मक	मानचित्र	
	भाग-1 मानव भूगोल के मूल सिद्धान्त																										
1.	इकाई-1	½(1)		1(1)	1.5(1)																						3(3)
2.	इकाई-2	½(1)	½(1)	1(1)				½(1)		1(1)							1.5(1)										5(6)
3.	इकाई-3	1.5(3)	2(4)	2(2)	3(2)			1(2)				3(1)*	4(1)*				1.5(1)										18(16)
4.	मानचित्र																									2(1)	2(1)
	भाग-2 भारत : लोग और अर्थव्यवस्था																										
5.	इकाई-1	½(1)	½(1)		1.5(1)			½(1)																			3(4)
6.	इकाई-2		½(1)		1.5(1)																						2(2)
7.	इकाई-3	1(2)	1.5(3)	1(1)				½(1)				3(1)*	4(1)*					3(1)*									14(10)
8.	इकाई-4	½(1)						½(1)			3(2)																4(4)
9.	इकाई-5				1.5(1)			½(1)								1(1)											3(3)
10.	मानचित्र																									2(1)	2(1)
	योग	4.5(9)	5(10)	5(5)	9(6)			3.5(7)		1(1)	3(2)	6(2)	8(2)			1(1)	3(2)	3(1)								4(2)	56(50)

विकल्पों की योजना–खण्ड 'स' एवं 'द' में प्रत्येक में एक आंतरिक विकल्प है। **नोट**–कोष्ठक के बाहर की संख्या 'अंकों' की तथा अंदर की संख्या 'प्रश्नों' की द्योतक है।

विद्यार्थियों एवं गुरुजनों को नवीन पेपर पैटर्न की जानकारी देने हेतु बोर्ड द्वारा मॉडल प्रश्न-पत्र जारी किए गए हैं। विद्यार्थियों की सुविधा हेतु इस मॉडल प्रश्न-पत्र को मॉडल पेपर-1 में हल सहित दिया जा रहा है तथा शेष अभ्यासार्थ मॉडल पेपर पूर्णतः बोर्ड द्वारा जारी मॉडल प्रश्न-पत्र पर आधारित हैं।

बोर्ड द्वारा जारी मॉडल प्रश्न-पत्र (हल सहित)

मॉडल पेपर-1

उच्च माध्यमिक परीक्षा–कक्षा 12

भूगोल

समय : 3 घण्टे 15 मिनट पूर्णांक : 56

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न-पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें।
2. सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें।
4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक-साथ ही लिखें।

YouTube channel RK study point 99

खण्ड-अ

प्रश्न 1. नीचे दिये गये बहुविकल्पीय प्रश्नों के सही विकल्प का चयन कर उत्तर-पुस्तिका में लिखिए।

(i) नवनिश्चयवाद की संकल्पना किसने प्रस्तुत की? ½

(अ) रैटजेल (ब) ग्रिफिथ टेलर

(स) एलन सी. सेंपल (द) विडाल-डी-लॉ-ब्लाश

(ii) जनसंख्या की प्राकृतिक वृद्धि का सूत्र है– ½

(अ) जन्म-मृत्यु (ब) जन्म-मृत्यु + आप्रवास

(स) जन्म-मृत्यु-उत्प्रवास (द) जन्म-मृत्यु + आप्रवास-उत्प्रवास

(iii) निम्नलिखित में से किस उपागम का संबंध प्रो. अमर्त्य सेन से है? ½

(अ) क्षमता उपागम (ब) आय उपागम

(स) कल्याण उपागम (द) आधारभूत आवश्यकता उपागम

(iv) प्राचीनतम ज्ञात आर्थिक क्रियाएं हैं– ½

(अ) भोजन संग्रहण-कृषि (ब) खनन-कृषि

(स) पशुचारण-खनन (द) भोजन संग्रहण-आखेट

(v) निम्न में से कौनसी एक अर्थव्यवस्था में उत्पादन का स्वामित्व व्यक्तिगत होता है? ½

(अ) पूँजीवाद (ब) मिश्रित (स) समाजवाद (द) कोई भी नहीं

(vi) निम्नलिखित में से परिवहन का प्रकार नहीं है– ½

(अ) सड़क (ब) जल (स) मोबाइल (द) वायु

(vii) स्वेज नहर किस देश में स्थित है? ½

(अ) पनामा (ब) रूस (स) भारत (द) मिस्र

(viii) कोलकाता पत्तन किस नदी पर स्थित है? ½
(अ) हुगली (ब) राइन (स) नर्मदा (द) गोदावरी

(ix) ग्रियर्सन के अनुसार भारत में भाषाओं की संख्या थी– ½
(अ) 179 (ब) 544 (स) 22 (द) 169

(x) निम्नलिखित में से सर्वाधिक जनसंख्या घनत्व वाला राज्य है– ½
(अ) बिहार (ब) पश्चिम बंगाल (स) उत्तर प्रदेश (द) केरल

(xi) "नीरू-मीरू" कार्यक्रम का संबंध किस राज्य से है? ½
(अ) राजस्थान (ब) पंजाब (स) आन्ध्र प्रदेश (द) असम

(xii) यमुना नदी किन दो शहरों के मध्य सबसे अधिक प्रदूषित नदी है? ½
(अ) दिल्ली से आगरा (ब) दिल्ली से प्रयाग
(स) दिल्ली से इटावा (द) दिल्ली से पटना

(xiii) बॉक्साइट किसका अयस्क है? ½
(अ) एल्यूमिनियम (ब) मैंगनीज (स) अभ्रक (द) ताँबा

(xiv) भारत में रेल सेवा की शुरुआत कब हुई थी? ½
(अ) 1853 (ब) 1857 (स) 1911 (द) 1923

(xv) निम्नलिखित में से कौन-सा एक भू-आवद्ध पत्तन है? ½
(अ) हल्दिया (ब) मुंबई (स) चेन्नई (द) विशाखापट्नम

(xvi) निम्नलिखित में से कौन-सा अम्ल वर्षा का एक कारण है? ½
(अ) जल प्रदूषण (ब) भूमि प्रदूषण (स) शोर प्रदूषण (द) वायु प्रदूषण

उत्तर–

(i)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)	(vi)	(vii)	(viii)
(ब)	(अ)	(अ)	(द)	(अ)	(स)	(द)	(अ)
(ix)	(x)	(xi)	(xii)	(xiii)	(xiv)	(xv)	(xvi)
(अ)	(ब)	(अ)	(स)	(अ)	(अ)	(द)	(द)

प्रश्न 2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(i) अति उच्च मानव विकास सूचकांक वाले देश वे हैं जिनका स्कोर .... से ऊपर है। ½
उत्तर–0.800

(ii) मिश्रित कृषि में फसल उत्पादन एवं .... दोनों को समान महत्व दिया जाता है। ½
उत्तर–पशुपालन

(iii) प्रत्येक सड़क जो दो नोडों को जोड़ती है .... कहलाती है। ½
उत्तर–योजक

(iv) .... में विश्व का सघनतम रेल तंत्र पाया जाता है। ½
उत्तर–यूरोप

(v) विश्व व्यापार संगठन का मुख्यालय .... में स्थित है। ½
उत्तर–जिनेवा (स्विटजरलैण्ड)

(vi) राष्ट्रीय युवा नीति फरवरी .... में आरंभ की गई है। ½
उत्तर–2014

(vii) भारत में नगरों का अभ्युदय .... काल से हुआ है। ½
उत्तर–प्रागैतिहासिक

YouTube channel RK study point 99

(viii) भारत की अधिकतम जनसंख्या का प्रमुख भोजन ..... है। ½

उत्तर–चावल

(ix) सिंचाई की व्यवस्था ..... को संभव बनाती है। ½

उत्तर–बहुफसलीकरण

(x) इंदिरा गांधी नहर पंजाब में ..... बाँध से निकलती है। ½

उत्तर–हरिके

प्रश्न 3. अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–

(i) "मानव भूगोल मानव समाजों और धरातल के बीच संबंधों का संश्लेषित अध्ययन है।" मानव भूगोल की यह परिभाषा किसने दी? 1

उत्तर– रैटज़ेल ने।

(ii) जनसंख्या परिवर्तन के दो घटकों के नाम लिखिए। 1

उत्तर–(1) जन्म (2) प्रवास

(iii) मानव विकास प्रतिवेदन 2020 के अनुसार भारत का कौनसा स्थान है? 1

उत्तर–131वाँ स्थान।

(iv) विनिर्माण का शाब्दिक अर्थ लिखिए। 1

उत्तर–विनिर्माण का शाब्दिक अर्थ 'हाथ से बनाना' है।

(v) WTO का पूरा नाम लिखिए। 1

उत्तर–WTO का पूरा नाम विश्व व्यापार संगठन है।

(vi) विश्व के जल संसाधनों का कितने प्रतिशत भाग भारत में है? 1

उत्तर–4 प्रतिशत।

(vii) ध्वनि प्रदूषण से आप क्या समझते हैं? 1

उत्तर–विभिन्न स्रोतों से उत्पन्न ध्वनि का मानव की सहनीय सीमा से अधिक तथा असहज होना ही ध्वनि प्रदूषण है।

खण्ड-ब

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

प्रश्न 4. मानव भूगोल के क्षेत्रों के नाम बताइये। 1½

उत्तर– मानव भूगोल के निम्न क्षेत्र हैं–

(1) **सामाजिक भूगोल**–इसमें व्यवहारवादी भूगोल, सामाजिक कल्याण का भूगोल, अवकाश भूगोल, सांस्कृतिक भूगोल, लिंग भूगोल, ऐतिहासिक भूगोल व चिकित्सा भूगोल शामिल हैं।
(2) नगरीय भूगोल (3) **राजनीतिक भूगोल**–इसमें निर्वाचन व सैन्य भूगोल शामिल हैं।
(4) जनसंख्या भूगोल (5) आवास भूगोल (6) **आर्थिक भूगोल**–इसमें संसाधन, कृषि, उद्योग, विपणन, पर्यटन एवं अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का भूगोल शामिल है।

प्रश्न 5. आपके अनुसार एक विकसित राष्ट्र के लिए जनांकिकीय संक्रमण सिद्धान्त का उपयोग बताइए। 1½

उत्तर– एक विकसित राष्ट्र में जनांकिकीय संक्रमण सिद्धान्त के उपयोग द्वारा हम उस देश की जनसंख्या का वर्णन कर सकते हैं एवं उस राष्ट्र की भविष्य की जनसंख्या का पूर्वानुमान लगाया जा सकता है। इससे विकसित राष्ट्र को अपनी विकास दर को बनाए रखने में मदद मिलती है तथा वे भविष्य की योजनाएँ आसानी से बना सकते हैं।

प्रश्न 6. 'कारखाना कृषि' क्या है? 1½

उत्तर– कृषि व्यापार हेतु की जाने वाली कृषि को कारखाना कृषि कहते हैं। कृषि व्यापार एक प्रकार की व्यापारिक कृषि है जो औद्योगिक पैमाने पर की जाती है। इसका वित्त पोषण प्रायः वह व्यापार करता

YouTube channel RK study point 99

है जिसकी मुख्य रुचि कृषि के बाहर हो। कृषि व्यापार फार्म से आकार में बड़े, यंत्रीकृत, रसायनों पर निर्भर एवं अच्छी संरचना वाले होते हैं।

प्रश्न 7. बाह्यस्रोतन किसे कहते हैं? 1½

उत्तर– बाह्यस्रोतन अथवा ठेका देना दक्षता को सुधारने और लागतों को घटाने के लिए किसी बाहरी अभिकरण को काम सौंपना है। जिन व्यापारिक क्रियाकलापों को बाह्यस्रोतन किया जाता है, उनमें सूचना प्रौद्योगिकी, मानव संसाधन, ग्राहक सहायता, काल सेन्टर सेवाएँ और कई बार विनिर्माण तथा अभियांत्रिकी भी सम्मिलित की जाती हैं।

प्रश्न 8. नौसेना पत्तन से आप क्या समझते हैं? 1½

उत्तर– नौसेना पत्तन विशेष रूप से सामरिक महत्त्व के पत्तन होते हैं। ये पत्तन युद्धक जहाजों को सेवाएँ देते हैं तथा उनके लिए मरम्मत कार्यशालाएं चलाते हैं। भारत में कोच्चि तथा कारवाड़ इस प्रकार के पत्तन का उदाहरण है।

प्रश्न 9. जनसंख्या वृद्धि को परिभाषित कीजिए। 1½

उत्तर– जनसंख्या वृद्धि अथवा जनसंख्या परिवर्तन का अभिप्राय किसी क्षेत्र में समय की किसी निश्चित अवधि के दौरान बसे हुए लोगों की संख्या में परिवर्तन से है। यह परिवर्तन धनात्मक भी हो सकता है और ऋणात्मक भी हो सकता है। इसे निरपेक्ष संख्या अथवा प्रतिशत के रूप में भी अभिव्यक्त किया जा सकता है।

प्रश्न 10. ''स्मार्ट सिटी मिशन'' के उद्देश्य बताइए। 1½

उत्तर– स्मार्ट सिटी मिशन का उद्देश्य उन शहरों को बढ़ावा देना है जो आधारभूत सुविधा, साफ तथा सतत पर्यावरण और अपने नागरिकों को बेहतर जीवन प्रदान करते हैं। स्मार्ट शहरों की एक विशेषता आधारभूत सुविधाओं और सेवाओं के लिए स्मार्ट समाधानों को लागू करना है। इस योजना का उद्देश्य एक ऐसे सघन क्षेत्र पर ध्यान केन्द्रित करना है जो एक मॉडल के रूप में अन्य बढ़ते हुए शहरों के लिए लाइट हाउस का काम करे।

प्रश्न 11. स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना पर टिप्पणी लिखिए। 1½

उत्तर– **स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना**–इस परियोजना के अन्तर्गत 5,846 किलोमीटर लंबी चार या छः लेन वाली उच्च सघनता के यातायात गलियारों का निर्माण किया जा रहा है। यह परियोजना देश के चार विशाल महानगरों–दिल्ली–मुम्बई–चेन्नई और कोलकाता को आपस में जोड़ती है। स्वर्णिम चतुर्भुज के निर्माण के बाद भारत के इन महानगरों के मध्य समय, दूरी तथा यातायात में आने वाली लागत महत्त्वपूर्ण रूप से कम हो जायेगी।

प्रश्न 12. आजादी के बाद भारत के आयात-संघटन के बदलते प्रारूप को संक्षेप में समझाइए। 1½

उत्तर– 1950 एवं 1960 के दशक में भारत द्वारा खाद्यान्न, पूँजीगत माल, मशीनरी एवं उपस्करों आदि का आयात किया जाता था। उद्योगों में कच्चे माल एवं ईंधन के रूप में पेट्रोलियम तथा इसके उत्पादों का उपयोग होने के कारण वर्तमान में इनके आयात में तीव्र वृद्धि हुई है। इनके अतिरिक्त भारत में अन्य वस्तुओं, जैसे—मोती व उपरत्न, स्वर्ण, चाँदी, धातुमय अयस्क, धातु छीजन, अलौह धातुएँ, इलेक्ट्रॉनिक वस्तुएँ आदि के आयात में वृद्धि हुई है।

प्रश्न 13. जल प्रदूषण के प्रमुख स्रोतों का वर्णन कीजिए। 1½

उत्तर– जल प्रदूषण प्राकृतिक एवं मानवीय स्रोतों से होता है। प्राकृतिक स्रोतों में अपरदन, भूस्खलन, पेड़-पौधों तथा मृत पशुओं के सड़ने आदि से होता है। मानवीय स्रोतों में जल प्रदूषण के कई स्रोत हैं जैसे उद्योगों का कचरा एवं रसायन जल में प्रवाहित करना, मल-मूत्र का जल में बहाव, नगरीय वाही जल, कृषि में रासायनिक पदार्थों का उपयोग, धार्मिक मेले, पर्यटन आदि से जल तीव्र गति से प्रदूषित हो रहा है।

खण्ड-स

दीर्घउत्तरीय प्रश्न–

प्रश्न 14. निम्नलिखित पारमहाद्वीपीय रेलमार्गों पर टिप्पणी लिखिए– 1½+1½=3

(अ) पार-साइबेरियन रेलमार्ग (ब) पार-कैनेडियन रेलमार्ग

YouTube Channel RK Study Point 99

अथवा

निम्नलिखित समुद्री मार्गों पर टिप्पणी लिखिए–

(अ) उत्तरी अटलांटिक (ब) भूमध्य सागर-हिन्दमहासागरीय

उत्तर– **(अ) पार-साइबेरियन रेलमार्ग**–यह रूस का प्रमुख रेल मार्ग है जो कि पश्चिम में सेंट पीट्र्सबर्ग से पूर्व में प्रशान्त महासागर तट पर स्थित व्लाडीवोस्टक तक मास्को, कजान् ट्यूमिन, नोवोसिबिर्स्क, चीता और खबरोवस्क से होता हुआ जाता है। यह एशिया का सबसे महत्त्वपूर्ण और विश्व का सबसे लम्बा दोहरे पथ से युक्त विद्युतीकृत पार महाद्वीपीय रेल मार्ग है। इसकी कुल लम्बाई 9322 किलोमीटर है। यह रेल मार्ग एशियाई प्रदेश को पश्चिमी यूरोपीय बाजारों से जोड़ता है। यह रेल मार्ग यूराल पर्वतों, ओब एवं येनेसी नदियों से गुजरता है। इस रेल मार्ग को दक्षिण से जोड़ने वाले योजक मार्ग भी हैं। इनमें यूक्रेन में ओडेसा, उज्बेकिस्तान में कैस्पियन तट पर बालू, ताशकन्द, मंगोलिया में उलनबटोर, मक्देन में रोनयांग तथा चीन में बीजिंग आदि प्रमुख हैं।

(ब) पार-कैनेडियन रेलमार्ग–कनाडा देश की यह 7050 किलोमीटर लम्बी रेल लाइन पूर्व में हैलीफैक्स से शुरू होकर मॉण्ट्रियल, ओटावा, विनीपेग तथा कलगैरी से होती हुई पश्चिम में प्रशान्त तट पर स्थित वैंकूवर तक जाती है। इस रेल मार्ग का निर्माण 1886 में मूल रूप से एक सन्धि के अन्तर्गत पश्चिमी तट पर स्थित ब्रिटिश कोलम्बिया को राज्यों के संघ में शामिल करने के उद्देश्य से किया गया था। परन्तु बाद में क्यूबेक-मॉण्ट्रियल औद्योगिक प्रदेश की गेहूँ मेखला और उत्तर में शंकुघाटी वन प्रदेश से जोड़ने के कारण इस रेल मार्ग का महत्त्व बढ़ गया। विनीपेग से थण्डर खाड़ी (सुपीरियर झील) तक संवृत मार्ग इस रेल लाइन को विश्व के सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण जल मार्गों में से एक से जोड़ता है।

अथवा

(अ) उत्तरी अटलांटिक समुद्री मार्ग–यह समुद्री मार्ग औद्योगिक दृष्टि से विकसित विश्व के दो प्रदेशों यथा—उत्तरी-पूर्वी संयुक्त राज्य अमेरिका और पश्चिमी यूरोप को आपस में मिलाता है। विश्व का एक-चौथाई विदेशी व्यापार इस मार्ग के द्वारा परिवहित होता है। इसी कारण यह विश्व का व्यस्ततम व्यापारिक जल मार्ग है। इसलिए इसे वृहद् ट्रंक मार्ग भी कहा जाता है।

(ब) भूमध्यसागर-हिन्दमहासागरीय समुद्री मार्ग–यह समुद्री मार्ग प्राचीन विश्व के हृदय स्थल कहे जाने वाले क्षेत्रों से गुजरता है तथा किसी भी अन्य मार्ग की अपेक्षा अधिक देशों और लोगों को सेवाएँ प्रदान करता है। पोर्ट सईद, अदन, मुम्बई, कोलम्बो और सिंगापुर इस मार्ग के महत्त्वपूर्ण पत्तन हैं। उत्तमाशा अन्तरीप से होकर जाने वाले आरम्भिक मार्ग की तुलना में स्वेज नहर के निर्माण से दूरी और समय में अत्यधिक कमी हो गई है।

प्रश्न 15. भारत में ऊर्जा के परंपरागत स्रोतों का वर्णन कीजिए। 3

अथवा

भारत में ऊर्जा के अपरम्परागत स्रोतों का वर्णन कीजिए।

उत्तर–

भारत में ऊर्जा के परम्परागत स्रोत

(i) कोयला–यह मुख्य रूप से गोंडवाना और टर्शियरी भूगर्भिक कालों की चट्टानों में पाया जाता है। देश में विद्यमान कोयला निक्षेपों का लगभग 80 प्रतिशत भाग बिटुमिनस प्रकार का तथा गैर कोककारी श्रेणी का है। भारत में गोंडवाना कोयले के प्रमुख क्षेत्र दामोदर, गोदावरी, महानदी और सोन नदी घाटियों में जबकि टर्शियरी कोयला असम, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय तथा नागालैण्ड में पाया जाता है।

(ii) पेट्रोलियम–यह अपरिष्कृत और अनेक अशुद्धियों के साथ टर्शियरी काल की अवसादी शैलों में पाया जाता है। देश में मुख्यतया असम, गुजरात, मुम्बई हाई, कृष्णा-गोदावरी तथा कावेरी नदी बेसिनों में तेल के निक्षेप पाये जाते हैं।

(iii) प्राकृतिक गैस–इसका उपयोग औद्योगिक ईंधन के रूप में, बिजली क्षेत्र में ईंधन के रूप में, उद्योगों में हीटिंग के लिए, रासायनिक, पैट्रोकैमिकल और उर्वरक उद्योगों में कच्चे माल के रूप में

YouTube channel RK study point 99

किया जाता है। भारत में प्रमुख गैस भण्डार मुम्बई हाई और अन्य सम्बद्ध क्षेत्र पश्चिमी तट पर पाए जाते हैं। पूर्वी तट पर कृष्णा-गोदावरी बेसिन में प्राकृतिक गैस के नए भण्डार खोजे गए हैं।

अथवा

भारत में ऊर्जा के अपरम्परागत स्रोत

(i) नाभिकीय ऊर्जा–यह ऊर्जा मुख्यतः यूरेनियम और थोरियम खनिजों से प्राप्त की जाती है। भौगोलिक दृष्टि से यूरेनियम मुख्य रूप से झारखण्ड के सिंहभूम तांबा पट्टी में एवं थोरियम केरल तट की बालू में मोनाजाइट एवं इल्मेनाइट से प्राप्त किया जाता है।

(ii) सौर ऊर्जा–इसका प्रयोग सामान्यतः हीटर, फसल शुष्ककों, कुकर आदि उपकरणों में अधिक किया जाता है। सौर ऊर्जा उत्पादन की अधिक संभावनाएँ देश के पश्चिमी राज्य गुजरात व राजस्थान में हैं।

(iii) पवन ऊर्जा–यह प्रदूषण मुक्त और ऊर्जा का असमाप्य स्रोत है। मुख्यतः पवन की गतिज ऊर्जा को टरबाइन के माध्यम से विद्युत ऊर्जा में बदलने से प्राप्त ऊर्जा, पवन ऊर्जा कहलाती है। देश में पवन ऊर्जा की अनुकूल दशाएँ राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र और कर्नाटक में हैं।

(iv) ज्वारीय तथा तरंग ऊर्जा–ज्वारीय तरंगें और महासागरीय धाराएँ ऊर्जा के व्यापक भण्डार गृह हैं। भारत में तटों के समीप ज्वारीय ऊर्जा विकसित करने की व्यापक संभावनाएँ हैं।

(v) भूतापीय ऊर्जा–पृथ्वी के गर्भ से निकलते तप्त मैग्मा, गर्म झरनों एवं गीजर कूपों से निकलते गर्म पानी के साथ अत्यधिक मात्रा में ऊष्मा भी निकलती है, जिससे ताप ऊर्जा उत्पन्न की जा सकती है।

(vi) जैव ऊर्जा–जैविक उत्पादों जैसे कृषि अवशेष, नगरपालिका, औद्योगिक तथा अन्य अपशिष्ट से प्राप्त ऊर्जा जैव ऊर्जा कहलाती है। इस ऊर्जा को विद्युत ऊर्जा, ताप ऊर्जा और खाना पकाने के लिए गैस में परिवर्तित किया जा सकता है।

प्रश्न 16. पर्वतीय क्षेत्र विकास कार्यक्रम को अधिक प्रभावी बनाने के उपाय सुझाएँ। 3

अथवा

इंदिरा गांधी नहर कमांड क्षेत्र में सतत् पोषणीय विकास को बढ़ावा देने के लिए उपाय सुझाएं।

उत्तर– **पर्वतीय क्षेत्र विकास कार्यक्रम**–पर्वतीय क्षेत्र विकास कार्यक्रमों को पांचवीं पंचवर्षीय योजना में प्रारंभ किया गया था। इसके अंतर्गत उत्तराखंड, मिकिर पहाड़ी, असम की कछार की पहाड़ियाँ, पश्चिम बंगाल का दार्जिलिंग जिला और तमिलनाडु के नीलगिरी आदि को मिलाकर कुल 15 जिले शामिल हैं। 1981 में पिछड़े क्षेत्रों पर राष्ट्रीय समिति ने उन सभी पर्वतीय क्षेत्रों को पिछड़े पर्वतीय क्षेत्रों में शामिल करने की सिफारिश की थी, जिनकी ऊँचाई 600 मीटर से अधिक है और जिनमें जनजातीय विकास उप-योजना लागू नहीं है।

पर्वतीय क्षेत्र विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत राष्ट्रीय समिति द्वारा पहाड़ी क्षेत्रों के विकास के लिए निम्नलिखित छः सुझाव दिए गए—

(i) सभी लोग लाभान्वित हों, केवल प्रभावशाली व्यक्ति ही नहीं।
(ii) स्थानीय संसाधनों और प्रतिभाओं का विकास किया जाए।
(iii) जीविका निर्वाह अर्थव्यवस्था को निवेश-उन्मुखी बनाना।
(iv) अंतःप्रादेशिक व्यापार में पिछड़े क्षेत्रों का शोषण न हो।
(v) पिछड़े क्षेत्रों की बाजार व्यवस्था में सुधार करके श्रमिकों को लाभ पहुँचाना।
(vi) पारिस्थितिकीय सन्तुलन को बनाए रखना।

अथवा

इंदिरा गांधी नहर कमांड क्षेत्र में सतत् पोषणीय विकास को बढ़ावा देने हेतु उपाय निम्न हैं-

(1) इस कमांड क्षेत्र में सतत् पोषणीय विकास हेतु सबसे महत्त्वपूर्ण सुझाव यह है कि जल प्रबन्ध नीति का कठोरता से क्रियान्वयन किया जाना चाहिए तथा फसल एवं चरागाह क्षेत्रों का विकास किया जाना चाहिए।

(2) इस क्षेत्र में मुख्य रूप से कम पानी की आवश्यकता वाली फसलों को बोया जाना चाहिए तथा किसानों को बागाती कृषि के अन्तर्गत खट्टे फलों की खेती करनी चाहिए।

YouTube channel RK study point 99

(3) कमांड क्षेत्र विकास कार्यक्रम जैसे नालों को पक्का करना, भूमि विकास तथा समतल और बाड़ बंदी पद्धति को प्रभावी रूप से कार्यान्वित किया जाए ताकि बहते जल की क्षति को रोका जा सके।
(4) जलाक्रांत एवं लवण से प्रभावित भूमि का पुनरुद्धार किया जाना चाहिए।
(5) इस प्रदेश में वनीकरण, वृक्षों की रक्षण मेखला का निर्माण तथा चरागाह का विकास किया जाए।
(6) निर्धन आर्थिक स्थिति वाले भू आवंटियों को कृषि के लिए पर्याप्त मात्रा में वित्तीय और संस्थागत सहायता उपलब्ध करवायी जाए।
(7) इस क्षेत्र में कृषि और इससे संबंधित क्रियाकलापों को अर्थव्यवस्था के अन्य क्षेत्रों के साथ विकसित किया जाना चाहिए।

खण्ड-द

निबन्धात्मक प्रश्न–

प्रश्न 17. उद्योगों की अवस्थिति को प्रभावित करने वाले कारकों का वर्गीकरण कीजिए। (कोई चार) 1+1+1+1=4

अथवा

कच्चे माल पर आधारित उद्योगों का वर्गीकरण कीजिए।

उत्तर– **1. बाजार तक अभिगम्यता**—उद्योगों की स्थापना से सबसे प्रमुख कारक उसके द्वारा उत्पादित माल के लिए बाजार का उपलब्ध होना है। बाजार से तात्पर्य उस क्षेत्र में तैयार वस्तुओं की माँग एवं उस क्षेत्र के निवासियों में खरीदने की क्षमता अर्थात् क्रय शक्ति है। दूरस्थ क्षेत्र जहाँ कम जनसंख्या निवास करती है, छोटे बाजारों से युक्त होते हैं। यूरोप, उत्तरी अमेरिका, जापान, आस्ट्रेलिया के क्षेत्र वृहद् वैश्विक बाजार हैं क्योंकि इन प्रदेशों के लोगों की क्रय क्षमता अधिक है। दक्षिणी एवं दक्षिणी-पूर्वी एशिया के घने बसे प्रदेश भी वृहद् बाजार उपलब्ध करवाते हैं। कुछ उद्योगों का व्यापक बाजार होता है यथा—वायुयान निर्माण एवं शस्त्र निर्माण उद्योग।

2. कच्चे माल की प्राप्ति तक अभिगम्यता—उद्योग के लिए कच्चा माल अपेक्षाकृत सस्ता एवं सरलता से परिवहन योग्य होना चाहिए। भारी वजन, सस्ते मूल्य एवं वजन घटने वाले पदार्थों पर आधारित उद्योग कच्चे माल के स्रोत स्थल के समीप ही स्थित होते हैं। यथा—इस्पात, चीनी एवं सीमेण्ट उद्योग। कच्चे माल के स्रोतों के समीप स्थापित उद्योगों के लिए पदार्थ की शीघ्र नष्टशीलता एक अनिवार्य कारक है। इसीलिए कृषि प्रसंस्करण एवं डेयरी उत्पाद क्रमशः कृषि उत्पादन क्षेत्रों अथवा दुग्ध आपूर्ति स्रोतों के समीप ही स्थापित किए जाते हैं।

3. श्रम आपूर्ति तक अभिगम्यता—उद्योगों की अवस्थिति में श्रम एक प्रमुख कारक है। बढ़ते हुए यन्त्रीकरण, स्वचलन और औद्योगिक प्रक्रिया के लचीलेपन ने उद्योगों में श्रमिकों पर निर्भरता को कम किया है। फिर भी कुछ प्रकार के उद्योगों में अब भी कुशल श्रमिकों की आवश्यकता होती है।

4. शक्ति के साधनों तक अभिगम्यता—वे उद्योग जिनमें अधिक ऊर्जा अर्थात् शक्ति की आवश्यकता होती है वे ऊर्जा के स्रोतों के समीप ही स्थापित किये जाते हैं। यथा एल्यूमिनियम उद्योग। प्राचीन काल में कोयला प्रमुख शक्ति का साधन था किन्तु वर्तमान समय में जल विद्युत एवं खनिज तेल भी अनेक उद्योगों के लिए शक्ति का महत्त्वपूर्ण साधन है।

अथवा

कच्चे माल पर आधारित उद्योग

कच्चे माल पर आधारित उद्योगों का वर्गीकरण निम्नलिखित शीर्षकों के अन्तर्गत किया गया है

1. कृषि आधारित उद्योग—कृषि के अन्तर्गत खेतों से प्राप्त कच्चे माल को विभिन्न प्रक्रियाओं के द्वारा तैयार माल में बदल कर विक्रय हेतु ग्रामीण तथा नगरीय बाजारों में कृषि आधारित उद्योगों द्वारा भेजा जाता है। कृषि व्यापार एक प्रकार की वाणिज्यिक अर्थात् व्यापारिक कृषि है जो कि औद्योगिक पैमाने पर की जाती है। इसका वित्त-पोषण प्रायः वह व्यापार करता है जिसकी मुख्य रुचि कृषि के बाहर होती है। कृषि व्यापार फार्म आकार में बड़े, यन्त्रीकृत, रसायनों पर निर्भर एवं अच्छी संरचना

Youtube channel RK study point 99

वाले होते हैं। इनको 'कृषि कारखाने' भी कहा जाता है।

भोजन प्रसंस्करण—कृषि से तैयार खाद्य में मलाई (क्रीम) का उत्पादन, डिब्बा खाद्य, फलों से खाद्य तैयार करना तथा मिठाइयाँ शामिल की जाती हैं। खाद्य को सुरक्षित रखने की अनेक विधियाँ प्राचीन काल से चली आ रही हैं। यथा—उनको सुखाकर, संधान कर या अचार के रूप में तेल या सिरका डालकर भोजन प्रसंस्करण किया जाता है। किन्तु इन विधियों का औद्योगिक क्रान्ति के पूर्व सीमित उपयोग ही होता था।

प्रमुख उद्योग—प्रमुख कृषि आधारित उद्योगों में भोजन तैयार करने वाले उद्योग, शक्कर, फलों के रस, पेय पदार्थ (यथा—चाय, कॉफी, कोकोआ), मसाले, तेल व वस्त्र (यथा—सूती, रेशमी, जूट) तथा रबड़ उद्योग आते हैं।

2. खनिज आधारित उद्योग—खनिज आधारित उद्योगों में खनिजों को कच्चे माल के रूप में उपयोग किया जाता है। कुछ उद्योग लौह अंश वाले धात्विक खनिजों का उपयोग करते हैं, यथा—लौह-इस्पात उद्योग जबकि कुछ अलौह धात्विक खनिजों का उपयोग करते हैं, यथा—एल्यूमिनियम, ताँबा एवं जवाहरात उद्योग। कुछ उद्योग अधात्विक खनिजों का उपयोग करते हैं, यथा—सीमेण्ट, मिट्टी के बर्तन आदि।

प्रमुख उद्योग—प्रमुख खनिज आधारित उद्योगों में लौह इस्पात, ताँबा प्रगलन, सीसा-जस्ता, एल्यूमिनियम, सोना, चाँदी, सीमेण्ट, मिट्टी के बर्तन, वायुयान, जलयान, मोटरगाड़ी, रेल के इंजिन व डिब्बों का निर्माण आदि उद्योग आते हैं।

3. रसायन आधारित उद्योग—रसायन आधारित उद्योगों में प्राकृतिक रूप में पाए जाने वाले रासायनिक खनिजों का उपयोग होता है। यथा—पेट्रो रसायन उद्योग में खनिज तेल (पेट्रोलियम) का उपयोग होता है। नमक, गंधक एवं पोटाश उद्योगों में भी प्राकृतिक खनिजों को काम में लिया जाता है। कुछ रासायनिक उद्योग लकड़ी एवं कोयला से प्राप्त कच्चे माल पर भी निर्भर होते हैं।

प्रमुख उद्योग—रसायन आधारित उद्योगों के अन्तर्गत पेट्रो रसायन, नमक, गंधक, पोटाश, कृत्रिम रेशे बनाना, प्लास्टिक निर्माण आदि उद्योग आते हैं।

4. वनों पर आधारित उद्योग—वनों से प्राप्त कई मुख्य एवं गौण उपजें कच्चे माल के रूप में उद्योगों में प्रयुक्त की जाती हैं। फर्नीचर उद्योग के लिए इमारती लकड़ी, कागज उद्योग के लिए लकड़ी, बांस एवं लाख उद्योग के लिए लाख वनों से ही प्राप्त होती हैं।

प्रमुख उद्योग—वनों पर आधारित उद्योगों के अन्तर्गत फर्नीचर, कागज व लाख आदि उद्योग आते हैं।

5. पशु आधारित उद्योग—चमड़ा एवं ऊन पशुओं से प्राप्त प्रमुख कच्चा माल हैं। चमड़ा उद्योग के लिए चमड़ा एवं ऊनी वस्त्र उद्योग के लिए ऊन पशुओं से प्राप्त की जाती है। हाथी दाँत के लिए दाँत भी हाथी से मिलता है।

प्रमुख उद्योग—पशु आधारित उद्योगों के अन्तर्गत चमड़ा, ऊनी वस्त्र, हाथी दाँत से निर्मित सामग्री आदि उद्योग शामिल किए जाते हैं।

प्रश्न 18. भारत में कृषि के विकास का वर्णन कीजिए। 4

अथवा

भारत में तिलहन फसलों पर विस्तृत लेख लिखिए।

उत्तर— स्वतन्त्रता प्राप्ति से पूर्व भारतीय कृषि का उद्देश्य मात्र जीविकोपार्जन था, परन्तु स्वतन्त्रता प्राप्ति के पश्चात् सरकार का तात्कालिक उद्देश्य खाद्यान्नों का उत्पादन बढ़ाना था। इस हेतु सरकार ने कृषि गहनता को बढ़ाना, व्यापारिक फसलों के स्थान पर खाद्यान्न फसल उगाना तथा कृषि योग्य परती व बंजर भूमि को कृषि भूमि में परिवर्तित करना जैसे उपाय अपनाए। यद्यपि प्रारम्भ में इन उपायों से खाद्यान्नों के उत्पादन में वृद्धि हुई, लेकिन 1950 के दशक के अन्त तक कृषि उत्पादन स्थिर हो जाने के कारण गहन कृषि जिला कार्यक्रम (IADP) तथा गहन कृषि क्षेत्र कार्यक्रम (IAAP) प्रारम्भ किए गए, परन्तु 1960 के दशक के मध्य में लगातार दो अकाल पड़ने से खाद्यान्नों का आयात करना पड़ा। अतः इसके बाद

YouTube channel fk study point 99

कृषि विकास हेतु निम्न उपाय अपनाए गये—

(i) अधिक उत्पादन देने वाले बीजों का उपयोग—देश में कृषि में एक मौलिक और मूलभूत परिवर्तन की आवश्यकता को देखते हुए 'हरित क्रान्ति' नामक एक नवीन कृषि नीति को अपनाया गया, जिसके तहत गेहूँ (मैक्सिको) तथा चावल (फिलीपींस) की अधिक उत्पादन देने वाली उन्नत किस्मों को रासायनिक खाद के साथ सिंचाई सुविधा वाले क्षेत्रों जैसे हरियाणा, पंजाब, आन्ध्र प्रदेश, पश्चिमी उत्तर प्रदेश तथा गुजरात में बोया गया। 'हरित क्रान्ति' से खाद्यान्नों के उत्पादन में अभूतपूर्व वृद्धि हुई और देश खाद्यान्न उत्पादन में आत्म-निर्भर हुआ।

(ii) कृषि जलवायु नियोजन—चूँकि प्रारम्भ में 'हरित क्रांति' देश के सिंचित भागों तक ही सीमित थी, अतः इससे कृषि विकास में आयी प्रादेशिक असमानता को दूर करने के लिए 1988 में योजना आयोग ने 'कृषि जलवायु नियोजन' प्रारम्भ किया। इससे कृषि, पशुपालन तथा जल कृषि की विकास हेतु संसाधनों के विकास पर भी बल मिला।

(iii) उदारीकरण नीति और उन्मुक्त बाजार अर्थव्यवस्था—1990 के दशक की उदारीकरण नीति तथा उन्मुक्त बाजार अर्थव्यवस्था में भारतीय कृषि विकास के क्षेत्र में नवीन आयामों का सूत्रपात हुआ।

अथवा

तिलहनों की कृषि मुख्यतया खाद्य तेल निकालने के लिए की जाती है। देश में मालवा का पठार, मराठवाड़ा, गुजरात, राजस्थान के शुष्क भाग तथा तेलंगाना व आन्ध्र प्रदेश के रायलसीमा प्रदेश प्रमुख तिलहन उत्पादक क्षेत्र हैं। भारत में कुल कृषिगत क्षेत्र के लगभग 14 प्रतिशत भाग पर तिलहन फसलों की कृषि की जाती है। देश की प्रमुख तिलहन फसलों में मूँगफली, तोरिया, सरसों, सोयाबीन तथा सूरजमुखी फसलों को सम्मिलित करते हैं।

1. मूँगफली—भारत विश्व में 18.8 प्रतिशत मूँगफली का उत्पादन करता है (2018)। यह मुख्यतः शुष्क प्रदेशों की वर्षा आधारित खरीफ फसल है। परन्तु दक्षिण भारत में यह रबी ऋतु में बोई जाती है। यह देश के कुल शस्य क्षेत्र के 3.6 प्रतिशत क्षेत्र में बोई जाती है। गुजरात, राजस्थान, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश इसके अग्रणी उत्पादक राज्य हैं।

तमिलनाडु में जहाँ भी यह फसल आंशिक रूप से सिंचित है, वहाँ इसकी पैदावार अपेक्षाकृत अधिक है। परन्तु आंध्र प्रदेश तथा कर्नाटक में इसकी पैदावार कम है।

2. तोरिया व सरसों—तोरिया और सरसों में बहुत से तिलहन सम्मिलित हैं, जैसे—राई, सरसों, तोरिया व तारामीरा आदि। ये उपोष्ण कटिबंधीय फसलें हैं तथा भारत के मध्य व उत्तर-पश्चिमी भाग में रबी की ऋतु में बोई जाती हैं। ये फसलें पाला सहन नहीं कर सकतीं तथा इनके उत्पादन में वार्षिक उतार-चढ़ाव है। परन्तु सिंचाई के प्रसार, बीज सुधार तथा प्रौद्योगिकी के साथ इनके उत्पादन में वृद्धि हुई है।

इन फसलों के अंतर्गत क्षेत्र का लगभग दो-तिहाई भाग सिंचित है। यह देश के कुल शस्य क्षेत्र के केवल 2.5 प्रतिशत भाग पर ही बोये जाते हैं। इनके उत्पादन का एक-तिहाई भाग राजस्थान में उत्पादित होता है तथा अन्य प्रमुख उत्पादक राज्य हरियाणा तथा मध्य प्रदेश हैं। इन फसलों की प्रति हेक्टेयर उत्पादकता हरियाणा तथा पंजाब में अपेक्षाकृत अधिक है।

3. सोयाबीन एवं सूरजमुखी—यह भारत के अन्य महत्त्वपूर्ण तिलहन हैं। सोयाबीन अधिकतर मध्य प्रदेश व महाराष्ट्र में बोया जाता है। दोनों राज्य मिलकर देश का लगभग 90 प्रतिशत सोयाबीन पैदा करते हैं। सूरजमुखी की फसल का सांद्रण कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना तथा इससे जुड़े हुए महाराष्ट्र के भागों में है। देश के उत्तरी भागों में यह एक गौण फसल है। लेकिन सिंचित क्षेत्रों में इनका उत्पादन अधिक है।

YouTube channel RK study point 99

खण्ड-ब

प्रश्न 19. दिए गए विश्व के रेखा-मानचित्र में निम्नलिखित वाणिज्य पशुधन पालन वाले राष्ट्रों को अंकित कीजिए– (4×½ = 2)

(अ) न्यूजीलैण्ड (ब) आस्ट्रेलिया (स) अर्जेंटाइना (द) अमेरिका

उत्तर–

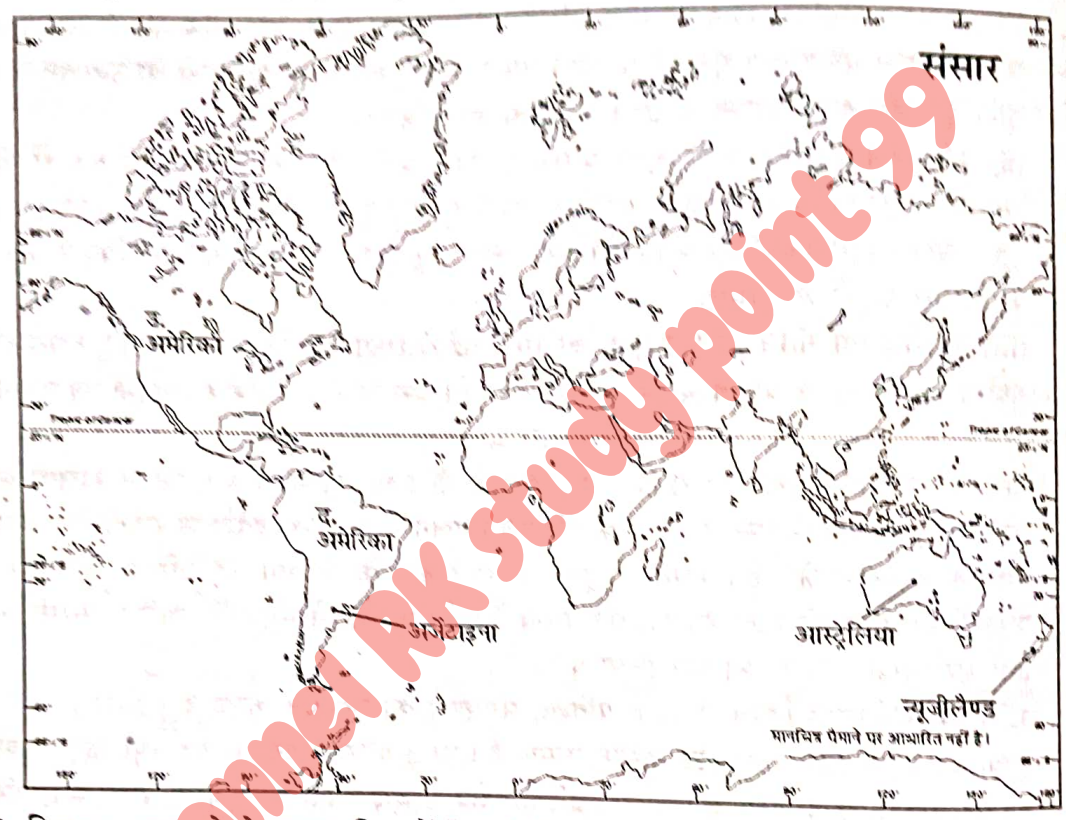

प्रश्न 20. दिए गए भारत के रेखा मानचित्र में निम्नलिखित अंतर्राष्ट्रीय हवाई पत्तनों को अंकित कीजिए– (4×½ = 2)

(अ) दिल्ली (ब) अहमदाबाद (स) बेंगलूरु (द) कोलकाता

उत्तर–

YouTube channel RK study point 99

मॉडल पेपर-2 (अभ्यासार्थ)

उच्च माध्यमिक परीक्षा–कक्षा 12

भूगोल

समय : 3 घण्टे 15 मिनट पूर्णांक : 56

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न-पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें।
2. सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें।
4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक-साथ ही लिखें।

खण्ड-अ

प्रश्न 1. नीचे दिये गये बहुविकल्पीय प्रश्नों के सही विकल्प का चयन कर उत्तर-पुस्तिका में लिखिए।

(i) निम्नलिखित में से कौनसा एक मानव भूगोल का उपागम नहीं है? ½
(अ) क्षेत्रीय विभिन्नता (ब) मात्रात्मक क्रान्ति
(स) स्थानिक संगठन (द) अन्वेषण और वर्णन

(ii) निम्न में से किस महाद्वीप में जनसंख्या वृद्धि सर्वाधिक है? ½
(अ) अफ्रीका (ब) एशिया
(स) दक्षिण अमेरिका (द) उत्तर अमेरिका

(iii) मानव विकास की अवधारणा निम्न में से किस विद्वान की देन है? ½
(अ) प्रो. अमर्त्य सेन (ब) डॉ. महबूब-उल-हक
(स) एलेन सी. सेम्पल (द) रैटजेल

(iv) निम्न देशों में से किस देश में सहकारी कृषि का सफल परीक्षण किया गया है? ½
(अ) रूस (ब) डेनमार्क
(स) भारत (द) नीदरलैण्ड

(v) निम्न में से कौनसा गैर-आधारभूत उद्योगों के अन्तर्गत शामिल किया जाता है? ½
(अ) टेलीविजन (ब) शृंगार सामान
(स) लिखने के लिए कागज (द) उपरोक्त सभी

(vi) निम्नलिखित में से कौनसा एक सेक्टर दिल्ली, मुम्बई, चेन्नई और कोलकाता में सर्वाधिक रोजगार प्रदान करता है? ½
(अ) प्राथमिक (ब) द्वितीयक
(स) पर्यटन (द) सेवा

(vii) विश्व का सबसे लम्बा रेलमार्ग है– ½
(अ) कनाडियन पैसेफिक रेलमार्ग (ब) पैन अमेरिकन रेलमार्ग
(स) आस्ट्रेलियन अन्तर्महाद्वीपीय रेलमार्ग (द) ट्रान्स-साइबेरियन रेलमार्ग

(viii) निम्नलिखित महाद्वीपों में से किस एक से विश्व व्यापार का सर्वाधिक प्रवाह होता है? ½
(अ) एशिया (ब) यूरोप
(स) उत्तरी अमेरिका (द) अफ्रीका

(ix) भारत की प्रथम जनगणना कब आयोजित की गई थी? ½
(अ) 1872 (ब) 1873
(स) 1874 (द) 1875

YouTube channel RK Study point 99

(x) भारत के किस राज्य में सबसे कम जनसंख्या घनत्व पाया जाता है? ½
(अ) तमिलनाडु (ब) कर्नाटक
(स) केरल (द) अरुणाचल प्रदेश

(xi) निम्नलिखित में से कौनसी रबी की फसल है? ½
(अ) चावल (ब) कपास
(स) मक्का (द) गेहूँ

(xii) भारतीय राष्ट्रीय जल नीति कब लागू की गई? ½
(अ) 2002 (ब) 2022
(स) 2020 (द) 2023

(xiii) निम्नलिखित में से किस स्थान पर पहला परमाणु ऊर्जा स्टेशन स्थापित किया गया था? ½
(अ) कलपक्कम (ब) नरोरा
(स) राणा प्रताप सागर (द) तारापुर

(xiv) स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना का संबंध है– ½
(अ) सड़क परिवहन से (ब) रेल परिवहन से
(स) जल परिवहन से (द) वायु परिवहन से

(xv) निम्न में से प्राकृतिक बन्दरगाह है– ½
(अ) कांडला (ब) मुम्बई
(स) कोच्चि (द) उपरोक्त सभी

(xvi) कौनसी गैस ओजोन परत को नुकसान पहुँचाती है? ½
(अ) नाइट्रोजन (ब) क्लोरो–फ्लोरो कार्बन
(स) ऑक्सीजन (द) सल्फर

उत्तर–

(i)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)	(vi)	(vii)	(viii)
(ix)	(x)	(xi)	(xii)	(xiii)	(xiv)	(xv)	(xvi)

प्रश्न 2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(i) विकास का अर्थ ..... परिवर्तन है, जो मूल्य सापेक्ष होता है। ½
उत्तर– .....

(ii) जब अयस्क धरातल के नीचे गहराई में होता है, तब ..... खनन विधि का प्रयोग किया जाता है। ½
उत्तर– .....

(iii) ..... व्यापार का गठन बिचौलिए सौदागरों और पूर्तिघरों द्वारा होता है। ½
उत्तर– .....

(iv) ..... में सर्वाधिक विस्तृत रेलमार्ग तंत्र है जो विश्व के कुल रेलमार्ग का लगभग 40 प्रतिशत है। ½
उत्तर– .....

YouTube channel RK study point 99

(v) सैलेरी शब्द लैटिन शब्द ..... से बना है। ½

उत्तर– .....

(vi) प्राकृतिक वृद्धि का विश्लेषण ..... जन्म और मृत्यु दरों से निर्धारित किया जाता है। ½

उत्तर– .....

(vii) मानव बस्ती का अर्थ है किसी भी प्रकार और ..... के घरों का संकलन। ½

उत्तर– .....

(viii) एक वर्ष से अधिक किन्तु पाँच वर्ष से कम समय तक कृषिरहित भूमि को ..... परती भूमि कहते हैं। ½

उत्तर– .....

(ix) नीरु-मीरु कार्यक्रम का संबंध ..... संसाधनों के संरक्षण से है। ½

उत्तर– .....

(x) ब्रटलैंड आयोग का संबंध ..... से है। ½

उत्तर– .....

प्रश्न 3. अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–

(i) एलन सी. सेंपल के अनुसार मानव भूगोल को परिभाषित कीजिए। 1

उत्तर– .....

.....

(ii) विश्व के विरल जनसंख्या घनत्व वाले क्षेत्र बताइये। 1

उत्तर– .....

.....

.....

(iii) मानव विकास के कोई दो उपागमों के नाम बताइये। 1

उत्तर– .....

(iv) प्लास्टिक उद्योग किस वर्ग का उद्योग है? 1

उत्तर– .....

(v) विश्व व्यापार संगठन क्या है? 1

उत्तर– .....

.....

(vi) किन्हीं दो बहुउद्देदशीय नदी घाटी परियोजनाओं के नाम लिखिए। 1

उत्तर– .....

.....

YouTube channel RK study point 99

(vii) उर्वरकों के अधिक प्रयोग से धरातलीय जल से किस तत्व की मात्रा बढ़ जाती है? 1

उत्तर– .....

खण्ड-ब

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

प्रश्न 4. आर्थिक भूगोल के उपक्षेत्रों के नाम लिखिए। 1½

उत्तर– .....

.....

.....

.....

प्रश्न 5. जनसंख्या के वितरण को प्रभावित करने वाले तीन भौगोलिक कारकों का उल्लेख कीजिए। 1½

उत्तर– .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्रश्न 6. उच्च प्रौद्योगिकी उद्योग पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। 1½

उत्तर– .....

.....

.....

.....

.....

प्रश्न 7. थोक व्यापार सेवा से क्या अभिप्राय है? 1½

उत्तर– .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

YouTube channel RK study point 99

प्रश्न 8. विश्व व्यापार संगठन के आधारभूत कार्य कौनसे हैं? 1½

उत्तर–

प्रश्न 9. भारत के कुछ राज्यों में अन्य राज्यों की अपेक्षा श्रम सहभागिता ऊँची क्यों है? 1½

उत्तर–

प्रश्न 10. गैरिसन नगर क्या होते हैं? उनका क्या प्रकार्य होता है? 1½

उत्तर–

प्रश्न 11. परिवहन एवं संचार में तीन अन्तर स्पष्ट कीजिए। 1½

उत्तर–

YouTube channel RK study point 99

प्रश्न 12. भारत के विदेशी व्यापार की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। 1½

उत्तर–

प्रश्न 13. भारत में गंदी बस्तियों की समस्या के समाधान के कोई तीन उपाय बताइए। 1½

उत्तर–

खण्ड–स

दीर्घउत्तरीय प्रश्न–

प्रश्न 14. निम्नलिखित पारमहाद्वीपीय रेलमार्गों पर टिप्पणी लिखिए– 1½+1½=3

(अ) आस्ट्रेलियाई पारमहाद्वीपीय रेलमार्ग (ब) ओरियण्ट एक्सप्रेस

अथवा

निम्न समुद्री मार्गों पर टिप्पणी लिखिए–

(अ) उत्तमाशा अंतरीप समुद्री मार्ग (ब) दक्षिणी अटलांटिक समुद्री मार्ग

उत्तर–

YouTube channel RK study point 99

प्रश्न 15. भारत में पाए जाने वाले निम्न खनिजों पर टिप्पणी लिखिए– 3
(i) बॉक्साइट (ii) अभ्रक

अथवा

भारत में पवन ऊर्जा के विकास का वर्णन कीजिए।

उत्तर–

प्रश्न 16. 'लक्ष्य क्षेत्र' और 'लक्ष्य समूह' नियोजन से क्या अभिप्राय है? इन क्षेत्रों में कौनसे कार्यक्रम सम्मिलित हैं? 3

अथवा

भरमौर जनजातीय विकास परियोजना के मुख्य उद्देश्य बताइए।

उत्तर–

YouTube channel RK study point 99

खण्ड-द

निबन्धात्मक प्रश्न–

प्रश्न 17. अफ्रीका में अपरिमित प्राकृतिक संसाधन है फिर भी औद्योगिक दृष्टि से यह बहुत पिछड़ा महाद्वीप है। समीक्षा कीजिए। 4

अथवा

अधिकतर देशों में उच्च प्रौद्योगिकी उद्योग प्रमुख महानगरों की परिधि क्षेत्रों में ही क्यों विकसित हो रहे हैं? व्याख्या कीजिए।

उत्तर–

YouTube channel RK study point 99

प्रश्न 18. भारत में चावल की कृषि का वर्णन निम्न बिन्दुओं के आधार पर कीजिए– 4
(अ) फसल परिचय (ब) जलवायु दशाएँ (स) उत्पादक क्षेत्र

अथवा

भूमि को स्वामित्व के आधार पर कितने वर्गों में विभाजित किया जा सकता है? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर–

YouTube channel RK study point 99

खण्ड-य

प्रश्न 19. दिए गए विश्व के रेखा मानचित्र में निम्नलिखित हवाई पत्तनों को अंकित कीजिए– 2

(i) चेन्नई (ii) लंदन (iii) मास्को (iv) शिकागो

उत्तर–

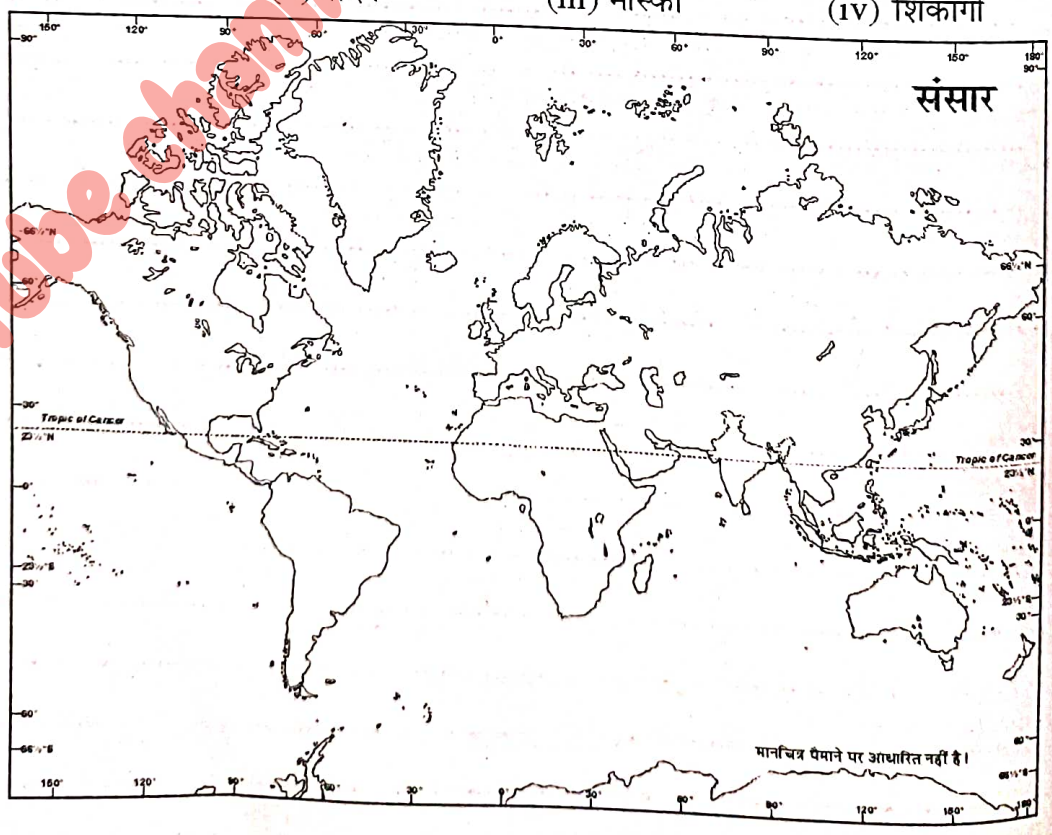

YouTube channel RK study point 99

प्रश्न 20. दिए गए भारत के रेखा मानचित्र में निम्नलिखित ताँबा उत्पादक क्षेत्रों को अंकित कीजिए– 2
(i) हजारीबाग (ii) बालाघाट (iii) खेतड़ी (iv) कटनी

उत्तर–

दिनांक ..... प्राप्तांक ..... ह. अध्यापक .....

पूर्णांक–56

मॉडल पेपर–3 (अभ्यासार्थ)

उच्च माध्यमिक परीक्षा–कक्षा 12

भूगोल

समय : 3 घण्टे 15 मिनट पूर्णांक : 56

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न-पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें।
2. सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें।
4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक-साथ ही लिखें।

खण्ड-अ

प्रश्न 1. नीचे दिये गये बहुविकल्पीय प्रश्नों के सही विकल्प का चयन कर उत्तर-पुस्तिका में लिखिए।

(i) 'रुको और जाओ निश्चयवाद' की संकल्पना के प्रतिपादक विद्वान का नाम है– ½
(अ) रैटजेल (ब) ब्लॉश (स) हंटिंगटन (द) ग्रिफिथ टेलर

(ii) प्रवास का अपकर्ष कारक है– ½
(अ) राजनीतिक हलचल (ब) प्राकृतिक आपदाएँ
(स) महामारियाँ (द) काम के बेहतर अवसर

(iii) मानव विकास सूचकांक में भारत के निम्नलिखित राज्यों में से किस एक की कोटि न्यूनतम है? ½
(अ) तमिलनाडु (ब) छत्तीसगढ़ (स) पंजाब (द) हरियाणा

YouTube channel RK study point 99

(iv) स्थानान्तरणशील कृषि को 'लादांग' के नाम से जिस देश में जाना जाता है, वह है– ½
(अ) मेक्सिको (ब) भारत (स) चीन (द) इण्डोनेशिया

(v) विनिर्माण उद्योग को किस क्षेत्र में सम्मिलित किया जाता है? ½
(अ) प्राथमिक क्षेत्र (ब) द्वितीयक क्षेत्र (स) तृतीयक क्षेत्र (द) चतुर्थक क्षेत्र

(vi) उच्च स्तर पर निर्णय लेने की क्रिया को किस क्षेत्र में शामिल किया जाता है? ½
(अ) पंचम क्षेत्र (ब) द्वितीयक क्षेत्र (स) तृतीयक क्षेत्र (द) चतुर्थक क्षेत्र

(vii) किस देश में रेलमार्गों के जाल का सघनतम घनत्व पाया जाता है? ½
(अ) ब्राजील (ब) कनाडा
(स) संयुक्त राज्य अमेरिका (द) रूस

(viii) GATT को विश्व व्यापार संगठन में कब रूपान्तरित किया गया? ½
(अ) जनवरी 1991 में (ब) जनवरी 1993 में
(स) जनवरी 1995 में (द) जनवरी 1997 में

(ix) भारतीय युवा नीति-2014, किस आयु वर्ग के व्यक्तियों को युवा के रूप में परिभाषित करती है? ½
(अ) 15-35 (ब) 14-25 (स) 15-50 (द) 15-29

(x) मुख्य श्रमिक वह है जो एक वर्ष में कम से कम कार्य करें– ½
(अ) 163 दिन (ब) 173 दिन (स) 183 दिन (द) 193 दिन

(xi) शुष्क कृषि में निम्न में से कौनसी फसल नहीं बोई जाती? ½
(अ) रागी (ब) ज्वार (स) मूँगफली (द) गन्ना

(xii) 'अरवारी पानी संसद' कार्यक्रम राजस्थान के किस क्षेत्र में चलाया गया है? ½
(अ) जयपुर (ब) जोधपुर (स) चूरू (द) अलवर

(xiii) निम्नलिखित में से लौह अयस्क का प्रकार है– ½
(अ) लिग्नाइट (ब) यूरेनियम (स) हेमेटाइट (द) बॉक्साइट

(xiv) राष्ट्रीय जलमार्ग संख्या-1 किस नदी पर तथा किन दो स्थानों के बीच स्थित है? ½
(अ) ब्रह्मपुत्र-सदिया-धुबरी (ब) गंगा-हल्दिया-इलाहाबाद
(स) पश्चिमी तट नहर-कोट्टापुरम से कोल्लाम
(द) उपरोक्त में से कोई नहीं

(xv) मार्मागाओ पत्तन किस नदी पर स्थित है? ½
(अ) जुआरी (ब) नर्मदा (स) तापी (द) यमुना

(xvi) राष्ट्रीय स्तर पर गंगा की सफाई के लिए कौनसा अभियान चलाया गया? ½
(अ) हर हर गंगे (ब) नमामि गंगे
(स) गंगा ग्राम कार्यक्रम (द) गंगा बचाओ कार्यक्रम

उत्तर–

(i)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)	(vi)	(vii)	(viii)
(ix)	(x)	(xi)	(xii)	(xiii)	(xiv)	(xv)	(xvi)

प्रश्न 2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(i) अमर्त्य सेन ने विकास का मुख्य ध्येय स्वतंत्रता में .... के रूप में देखा। ½

उत्तर– ....

YouTube channel RK study point 99

(ii) जिन प्रदेशों में कृषक केवल सब्जियाँ पैदा करता है, वहाँ इसको ..... का नाम दिया जाता है। ½

उत्तर– .....

(iii) ..... क्रियाकलाप में उत्पादन और विनिमय दोनों सम्मिलित होते हैं। ½

उत्तर– .....

(iv) सर्वाधिक सड़क घनत्व और सबसे अधिक वाहनों की संख्या ..... में पाई जाती है। ½

उत्तर– .....

(v) पर्शिया की खाड़ी पर ..... एक तेलशोधन पत्तन है। ½

उत्तर– .....

(vi) भारत में प्रथम सम्पूर्ण जनगणना ..... ई. में सम्पन्न हुई थी। ½

उत्तर– .....

(vii) मेघालय, उत्तराखण्ड, हिमाचल प्रदेश और केरल में बस्ती का ..... प्रकार पाया जाता है। ½

उत्तर– .....

(viii) आर्द्रता के प्रमुख उपलब्ध स्रोत के आधार पर कृषि को सिंचित व ..... में वर्गीकृत किया जाता है। ½

उत्तर– .....

(ix) राजस्थान में वर्षा जल संरक्षण के ढाँचों को ..... अथवा टाँका के नाम से जाना जाता है। ½

उत्तर– .....

(x) विकास एक ..... संकल्पना है। ½

उत्तर– .....

प्रश्न 3. अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–

(i) 'मानव का प्राकृतिकरण' क्या है? 1

उत्तर– .....

.....

(ii) प्रवास के प्रतिकर्ष कारकों के दो उदाहरण लिखिए। 1

उत्तर– .....

YouTube channel RK study point 99

(iii) विकासहीन वृद्धि से क्या तात्पर्य है? 1

उत्तर– .....

.....

(iv) प्राकृतिक संसाधनों का मूल्य किस गतिविधि के द्वारा बढ़ाया जाता है? 1

उत्तर– .....

(v) सघन जनसंख्या वाले देशों में आन्तरिक व्यापार अधिक क्यों होता है? बताइये। 1

उत्तर– .....

.....

(vi) प्रायद्वीपीय पठारी भाग में सबसे महत्त्वपूर्ण सिंचाई का स्रोत कौनसा है? 1

उत्तर– .....

(vii) भू-निम्नीकरण क्या है? 1

उत्तर– .....

खण्ड-ब

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

प्रश्न 4. मानव भूगोल किस प्रकार अन्य सामाजिक विज्ञानों से संबंधित है? 1½

उत्तर– .....

.....

.....

.....

.....

प्रश्न 5. थॉमस मॉल्थस के जनसंख्या नियंत्रण संबंधी विचार बताइये। 1½

उत्तर– .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्रश्न 6. आधुनिक निर्माण की प्रमुख विशेषताएँ बताइए। 1½

उत्तर– .....

.....

YouTube channel PK study point 99

प्रश्न 7. पंचम क्रियाकलाप क्या है? उदाहरण सहित समझाइये। 1½

उत्तर–

प्रश्न 8. गैट (GATT) के विषय में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। 1½

उत्तर–

प्रश्न 9. सीमान्त श्रमिक और मुख्य श्रमिक में अन्तर स्पष्ट कीजिए। 1½

उत्तर–

प्रश्न 10. किसी नगरीय संकुल की पहचान किस प्रकार की जा सकती है? 1½

उत्तर–

YouTube channel RK study point 99

प्रश्न 11. भारत के उपग्रह संचार प्रणाली का विश्लेषणात्मक अध्ययन कीजिए। 1½
उत्तर–

प्रश्न 12. पत्तन और पोताश्रय में कोई तीन अन्तर बताइए। 1½
उत्तर–

प्रश्न 13. आधुनिक जीवन शैली ध्वनि प्रदूषण हेतु उत्तरदायी है। समझाइये। 1½
उत्तर–

YouTube channel RK study point 99

खण्ड-स

दीर्घउत्तरीय प्रश्न–

प्रश्न 14. साइबर स्पेस की उपयोगिता समझाइए। **3**

अथवा

उपग्रह संचार पर टिप्पणी लिखिए।

उत्तर–

प्रश्न 15. भारत में पाए जाने वाले निम्न खनिजों पर टिप्पणी लिखिए। **3**

(i) लौह अयस्क (ii) मैंगनीज

अथवा

भारत में खनिजों के वितरण पर टिप्पणी लिखिए।

उत्तर–

YouTube channel RK study point 99

प्रश्न 16. नियोजन के उपागमनों के विषय में लिखिए।

अथवा

इन्दिरा गांधी नहर परियोजना के पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभावों की व्याख्या कीजिए।

उत्तर–

YouTube channel RK study point 99

खण्ड-द

निबन्धात्मक प्रश्न–

प्रश्न 17. प्राथमिक एवं द्वितीयक गतिविधियों में क्या अन्तर है? 4

अथवा

विश्व के विकसित देशों के उद्योगों के संदर्भ में आधुनिक औद्योगिक क्रियाओं की मुख्य प्रवृत्तियों की विवेचना कीजिए।

उत्तर–

प्रश्न 18. भारत में भू-संसाधनों की विभिन्न प्रकार की पर्यावरणीय समस्याएँ कौनसी हैं? उनका निदान कैसे किया जाए? 4

अथवा

भारत में प्रमुख खाद्यान्न फसलों पर लेख लिखिए।

उत्तर–

YouTube channel RK study point 99

खण्ड–य

प्रश्न 19. दिए गए विश्व के रेखा मानचित्र में निम्न समुद्री पत्तनों को अंकित कीजिए– 2

(i) मेलबोर्न (ii) मुम्बई (iii) न्यूयार्क (iv) केपटाउन

उत्तर–

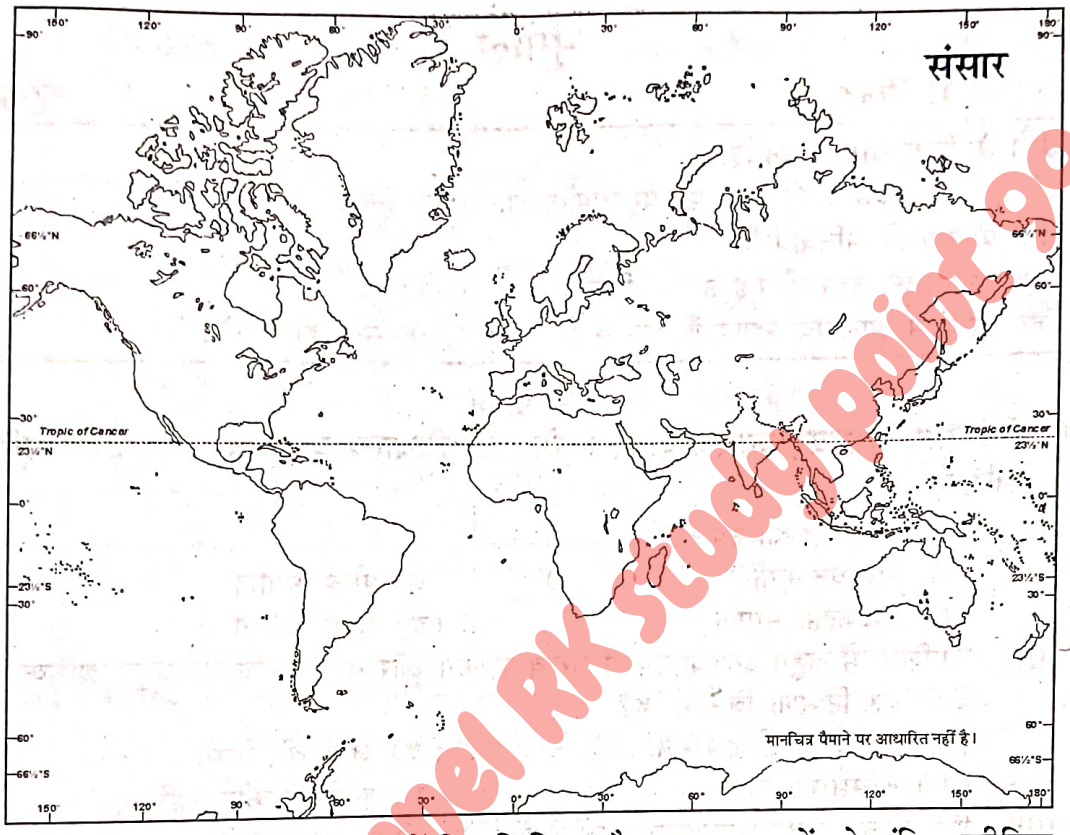

प्रश्न 20. दिए गए भारत के रेखा मानचित्र में निम्नलिखित लौह अयस्क खानों को अंकित कीजिए– 2

(i) मयूरभंज (ii) तुमकुरू (iii) दुर्ग (iv) रत्नागिरी

उत्तर–

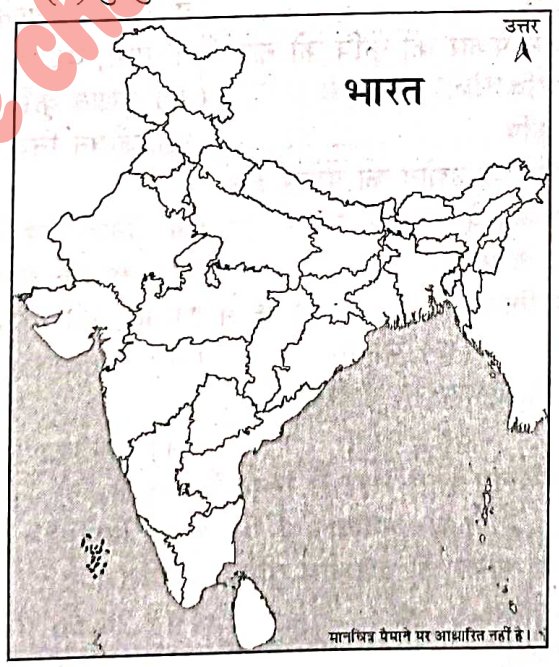

YouTube Channel RK Study Point 99

दिनांक ..... प्राप्तांक ..... ह. अध्यापक .....

पूर्णांक–56

मॉडल पेपर-4 (अभ्यासार्थ)

उच्च माध्यमिक परीक्षा–कक्षा 12

भूगोल

समय : 3 घण्टे 15 मिनट **पूर्णांक : 56**

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न-पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें।
2. सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें।
4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक-साथ ही लिखें।

YouTube channel RK study point 99

खण्ड-अ

प्रश्न 1. नीचे दिये गये बहुविकल्पीय प्रश्नों के सही विकल्प का चयन कर उत्तर-पुस्तिका में लिखिए।

(i) आर्थिक भूगोल का उपक्षेत्र है– ½
(अ) संसाधन भूगोल (ब) सैन्य भूगोल
(स) चिकित्सा भूगोल (द) लिंग भूगोल

(ii) "एशिया में बहुत अधिक स्थानों पर कम लोग और कम स्थानों पर बहुत अधिक लोग रहते हैं।" यह टिप्पणी किसकी है? ½
(अ) राल्फ वाल्डो इमरसन (ब) जॉर्ज बी. क्रेसी
(स) थॉमस माल्थस (द) इनमें से कोई नहीं

(iii) निम्न मानव विकास सूचकांक वाले देशों में सूचकांक का स्कोर है– ½
(अ) 0.6 से नीचे (ब) 0.549 से नीचे
(स) 0.5 से ऊपर (द) 0.7 से नीचे

(iv) 'कोलखहोज' जिस प्रकार की कृषि को नाम दिया गया, वह है– ½
(अ) सहकारी कृषि (ब) उद्यान कृषि
(स) सामूहिक कृषि (द) जीवन निर्वाह कृषि

(v) स्वामित्व के आधार पर उद्योग का प्रकार है– ½
(अ) सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योग (ब) निजी क्षेत्र के उद्योग
(स) संयुक्त क्षेत्र के उद्योग (द) उपरोक्त सभी

(vi) निम्न में से किस क्रिया को तृतीयक क्षेत्रक में शामिल नहीं किया जाता है– ½
(अ) उद्योग (ब) व्यापार (स) परिवहन (द) संचार

(vii) डेन्यूब जलमार्ग किस महाद्वीप में स्थित है? ½
(अ) एशिया (ब) यूरोप (स) अफ्रीका (द) अमेरिका

(viii) 'ओपेक' का मुख्यालय जिस शहर में स्थित है, वह है– ½
(अ) वियना (ब) अबादान (स) त्रिपोली (द) वाशिंगटन

(ix) 2001-2011 तक भारत की दशकीय वृद्धि दर कितनी है? ½
(अ) 21.51 प्रतिशत (ब) 24.66 प्रतिशत
(स) 23.85 प्रतिशत (द) 17.64 प्रतिशत

(x) सन् 2011 की जनगणना के अनुसार निम्नलिखित में से किस राज्य में नगरीय जनसंख्या का अनुपात सर्वाधिक है? ½

(अ) तमिलनाडु (ब) महाराष्ट्र (स) केरल (द) गोआ

(xi) निम्न में से खरीफ की फसल है- ½

(अ) ज्वार (ब) बाजरा (स) अरहर (द) उपरोक्त सभी

(xii) निम्न में से किस राज्य में लैगून झीलें नहीं पायी जाती हैं? ½

(अ) केरल (ब) राजस्थान (स) उड़ीसा (द) पश्चिम बंगाल

(xiii) निम्न में से धात्विक खनिज है- ½

(अ) ताँबा (ब) मैंगनीज (स) निकल (द) उपरोक्त सभी

(xiv) भारत में सर्वप्रथम रेल किस वर्ष चलाई गई? ½

(अ) 1846 में (ब) 1853 में (स) 1903 में (द) 1916 में

(xv) भारत के किस पत्तन का पोताश्रय सबसे गहरा है? ½

(अ) हल्दिया (ब) पारादीप (स) मुम्बई (द) मार्मागाओ

(xvi) हेपेटाइटिस बीमारी का मुख्य कारण है- ½

(अ) ध्वनि प्रदूषण (ब) वायु प्रदूषण (स) जल प्रदूषण (द) भू-प्रदूषण

उत्तर-

(i)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)	(vi)	(vii)	(viii)
(ix)	(x)	(xi)	(xii)	(xiii)	(xiv)	(xv)	(xvi)

प्रश्न 2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(i) ..... का अर्थ है अवसरों की उपलब्धता में निरन्तरता। ½

उत्तर- .....

(ii) ..... की कृषि भूमध्यसागरीय क्षेत्र की विशेषता है। ½

उत्तर- .....

(iii) तृतीयक क्रियाकलाप ..... सेक्टर से संबंधित हैं। ½

उत्तर- .....

(iv) प्रथम सार्वजनिक रेलमार्ग ..... में उत्तरी इंग्लैण्ड के स्टॉकटन और डार्लिंग्टन स्थानों के मध्य प्रारम्भ हुआ। ½

उत्तर- .....

(v) ..... व्यापार उत्पादन में विशिष्टीकरण का परिमाण है। ½

उत्तर- .....

(vi) जनसंख्या वृद्धि के दो घटक हैं ..... और अभिप्रेरित। ½

उत्तर- .....

(vii) अंबाला, जालंधर, महू, बबीना और उधमपुर ..... नगर के उदाहरण हैं। ½

उत्तर- .....

YouTube channel RK study point 99

(viii) ..... अल्पकालीन, ग्रीष्मकालीन फसल-ऋतु है जो रबी की कटाई के बाद प्रारम्भ होती है। ½

उत्तर– .....

(ix) नदियों में प्रदूषकों का संकेन्द्रण ..... के मौसम में अधिक होता है। ½

उत्तर– .....

(x) पर्वतीय क्षेत्र विकास कार्यक्रमों को ..... पंचवर्षीय योजना में प्रारम्भ किया गया। ½

उत्तर– .....

प्रश्न 3. अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–

(i) पृथ्वी के दो प्रमुख घटक बताइए। 1

उत्तर– .....

(ii) अशोधित जन्म दर को किस प्रकार व्यक्त किया जाता है? 1

उत्तर– .....

.....

(iii) यू. एन. डी. पी. द्वारा प्रयुक्त मानव विकास मापन के कोई दो सूचकांक बताइए। 1

उत्तर– .....

(iv) सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योग एवं निजी क्षेत्र के उद्योग में कोई एक अन्तर बताइए। 1

उत्तर– .....

.....

(v) द्विपार्श्विक व्यापार से क्या आशय हैं? 1

उत्तर– .....

(vi) भारत में अधिकांश समय बाढ़ की चपेट में रहने वाले दो क्षेत्रों के नाम बताइये। 1

उत्तर– .....

(vii) जल प्रदूषण के कोई दो कारण लिखिये। 1

उत्तर– .....

.....

खण्ड-ब

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

प्रश्न 4. मानव भूगोल के सम्भववाद उपागम की प्रमुख विशेषताएँ बताइये। 1½

उत्तर– .....

.....

.....

YouTube channel MK study point 99

प्रश्न 5. औद्योगिक क्षेत्र सघन जनसंख्या वाले क्षेत्र क्यों होते हैं? बताइये। 1½

उत्तर–

प्रश्न 6. बड़े पैमाने के उद्योग एवं लघु पैमाने के उद्योग में कोई तीन अन्तर बताइए। 1½

उत्तर–

प्रश्न 7. विभिन्न प्रकार के भण्डारों का उल्लेख कीजिए। 1½

उत्तर–

प्रश्न 8. व्यापार संतुलन से क्या अभिप्राय है? इसके प्रकारों का संक्षेप में वर्णन कीजिए। 1½

उत्तर–

YouTube channel RK study point 99

प्रश्न 9. देश में जनसंख्या की तीव्र वृद्धि के क्या कारण हैं? 1½
उत्तर–

प्रश्न 10. अर्द्ध गुच्छित बस्तियों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। 1½
उत्तर–

प्रश्न 11. परिवहन के तीन प्रमुख साधनों का उल्लेख कीजिए। 1½
उत्तर–

प्रश्न 12. उन महत्त्वपूर्ण मदों का नाम बताइए जिन्हें भारत विभिन्न देशों से आयात करता है? 1½
उत्तर–

YouTube channel RK study point 99

.....

.....

प्रश्न 13. भारत में भूमि प्रदूषण कम करने के कोई तीन उपाय बताइए। 1½

उत्तर– .....

.....

.....

.....

.....

.....

खण्ड-स

दीर्घउत्तरीय प्रश्न–

प्रश्न 14. निम्न समुद्री मार्गों पर टिप्पणी लिखिए। 1½×1½=3

(अ) उत्तरी प्रशान्त समुद्री मार्ग (ब) दक्षिणी प्रशान्त समुद्री मार्ग

अथवा

राइन जल मार्ग पर संक्षिप्त लेख लिखिए।

उत्तर– .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्रश्न 15. भारत के निम्न परम्परागत ऊर्जा स्रोतों पर टिप्पणी लिखिए– 3

(i) कोयला (ii) पेट्रोलियम

अथवा

भारत के निम्न अपरंम्परागत स्रोतों का उल्लेख कीजिए–(i) नाभिकीय ऊर्जा (ii) सौर ऊर्जा

उत्तर– .....

.....

.....

YouTube channel RK study point 99

प्रश्न 16. पर्वतीय क्षेत्र विकास कार्यक्रम पर टिप्पणी लिखिए। 3

अथवा

सतत् पोषणीय विकास पर टिप्पणी लिखिए।

उत्तर–

YouTube channel RK study point 99

खण्ड-द

निबन्धात्मक प्रश्न–

प्रश्न 17. आधुनिक बड़े पैमाने पर होने वाले विनिर्माण की विशेषताएँ बताइए। 4

अथवा

उच्च प्रौद्योगिकी उद्योग की संकल्पना की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर–

YouTube channel RK study point 99

प्रश्न 18. भारतीय कृषि के प्रमुख प्रकारों का वर्णन कीजिए। 4

अथवा

भारत की प्रमुख रेशेदार फसलें कपास तथा जूट का वर्णन कीजिए।

उत्तर–

YouTube channel RK study point 99

खण्ड-य

प्रश्न 19. दिए गए विश्व के रेखा मानचित्र में निम्नांकित विस्तृत वाणिज्य अनाज कृषि वाले देशों को दर्शाइए– 2

(i) रूस (ii) कनाडा (iii) मैक्सिको (iv) संयुक्त राज्य अमेरिका

उत्तर–

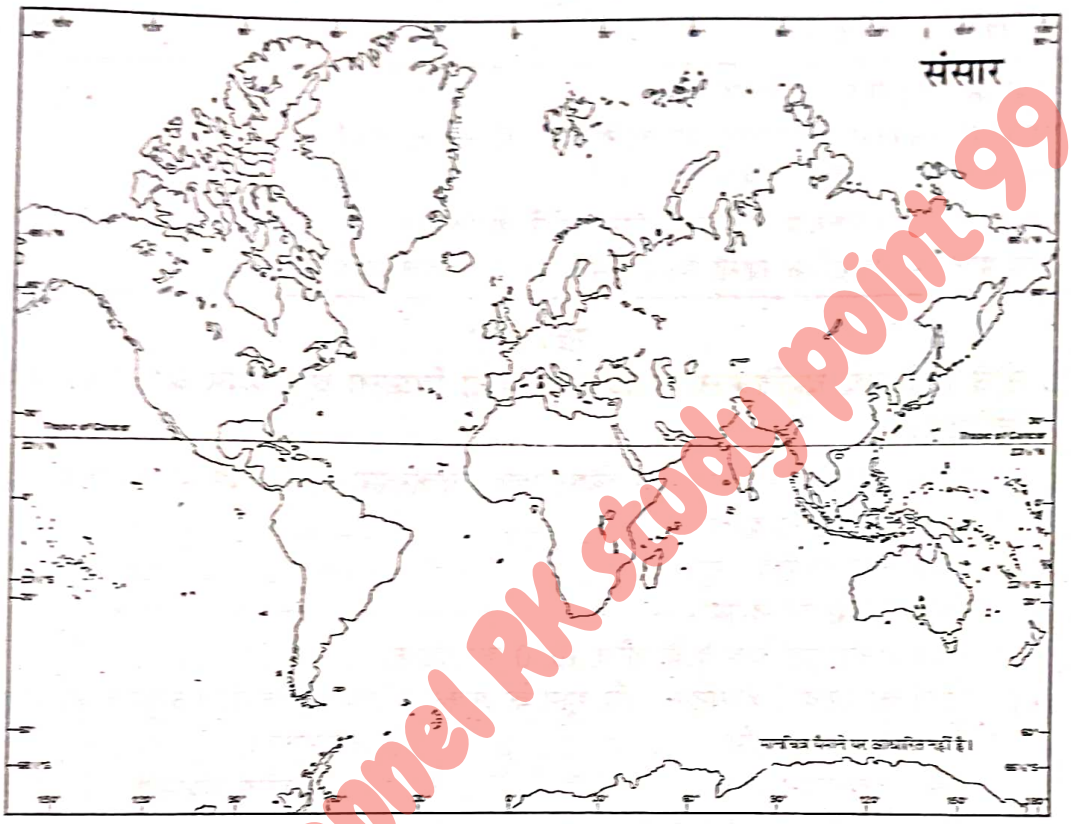

प्रश्न 20. दिए गए भारत के रेखा मानचित्र में निम्न सूती वस्त्र उद्योग केन्द्रों को दर्शाइए– 2

(i) सूरत (ii) कानपुर (iii) मैसूर (iv) ग्वालियर

उत्तर–

दिनांक ..... प्राप्तांक ..... ह. अध्यापक .....

पूर्णांक–56

YouTube channel RK study point 99

मॉडल पेपर-5 (अभ्यासार्थ)

उच्च माध्यमिक परीक्षा–कक्षा 12

भूगोल

समय : 3 घण्टे 15 मिनट पूर्णांक : 56

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न-पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें।
2. सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें।
4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक-साथ ही लिखें।

खण्ड-अ

प्रश्न 1. नीचे दिये गये बहुविकल्पीय प्रश्नों के सही विकल्प का चयन कर उत्तर-पुस्तिका में लिखिए।

(i) मानवतावादी, आमूलवादी और व्यवहारवादी विचारधाराओं के उदय की समयावधि है– ½
(अ) 1990 का दशक
(ब) उत्तर उपनिवेश युग
(स) 1970 का दशक
(द) अन्तर युद्ध अवधि के बीच 1930 का दशक

(ii) लोगों की संख्या (जनसंख्या) और भूमि के आकार (क्षेत्रफल) के बीच अनुपात कहलाता है– ½
(अ) जनसंख्या वृद्धि (ब) लिंगानुपात
(स) जनसंख्या घनत्व (द) जनांकिकीय संक्रमण

(iii) मानव विकास का उपागम है– ½
(अ) आय उपागम (ब) कल्याण उपागम
(स) क्षमता उपागम (द) उपरोक्त सभी

(iv) निम्न में से कौनसा क्षेत्र वाणिज्य पशुधन पालन से संबंधित नहीं है– ½
(अ) एशिया में टुण्ड्रा प्रदेश (ब) न्यूजीलैण्ड
(स) आस्ट्रेलिया (द) अर्जेण्टाइना

(v) निम्न में से कौनसा/से द्वितीयक क्रियाओं के अन्तर्गत शामिल है/हैं? ½
(अ) विनिर्माण उद्योग (ब) प्रसंस्करण उद्योग
(स) निर्माण उद्योग (द) उपर्युक्त सभी

(vi) तृतीयक क्रियाकलाप जिस कारक पर निर्भर है, वह है– ½
(अ) कुशलता (ब) मशीनरी (स) फैक्टरी (द) उत्पादन

(vii) विश्व का व्यस्ततम व्यापारिक जलमार्ग है– ½
(अ) उत्तरी अटलांटिक समुद्री मार्ग
(ब) भूमध्य सागर-हिन्द महासागरीय समुद्री मार्ग
(स) उत्तमाशा अंतरीप समुद्री मार्ग
(द) उत्तरी प्रशान्त समुद्री मार्ग

(viii) मार्ग पत्तन (विश्राम पत्तन) का उदाहरण है– ½
(अ) अदन (ब) होनोलूलू (स) सिंगापुर (द) उपरोक्त सभी

YouTube channel PK study point 99

(ix) निम्नलिखित में से कौनसा एक समूह भारत में विशालतम भाषाई समूह है? ½
(अ) चीनी-तिब्बती (ब) भारतीय आर्य
(स) आस्ट्रिक (द) द्रविड़

(x) 2011 की जनगणना के अनुसार भारत का जनसंख्या घनत्व कितना है? ½
(अ) 382 (ब) 200 (स) 340 (द) 350

(xi) पश्चिमी बंगाल में किसान चावल की निम्न में से कौनसी फसल लेते हैं? ½
(अ) औस (ब) अमन (स) बोरो (द) उपरोक्त सभी

(xii) पर्यावरण सुरक्षा अधिनियम कब पारित किया गया था? ½
(अ) 1974 में (ब) 1982 में (स) 1986 में (द) 1989 में

(xiii) भारत में सबसे बड़ा कोयला क्षेत्र कौनसा है? ½
(अ) रानीगंज (ब) झरिया (स) बोकारो (द) गिरीडीह

(xiv) देश में सर्वप्रथम टी.वी. का प्रसारण कब हुआ था? ½
(अ) 1923 (ब) 1936 (स) 1959 (द) 1972

(xv) किस बन्दरगाह का निर्माण मुम्बई बन्दरगाह का दबाव घटाने के लिए किया गया है? ½
(अ) कांडला (ब) कोच्चि (स) तूतीकोरिन (द) एन्नौर

(xvi) वायु प्रदूषण हेतु जिम्मेदार कारक हैं– ½
(अ) कार्बन मोनोक्साइड (ब) सीसा एवं एस्बेस्टस
(स) कार्बन डाईऑक्साइड (द) उपरोक्त सभी

उत्तर–

(i)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)	(vi)	(vii)	(viii)
(ix)	(x)	(xi)	(xii)	(xiii)	(xiv)	(xv)	(xvi)

प्रश्न 2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(i) मानव विकास प्रतिवेदन, 2020 के अनुसार उच्च मानव विकास समूह में ..... देश सम्मिलित हैं। ½

उत्तर– .....

(ii) ब्राजील में ..... बागानों को फेजेंडा कहते हैं। ½

उत्तर– .....

(iii) ..... ने वैश्विक संचार तंत्र में क्रान्ति ला दी है। ½

उत्तर– .....

(iv) ..... दूरस्थ स्थानों को जोड़ने वाली पक्की सड़के होती हैं। ½

उत्तर– .....

(v) आदिम समाज में व्यापार का आरम्भिक स्वरूप ..... व्यवस्था था। ½

उत्तर– .....

YouTube channel RK study point 99

(vi) जनसंख्या के ..... को प्रति इकाई क्षेत्र में व्यक्तियों की संख्या द्वारा अभिव्यक्त किया जाता है। ½

उत्तर– .....

(vii) सिन्धु घाटी सभ्यता के युग में भी हड़प्पा और ..... जैसे नगर अस्तित्व में थे। ½

उत्तर– .....

(viii) देश के कुल बोए गए क्षेत्र के ..... भाग पर चावल बोया जाता है। ½

उत्तर– .....

(ix) राजस्थान व महाराष्ट्र में अधिक जल निकालने के कारण भूमिगत जल में ..... का संकेन्द्रण बढ़ गया था। ½

उत्तर– .....

(x) इन्दिरा गांधी नहर को ..... नहर के नाम से जाना जाता था। ½

उत्तर– .....

प्रश्न 3. अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–

(i) पर्यावरणीय निश्चयवाद और सम्भववाद के बीच मध्य मार्ग को कौनसी संकल्पना परिलक्षित करती है? इस संकल्पना का प्रतिपादन किसने किया था? 1

उत्तर– .....

.....

(ii) अशोधित मृत्यु दर की गणना का सूत्र लिखिये। 1

उत्तर– .....

.....

(iii) सशक्तिकरण से क्या अभिप्राय है? 1

उत्तर– .....

(iv) प्रमुख प्राथमिक क्रियाओं के नाम बताइए। 1

उत्तर– .....

.....

(v) फुटकर व्यापार किसे कहते हैं? 1

उत्तर– .....

.....

(vi) हरित क्रान्ति की सबसे बड़ी उपलब्धि क्या है? 1

उत्तर– .....

YouTube channel RK study point 99

(vii) सर्वाधिक जल प्रदूषक उद्योग कौन-से हैं? 1

उत्तर– .....

.....

खण्ड-ब

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

प्रश्न 4. कुमारी एलन सैम्पल द्वारा मानव भूगोल की दी गई परिभाषा के तीन मूल बिन्दु कौन-कौनसे हैं? 1½

उत्तर– .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्रश्न 5. जनसंख्या की धनात्मक वृद्धि तथा ऋणात्मक वृद्धि में अन्तर स्पष्ट कीजिए। 1½

उत्तर– .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्रश्न 6. प्रौद्योगिक ध्रुव का क्या अभिप्राय है? स्पष्ट कीजिए। 1½

उत्तर– .....

.....

.....

.....

YouTube channel RK study point 99

प्रश्न 7. ग्रामीण विपणन केन्द्रों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। 1½

उत्तर–

प्रश्न 8. द्विपार्श्विक एवं बहुपार्श्विक व्यापार में अन्तर स्पष्ट कीजिए। 1½

उत्तर–

प्रश्न 9. भारत में जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित करने के उपाय सुझाइए। 1½

उत्तर–

प्रश्न 10. आप के अनुसार अंग्रेजों ने भारत में तटीय स्थानों पर नगरों का विकास क्यों किया? 1½

उत्तर–

YouTube Channel RK study point 99

प्रश्न 11. राष्ट्रीय महामार्ग तथा राज्य महामार्ग में कोई तीन अन्तर बताइए। 1½

उत्तर– .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्रश्न 12. भारत के पूर्वी एवं पश्चिमी तटों पर पत्तनों की अवस्थिति में पायी जाने वाली भिन्नता के क्या कारण हैं? 1½

उत्तर– .....

.....

.....

.....

.....

.....

प्रश्न 13. नगरों में पर्यावरण संबंधी समस्याओं को कैसे दूर किया जा सकता है? सुझाव दीजिए। 1½

उत्तर– .....

.....

.....

.....

.....

.....

खण्ड-स

दीर्घउत्तरीय प्रश्न–

प्रश्न 14. निम्न आन्तरिक वाणिज्यिक जलमार्गों पर टिप्पणी लिखिए– 3

(अ) डेन्यूब जलमार्ग (ब) वोल्गा जलमार्ग

(स) वृहद् झील सेण्ट लारेन्स समुद्री मार्ग

अथवा

रेलमार्गों के महत्त्वों का उल्लेख कीजिए।

उत्तर– .....

.....

.....

YouTube channel RK study point 99

प्रश्न 15. खनिज किसे कहते हैं? रासायनिक एवं भौतिक गुणधर्मों के आधार पर खनिजों को वर्गीकृत कीजिए। 3

अथवा

मैंगनीज पर एक टिप्पणी लिखिए।

उत्तर–

प्रश्न 16. भारत में कितने प्रकार की फसलों का उत्पादन किया जाता है? उल्लेख कीजिए। 3

अथवा

भारत में गन्ने की कृषि एवं प्रमुख उत्पादक क्षेत्रों का वर्णन कीजिए।

उत्तर–

YouTube channel RK study point 99

खण्ड-द

निबन्धात्मक प्रश्न–

प्रश्न 17. आकार के आधार पर उद्योगों का वर्गीकरण कीजिए। 4

अथवा

विश्व में उच्च प्रौद्योगिकी उद्योगों की अवस्थिति एवं वितरण को समझाइए।

उत्तर–

YouTube channel RK study point 99

प्रश्न 18. भारत में चाय तथा कॉफी की कृषि का विवरण देते हुए इसके उत्पादक क्षेत्रों के विषय में लिखिए। 4

अथवा

भारतीय कृषि की कोई चार समस्याओं की व्याख्या कीजिए।

उत्तर–

YouTube channel RK study point 99

खण्ड-य

प्रश्न 19. दिए गए विश्व के रेखा मानचित्र में निम्नांकित सघन जनसंख्या वाले देशों को दर्शाइए– 2

(i) पाकिस्तान (ii) इण्डोनेशिया (iii) बांग्लादेश (iv) श्रीलंका

उत्तर–

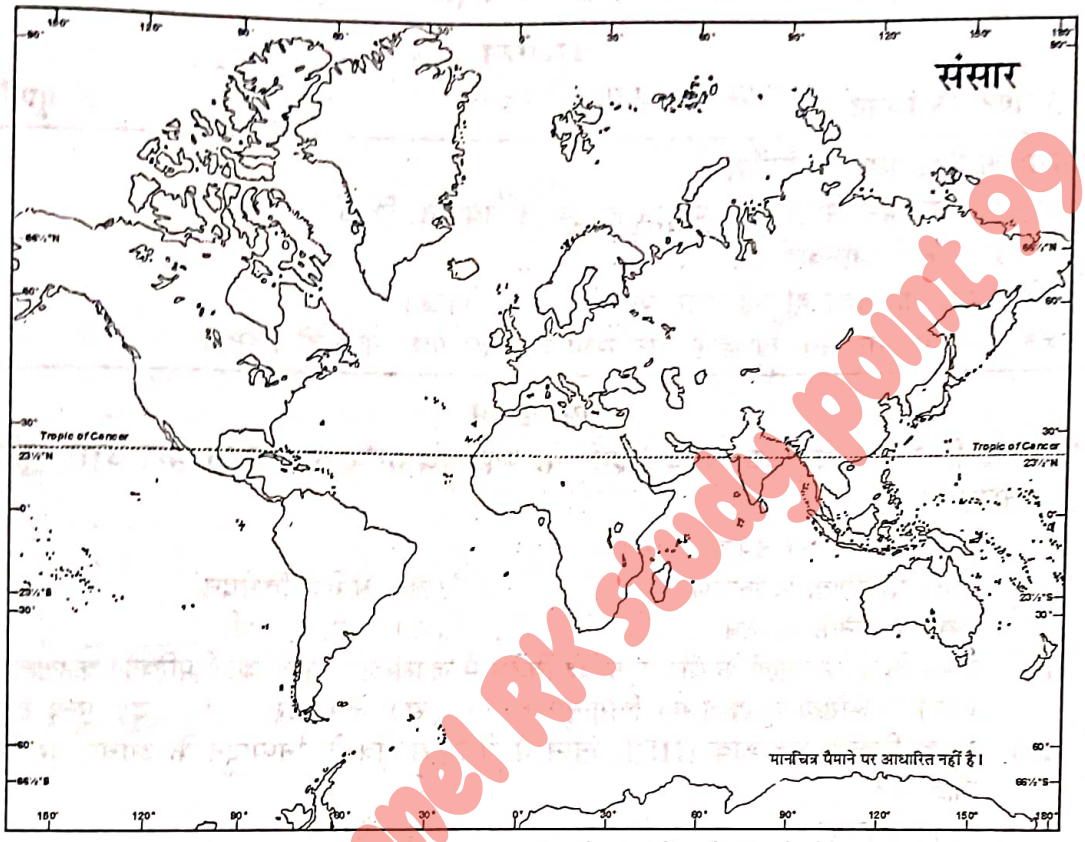

प्रश्न 20. दिए गए भारत के रेखा मानचित्र में निम्न हवाई पत्तनों को दर्शाइये– 2

(i) उदयपुर (ii) पुणे (iii) पटना (iv) कोच्चि

उत्तर–

दिनांक ..... प्राप्तांक ..... ह. अध्यापक .....

पूर्णांक-56

YouTube channel RK study point 99

मॉडल पेपर-6 (अभ्यासार्थ)

उच्च माध्यमिक परीक्षा–कक्षा 12

भूगोल

समय : 3 घण्टे 15 मिनट पूर्णांक : 56

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न-पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें।
2. सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें।
4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक-साथ ही लिखें।

खण्ड-अ

प्रश्न 1. नीचे दिये गये बहुविकल्पीय प्रश्नों के सही विकल्प का चयन कर उत्तर-पुस्तिका में लिखिए।

(i) मानव भूगोल का उपागम है– ½
(अ) प्रादेशिक विश्लेषण (ब) क्षेत्रीय विभेदन
(स) स्थानिक संगठन (द) उपरोक्त सभी

(ii) समय के दो अन्तरालों के बीच एक क्षेत्र विशेष में जनसंख्या में होने वाला परिवर्तन कहलाता है– ½
(अ) जनसंख्या वृद्धि (ब) लिंगानुपात (स) जन्म दर (द) मृत्यु दर

(iii) मानव विकास सूचकांक (HDI) निम्न में से किस क्षेत्र के निष्पादन के आधार पर तैयार किया जाता है? ½
(अ) स्वास्थ्य (ब) शिक्षा
(स) संसाधनों तक पहुँच (द) उपरोक्त सभी

(iv) निम्न में से कौनसी फसल रोपण विधि द्वारा नहीं उगाई जाती है– ½
(अ) चाय (ब) जौ (स) कॉफी (द) कोको

(v) निम्नलिखित में से कौनसा उद्योग रसायन आधारित उद्योग में शामिल नहीं है– ½
(अ) कृत्रिम रेशे बनाना (ब) प्लास्टिक निर्माण
(स) ताँबा प्रगलन (द) पेट्रो रसायन

(vi) उच्चस्तरीय सेवाओं में शामिल है– ½
(अ) संगीतकार (ब) वकील (स) अध्यापक (द) उपरोक्त सभी

(vii) पनामा नहर जिन सागरों को आपस में जोड़ती है, वे हैं– ½
(अ) अन्ध महासागर तथा हिन्द महासागर (ब) प्रशान्त महासागर तथा हिन्द महासागर
(स) अंध महासागर तथा प्रशान्त महासागर (द) भूमध्य सागर तथा लाल सागर

(viii) वे एकत्रण केन्द्र जहाँ विभिन्न देशों से निर्यात के लिए वस्तुएँ लाई जाती हैं, कहलाते हैं– ½
(अ) पैकेट पत्तन (ब) मार्ग पत्तन
(स) आंत्रपो पत्तन (द) तैल पत्तन

(ix) 22 अनुसूचित भाषाओं में से किस भाषा को बोलने वालो का वर्ग लघुत्तम है? ½
(अ) हिन्दी (ब) संस्कृत (स) तमिल (द) तेलुगु

(x) 2011 की जनगणना के अनुसार सर्वाधिक जनघनत्व वाला राज्य कौनसा है? ½
(अ) पश्चिमी बंगाल (ब) बिहार (स) तमिलनाडु (द) उत्तरप्रदेश

(xi) भारत में चाय की खेती सर्वप्रथम की गई थी– ½
(अ) असम की ब्रह्मपुत्र घाटी में (ब) दार्जिलिंग में
(स) नीलगिरी पहाड़ियों में (द) जलपाईगुडी में

YouTube channel KK study point 99

संजीव डेस्क वर्क भूगोल-कक्षा 12 के साथ निःशुल्क

भूगोल—कक्षा 12
संजीव डेस्क वर्क का सम्पूर्ण उत्तर

मॉडल पेपर-2

खण्ड-अ

उत्तर 1.

(i)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)	(vi)
(ब)	(अ)	(ब)	(ब)	(द)	(द)
(vii)	(viii)	(ix)	(x)	(xi)	(xii)
(द)	(स)	(अ)	(द)	(द)	(अ)
(xiii)	(xiv)	(xv)	(xvi)		
(द)	(अ)	(द)	(ब)		

उत्तर 2. (i) गुणात्मक (ii) कूपकी (iii) थोक (iv) उत्तरी अमेरिका
(v) सैलेरियम (vi) अशोधित (vii) आकार (viii) पुरातन
(ix) जल (x) सतत् पोषणीय विकास

उत्तर 3. (i) एलन सी. सेंपल के अनुसार, "मानव भूगोल अस्थिर पृथ्वी और क्रियाशील मानव के बीच परिवर्तनशील संबंधों का अध्ययन है।"

(ii) उत्तरी और दक्षिणी ध्रुवों के निकट, उष्ण और शीत मरुस्थल और विषुवत रेखा के निकट उच्च वर्षा के क्षेत्रों में जनसंख्या कम पायी जाती है।

(iii) (1) आय उपागम (2) कल्याण उपागम।

(iv) प्लास्टिक उद्योग पेट्रो रसायन वर्ग का उद्योग है।

(v) विश्व व्यापार संगठन एक ऐसा अन्तर्राष्ट्रीय संगठन है जो कि देशों के मध्य वैश्विक नियमों का व्यवहार करता है।

(vi) (1) इंदिरा गांधी नहर परियोजना (2) दामोदर घाटी परियोजना

(vii) नाइट्रेट

खण्ड-ब

उत्तर 4. आर्थिक भूगोल के उपक्षेत्र हैं— (1) संसाधन भूगोल, (2) कृषि भूगोल, (3) उद्योग भूगोल, (4) पर्यटन भूगोल, (5) विपणन भूगोल, (6) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का भूगोल

उत्तर 5. (1) जल की उपलब्धता—जल जीवन का महत्त्वपूर्ण कारक होने के कारण नदी-घाटियाँ विश्व के सबसे सघन क्षेत्र हैं।

YouTube channel RK study point 99

(2) भू-आकृति—पर्वतीय तथा पहाड़ी क्षेत्रों की तुलना में समतल और मंद ढालों पर अधिक जनसंख्या पाई जाती है।

(3) जलवायु—सुविधाजनक जलवायु वाले क्षेत्र जिनमें अधिक मौसमी परिवर्तन नहीं होते, अधिक लोगों को आकर्षित करते हैं।

उत्तर 6. उच्च प्रौद्योगिकी उद्योग में उन्नत वैज्ञानिक एवं इंजीनियरिंग उत्पादों का निर्माण गहन शोध एवं विकास के प्रयोग द्वारा किया जाता है। इनमें यंत्र मानव, कम्प्यूटर आधारित डिजाइन तथा निर्माण, धातु पिघलाने एवं शोधन के इलेक्ट्रॉनिक नियंत्रण एवं नवीन रासायनिक व औषधीय उत्पाद प्रमुख स्थान रखते हैं।

उत्तर 7. थोक व्यापार सेवा—थोक व्यापार का गठन अनेक बिचौलिए सौदागरों और पूर्तिघरों के द्वारा होता है। इसके गठन में फुटकर भण्डारों की भूमिका कम होती है। शृंखला भण्डारों सहित कुछ बड़े भण्डार विनिर्माताओं से सीधी खरीद करते हैं। फिर भी बहुसंख्यक फुटकर भण्डार बिचौलिए स्रोत से पूर्ति लेते हैं। थोक विक्रेता प्राय: फुटकर भण्डारों को उधार देते हैं। यहाँ तक कि फुटकर विक्रेता अधिकतर थोक विक्रेता की पूँजी पर ही अपने कार्य का संचालन करते हैं।

उत्तर 8. (1) विश्व व्यापार संगठन एक ऐसा अन्तर्राष्ट्रीय संगठन है जो कि राष्ट्रों के मध्य वैश्विक नियमों का व्यवहार करता है।

(2) यह विश्वव्यापी व्यापार तन्त्र के लिए नियमों को नियत करता है।

(3) यह विश्व को उच्च सीमा शुल्क और विभिन्न प्रकार की बाधाओं से मुक्त करवाता है।

(4) विश्व व्यापार संगठन इसके सदस्य देशों के मध्य व्यापार सम्बन्धी विवादों का निपटारा करता है।

उत्तर 9. भारत में हिमाचल प्रदेश, नागालैण्ड, सिक्किम, छत्तीसगढ़ आदि राज्यों में श्रम सहभागिता दर अन्य राज्यों से अपेक्षाकृत ऊँची है। क्योंकि यह अभी निम्न आर्थिक विकास वाले क्षेत्र हैं। इसलिए यहाँ निर्वाह अथवा लगभग निर्वाह की आर्थिक क्रियाओं की पूर्ति के लिए अनेक श्रमिकों की आवश्यकता पड़ती है।

उत्तर 10. गैरिसन, छावनी नगर होते हैं। इन नगरों का विकास सैन्य संबन्धी कार्यों हेतु किया जाता है। यहाँ पर मुख्यत: सैनिक अभ्यास, प्रशिक्षण, कार्यालय तथा सेना संबन्धी अन्य कार्य किए जाते हैं। इसलिए यह कैण्ट या कैण्टोनमेन्ट भी कहलाते हैं। अंबाला, जालंधर, महू, बबीना तथा उधमपुर भारत के प्रमुख गैरिसन नगर हैं।

उत्तर 11. परिवहन एवं संचार में अन्तर—

परिवहन	संचार
1. लोगों तथा सामान को एक स्थान से दूसरे स्थान तक लाने-ले जाने का साधन परिवहन कहलाता है।	एक स्थान से दूसरे स्थान या व्यक्ति तक विचार, दर्शन या सूचनाएँ भेजने का साधन संचार कहलाता है।
2. देश के आर्थिक विकास को गतिशीलता प्रदान करने के लिए परिवहन आवश्यक है।	देश की सामाजिक प्रगति के लिए संचार साधन आवश्यक है।
3. परिवहन मुख्यत: सड़क, रेल, जलमार्ग एवं वायुमार्ग द्वारा सम्पन्न होता है।	डाक, तार, टेलीफोन, इन्टरनेट, टेलीविजन आदि संचार के प्रमुख साधन हैं।

उत्तर 12. भारत के विदेशी व्यापार की प्रमुख विशेषताएँ निम्न प्रकार से हैं—

(1) भारत का अधिकतर विदेशी व्यापार समुद्री एवं वायु मार्गों द्वारा होता है।

(2) भारत में व्यापार सन्तुलन प्रतिकूल है।

(3) विश्व व्यापार में भारत के व्यापार की भागीदारी मात्र 1 प्रतिशत ही है।

(4) भारत के आयात व्यापार में पेट्रोलियम का आयात बढ़ रहा है जबकि निर्यात व्यापार में सर्वाधिक हिस्सेदारी निर्मित वस्तुओं की है।

(5) भारत का उद्देश्य आगामी वर्षों में अपने अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के प्रतिशत में वृद्धि करने का है।

उत्तर 13. (1) गन्दी बस्तियों को सुनियोजित प्रकार से हटाकर यहां रहने वालों को योजनाबद्ध कॉलोनी में अत्यधिक रियायती दर पर आवास उपलब्ध कराया जाये।

(2) गंदी बस्तियों में मूलभूत नागरिक सुविधाएँ जैसे-पीने का पानी, बिजली, सड़कें, कचरे का निस्तारण आदि उपलब्ध करायी जायें।

(3) गंदी बस्तियों में शौचालयों की तथा मल निस्तारण की भी व्यवस्था उपलब्ध करायी जाये।

खण्ड-स

उत्तर 14. (अ) आस्ट्रेलियाई-पारमहाद्वीपीय रेल मार्ग—यह रेल मार्ग पश्चिम तट पर पर्थ से आरम्भ होकर कालगुर्ली, ब्रोकन हिल और पोर्ट ऑगस्ता से होकर पूर्वी तट पर स्थित सिडनी को मिलाते हुए महाद्वीप के दक्षिणी भाग के आर-पार पश्चिम से पूर्व की तरफ जाता है। एक अन्य उत्तर-दक्षिण रेल मार्ग एडीलेड और एलिस स्प्रिंग को जोड़ता है तथा आगे इसे डार्विन-बिरदुम लाइन से जोड़ा जाता है।

(ब) ओरियण्ट एक्सप्रेस—यह रेल मार्ग पेरिस से स्ट्रेसबर्ग, म्यूनिख, वियना, बुडापेस्ट और बेलग्रेड होता हुआ इस्ताम्बुल तक जाता है। इस एक्सप्रेस रेल मार्ग द्वारा लन्दन से इस्ताम्बुल तक लगने वाला यात्रा समय समुद्री मार्ग से लगने वाले 10 दिनों की तुलना में मात्र 96 घण्टे रह गया है। इस रेल मार्ग द्वारा होने वाले प्रमुख निर्यात पनीर, सूअर का मांस, नई शराब, फल और मशीनरी हैं।

अथवा का उत्तर

(अ) उत्तमाशा अंतरीप समुद्री मार्ग—यह व्यापारिक मार्ग अत्यधिक औद्योगिक पश्चिम यूरोपीय प्रदेश को पश्चिमी अफ्रीका, दक्षिणी अफ्रीका, दक्षिण-

YouTube channel RK Study point 99

पूर्वी एशिया, आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैण्ड की वाणिज्यिक कृषि तथा पशुपालन अर्थव्यवस्थाओं से जोड़ता है। स्वेज नहर के निर्माण के पहले यह मार्ग लिवरपूल और कोलम्बो को जोड़ता था जो कि स्वेज मार्ग से 6400 किलोमीटर लम्बा था। सोना, हीरा, ताँबा, टिन, मूँगफली, गिरी का तेल, कहवा और फलों जैसे समृद्ध प्राकृतिक संसाधनों के कारण दोनों पूर्वी और पश्चिमी अफ्रीका के मध्य व्यापार की मात्रा और यातायात में वृद्धि हो रही है।

(ब) दक्षिणी अटलांटिक समुद्री मार्ग—अटलाण्टिक महासागर के पार यह एक महत्त्वपूर्ण समुद्री मार्ग है जो कि पश्चिमी यूरोपीय और पश्चिमी अफ्रीकी देशों को दक्षिणी अमेरिका में ब्राजील, अर्जेण्टाइना तथा उरुग्वे से मिलाता है। इस मार्ग पर यातायात दक्षिणी अमेरिका और अफ्रीका के सीमित विकास और कम जनसंख्या के कारण बहुत कम है। केवल दक्षिणी-पूर्वी ब्राजील, प्लाटा ज्वारनद मुख और दक्षिणी अफ्रीका के कुछ भागों में बड़े पैमाने पर औद्योगीकरण हुआ है।

उत्तर 15. (i) बॉक्साइट—यह मुख्यत: टर्शियरी निक्षेपों में पाया जाता है। यह विस्तृत रूप से प्रायद्वीपीय भारत के पठारी क्षेत्रों के साथ-साथ देश के तटीय भागों में भी पाया जाता है। बॉक्साइट का उत्पादन मुख्यतया ओडिशा, झारखंड, गुजरात, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र में किया जाता है। इनके अतिरिक्त इसका गौण रूप में उत्पादन कर्नाटक, तमिलनाडु और गोआ में भी होता है।

(ii) अभ्रक—इसका उपयोग मुख्यत: विद्युत एवं इलेक्ट्रोनिक्स उद्योगों में किया जाता है। अभ्रक को पतली चादरों में विघटित किया जा सकता है, जो काफी सख्त होती हैं। अभ्रक मुख्य रूप से झारखण्ड, आन्ध्रप्रदेश, तेलंगाना व राजस्थान में तथा गौण रूप में तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, मध्यप्रदेश, कर्नाटक व महाराष्ट्र में पाए जाते हैं।

अथवा का उत्तर

पवन ऊर्जा—यह पूर्ण रूप से प्रदूषण मुक्त और ऊर्जा का असमाप्य स्रोत है। भारत में पवन ऊर्जा की तकनीक में हुए आधुनिकीकरण के कारण देश में वायुफार्मों की स्थापना तथा पवन ऊर्जा उत्पादन की पर्याप्त संभावनाएँ हैं। गैर-परम्परागत ऊर्जा स्रोत मंत्रालय, भारत के तेल के आयात बिल के भार को कम करने के लिए, पवन ऊर्जा को विकसित कर रहा है। प्रवाहित पवन से विद्युत बनाने की अभियांत्रिकी बिल्कुल सरल है। पवन की गतिज ऊर्जा को टरबाइन के माध्यम से विद्युत-ऊर्जा में बदला जाता है। सम्मार्गी पवनों व पछुवा पवनों जैसी स्थायी पवन प्रणालियों और मानसून पवनों को बिजली बनाने हेतु प्रयोग किया जाता है। इनके अलावा स्थानीय हवाओं, स्थलीय और जलीय पवनों को भी विद्युत पैदा करने के लिए प्रयुक्त किया जा सकता है।

भारत में काफी पहले से ही पवन ऊर्जा का उत्पादन आरम्भ कर दिया गया था। पवन ऊर्जा के लिए राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र तथा कर्नाटक में अनुकूल परिस्थितियाँ विद्यमान हैं।

उत्तर 16. किसी भी क्षेत्र के आर्थिक विकास के लिए उस क्षेत्र के संसाधनों के साथ-साथ तकनीक और निवेश की आवश्यकता होती है; परन्तु विगत डेढ़ दशक (15 वर्ष) के नियोजन अनुभवों से स्पष्ट है कि आर्थिक विकास में क्षेत्रीय असंतुलन बढ़ रहा है। अत: क्षेत्रीय एवं सामाजिक विषमताओं की प्रबलता को कम करने के उद्देश्य से योजना आयोग ने 'लक्ष्य क्षेत्र' और 'लक्ष्य समूह' योजना उपागम प्रस्तुत किये। 'लक्ष्य क्षेत्र' के अन्तर्गत कमान नियंत्रित क्षेत्र विकास कार्यक्रम, सूखाग्रस्त क्षेत्र विकास कार्यक्रम, पर्वतीय क्षेत्र विकास कार्यक्रम शामिल हैं, जबकि लघु कृषक विकास संस्था (SFDA), सीमांत किसान विकास संस्था (MFDA) आदि कार्यक्रम 'लक्ष्य समूह' कार्यक्रम में सम्मिलित किए गये हैं।

अथवा का उत्तर

भरमौर जनजातीय क्षेत्र में विकास की प्रक्रिया 1975 में शुरू हुई, जब गद्दी लोगों को अनुसूचित जनजातियों में शामिल किया गया। पांचवीं पंचवर्षीय योजना, जो 1974 से 1978 तक क्रियान्वित थी, में भरमौर क्षेत्र में समन्वित जनजातीय विकास परियोजना (आई.टी.डी.पी.) प्रारम्भ की गई। इस क्षेत्र विकास योजना के उद्देश्य थे—

(1) गद्दियों के जीवन स्तर में सुधार करना।

(2) भरमौर तथा हिमाचल प्रदेश के अन्य भागों के बीच में विकास के स्तर में अंतर को कम करना।

(3) परिवहन एवं संचार, कृषि और इससे संबन्धित क्रियाओं तथा सामाजिक व सामुदायिक सेवाओं के विकास को सर्वाधिक प्राथमिकता देना।

खण्ड-द

उत्तर 17. अफ्रीका प्राकृतिक संसाधनों की दृष्टि से धनी है किन्तु औद्योगिक दृष्टि से पिछड़ा हुआ है। खनिज पदार्थों में उत्तरी अफ्रीका में अल्जीरिया, मोरक्को तथा ट्यूनीशिया में लोहा प्राप्त होता है। जिम्वाब्वे में लौह-अयस्क के भण्डार हैं। इसी प्रकार जायरे, जाम्बिया में विश्व के सबसे अधिक तांबे के भण्डार हैं। अफ्रीका में वन क्षेत्र भी काफी विस्तृत है। लेकिन खनिज भण्डार अथवा अन्य प्राकृतिक साधनों में धनी होने के बावजूद भी यह महाद्वीप औद्योगिक दृष्टि से पिछड़ा हुआ है। अफ्रीका के औद्योगिक दृष्टि से पिछड़ा होने के प्रमुख कारण निम्नलिखित हैं—

(1) जलवायु—अफ्रीका महाद्वीप के अधिकतर भाग में विषम जलवायु पाई जाती है। सहारा मरुस्थलीय जलवायु में आने वाले देश अधिक तापमान तथा गर्म हवाओं के कारण पिछड़े हुए हैं। इसी प्रकार जिन भागों में भूमध्यरेखीय जलवायु पाई जाती है उन क्षेत्रों में विषम परिस्थितियों के कारण उद्योग विकसित नहीं हो पाये। जायरे तांबा उत्पादन में धनी है लेकिन वह अपने देश में उत्पादित खनिज का निर्यात कर देता है।

YouTube channel Rk study point 99

(2) उच्च प्रौद्योगिकी की अनुपलब्धता—उच्च प्रौद्योगिकी की अनुपलब्धता के कारण भी अफ्रीका के देशों में उद्योग विकसित नहीं हो पाये हैं। दक्षिणी अफ्रीका अपने यहाँ उत्पादित हीरों का निर्यात करता है। अन्य देशों में ऊर्जा के साधन होते हुए भी ये देश अपने संसाधनों को उच्च प्रौद्योगिकी की कमी के कारण विकसित नहीं कर पाए हैं।

(3) परिवहन के साधनों की कमी—अफ्रीका महाद्वीप के देशों में विषम जलवायु तथा विषम उच्चावच के कारण परिवहन के साधनों की कमी पाई जाती है।

(4) कुशल श्रमिकों की अनुपलब्धता—अफ्रीका के जिन देशों में खनिज पदार्थों की अधिकता है उनमें कुशल श्रमिकों की अनुपलब्धता के कारण उद्योगों का विकास समुचित मात्रा में नहीं हो पाया है।

उपरोक्त विवेचन के आधार पर स्पष्ट है कि अफ्रीका महाद्वीप संभाव्य, जल विद्युत तथा खनिज संसाधनों में बहुत धनी है। यहाँ विश्व की संभाव्य जल विद्युत शक्ति का 40 प्रतिशत भाग है किन्तु केवल 1 प्रतिशत ही विकसित है। इसका मुख्य कारण प्रौद्योगिकी की कमी तथा लोगों की निम्न क्रय शक्ति है। अफ्रीका में खनिज भण्डार अपरिमित हैं किन्तु इनका प्रयोग नहीं हो पा रहा है क्योंकि यहाँ उद्योगों की कमी है। इसी कारण अफ्रीका अभी तक एक पिछड़ा हुआ महाद्वीप है।

अथवा का उत्तर

विश्व के अधिकतर देशों में उच्च प्रौद्योगिकी उद्योग प्रमुख महानगरों की परिधि क्षेत्रों में ही विकसित होने के प्रमुख कारण निम्नलिखित हैं—

(i) स्वच्छन्द उद्योग की प्रवृत्ति उद्देश्य आधारित औद्योगिक क्षेत्र अथवा प्रौद्योगिकी पार्कों के रूप में कस्बों व नगरों की सीमाओं पर स्थापित होने की होती है। यथा—इस प्रकार का औद्योगिक स्वरूप लन्दन और टोकियो में देखा जा सकता है। ये स्थान नगर के आन्तरिक भागों की तुलना में अनेक प्रकार के लाभ प्रदान करते हैं।

(ii) नगरों तथा महानगरों के सीमान्त क्षेत्र में उपलब्ध विस्तृत भूमि पर एक-मंजिली कारखानों को स्थापित किया जा सकता है तथा भविष्य में इसके विस्तार के लिए स्थान प्राप्त हो सकता है।

(iii) नगरों की बाह्य सीमाओं पर भूमि का मूल्य कम होता है।

(iv) बाह्य परिधि क्षेत्रों में यातायात मार्गों का पर्याप्त विकास मिलता है तथा महानगर के आन्तरिक भागों से यह परिधि क्षेत्र उत्तम सड़क मार्ग द्वारा जुड़े होते हैं।

(v) बाह्य नगर परिधि पर प्रदूषण रहित पर्यावरण तथा हरित क्षेत्र का अतिरिक्त लाभ प्राप्त होता है।

(vi) निकटवर्ती आवासीय क्षेत्रों से प्रतिदिन आने-जाने वाले लोगों से श्रम की आपूर्ति हो जाती है जो कि सस्ता भी होता है।

(vii) इस क्षेत्र में स्थापित उद्योगों के लिए महानगरीय बाजार की सुलभ उपलब्धता बनी रहती है।

(viii) कभी-कभी सरकार द्वारा महानगर के सघन क्षेत्रों में उद्योगों की स्थापना पर प्रतिबन्ध लगा दिया जाता है तब महानगर के परिधि क्षेत्र उद्योगों की स्थापना के महत्त्वपूर्ण आकर्षक स्थल बन जाते हैं।

उत्तर 18. भारत में चावल की कृषि का वर्णन निम्न बिन्दुओं में किया जा सकता है—

(अ) फसल परिचय—यह एक खरीफ की फसल है। यह ग्रेमिनी कुल का पौधा है। चावल की उत्पत्ति का केन्द्र कन्डोले के अनुसार दक्षिण भारत को माना जाता है। इसके अतिरिक्त म्यांमार, थाइलैण्ड व पश्चिमी अफ्रीका भी इसकी उत्पत्ति के केन्द्र माने जाते हैं।

चावल भारत की अधिकांश जनसंख्या का मुख्य खाद्यान्न है। इसकी 3000 से अधिक किस्में पायी जाती हैं।

(ब) जलवायु दशाएँ—यह एक उष्ण आर्द्र कटिबन्धीय फसल है। इसे उगाने के लिए उच्च तापमान (25° सेल्सियस से ऊपर) और अधिक आर्द्रता (100 सेमी) से अधिक वर्षा की आवश्यकता होती है। कम वर्षा वाले क्षेत्रों में इसे सिंचाई करके उगाया जाता है। पश्चिम बंगाल में जलवायु की अनुकूलता के कारण एक कृषि वर्ष में चावल की दो या तीन फसलें बोई जाती हैं जिन्हें औस, अमन व बोरो कहा जाता है। इसकी कृषि समुद्रतल से 2000 मीटर की ऊँचाई तक एवं पूर्वी भारत के आर्द्र भागों से लेकर उत्तर-पश्चिमी भारत के शुष्क परन्तु सिंचित क्षेत्रों में की जाती है।

(स) उत्पादक क्षेत्र—विश्व के कुल चावल उत्पादन में भारत का योगदान लगभग 22.07 प्रतिशत है तथा कुल उत्पादन में चीन के बाद विश्व में दूसरे स्थान (2018) पर है। भारत के प्रमुख चावल उत्पादक राज्य पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश व पंजाब हैं। चावल की प्रति हेक्टेयर पैदावार पंजाब, तमिलनाडु, हरियाणा, आन्ध्रप्रदेश, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल तथा केरल राज्यों में अधिक है। मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ व ओडिशा के वर्षा पर निर्भर क्षेत्रों में प्रति हेक्टेयर पैदावार बहुत कम है। देश के कुल बोए गए क्षेत्र के एक-चौथाई भाग पर चावल की खेती की जाती है।

अथवा का उत्तर

भूमि को स्वामित्व के आधार पर सामान्यतः दो वर्गों में विभाजित किया जाता है—

I. निजी भू-सम्पत्ति।

II. साझा सम्पत्ति संसाधन।

I. निजी भूसम्पत्ति वर्ग—इस वर्ग की भूमि पर किसी व्यक्ति विशेष का निजी स्वामित्व अथवा कुछ व्यक्तियों के समूह का सम्मिलित रूप से निजी अधिकार होता है। इन सम्पत्तियों का प्रयोग वह व्यक्ति अथवा व्यक्ति विशेष का समूह ही कर सकता है, जिनका इन पर स्वामित्व होता है।

II. साझा सम्पत्ति संसाधन वर्ग—इसके अन्तर्गत सम्मिलित भूमियाँ सामुदायिक उपयोग हेतु राज्यों की सरकार के स्वामित्व में होती हैं। साझा सम्पत्ति संसाधन घरेलू उपयोग

Youtube channel RK study point99

हेतु ईंधन, लकड़ी, पशुओं के लिए चारा तथा साथ ही अन्य वन उत्पाद जैसे फल, रेशे, गिरी, औषधीय पौधे आदि उपलब्ध कराती हैं। यह भूमि संसाधन ग्रामीण क्षेत्रों में भूमिहीन छोटे कृषकों तथा अन्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के व्यक्तियों के जीवन निर्वाह में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं क्योंकि अधिकांश कृषक व व्यक्ति भूमिहीन होने के कारण पशुपालन से प्राप्त आजीविका पर ही निर्भर होते हैं। इनके साथ-साथ यह भूमि संसाधन महिलाओं के लिए भी विशेष महत्त्व रखते हैं क्योंकि ग्रामीण क्षेत्रों में चारा व ईंधन की लकड़ी के एकत्रीकरण का कार्य महिलाओं को ही करना पड़ता है। इन साझा भूमि संसाधनों के अभाव में इन्हें चारे तथा ईंधन की तलाश में दूर-दूर तक भटकना पड़ता है।

इस प्रकार साझा सम्पत्ति संसाधनों को 'सामुदायिक प्राकृतिक संसाधन' भी कहा जा सकता है। इन संसाधनों पर किसी विशेष का अधिकार न होकर सभी सदस्यों को इनके उपयोग का समान अधिकार होता है तथा साथ ही सभी के कुछ विशेष कर्त्तव्य भी होते हैं। साझा सम्पत्ति संसाधनों के अन्तर्गत सामुदायिक वन, चरागाह, ग्रामीण जलीय क्षेत्र तथा अन्य सार्वजनिक स्थानों आदि को सम्मिलित किया जाता है, जिनका उपयोग एक परिवार से बड़ी इकाई करती है तथा यही इकाई इसके प्रबन्धन के दायित्वों का निर्वहन भी करती है।

अत: स्पष्ट है कि साझा सम्पत्ति संसाधन एक प्रकार से सार्वजनिक स्थल होते हैं, जिनके उपयोग व संरक्षण का अधिकार व दायित्व सभी सदस्यों का होता है। यह किसी एक व्यक्ति विशेष से सम्बन्धित न होकर पूरे समुदाय से सम्बन्धित होते हैं तथा सम्बन्धित व्यक्तियों की आवश्यकताओं की पूर्ति करते हैं।

खण्ड-य

उत्तर 19.

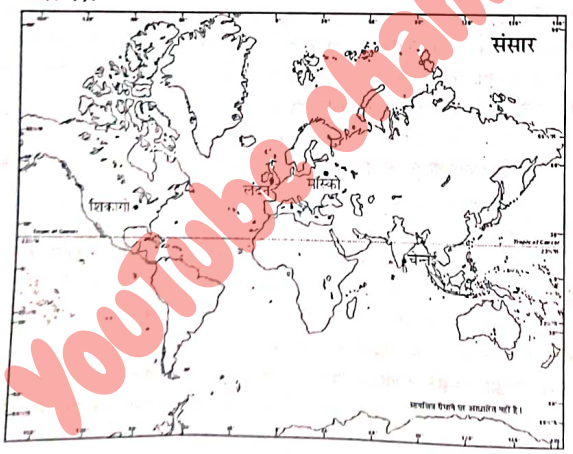

उत्तर 20.

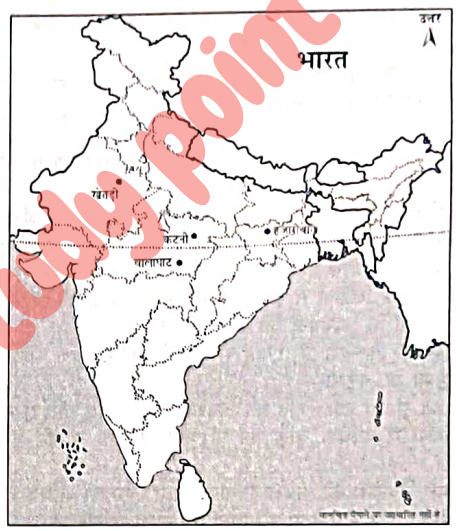

मॉडल पेपर-3

खण्ड-अ

उत्तर 1.

(i)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)	(vi)
(द)	(द)	(ब)	(द)	(ब)	(अ)
(vii)	(viii)	(ix)	(x)	(xi)	(xii)
(स)	(स)	(द)	(स)	(द)	(द)
(xiii)	(xiv)	(xv)	(xvi)		
(स)	(ब)	(अ)	(ब)		

उत्तर 2. (i) वृद्धि (ii) ट्रक कृषि (iii) तृतीयक (iv) अमेरिका
(v) अबादान (vi) 1881 (vii) परिक्षिप्त (viii) बारानी
(ix) कुंड (x) बहु-आयामी

उत्तर 3. (i) मानव द्वारा प्रकृति के आदेशों के अनुसार अपने आप को ढालना मानव का प्राकृतीकरण कहलाता है।

(ii) (1) बेरोजगारी (2) प्रतिकूल जलवायु

Youtube channel RK study point 99

(iii) ऐसी वृद्धि, जो सकारात्मक न होने के कारण गुणवत्ता में सकारात्मक परिवर्तन नहीं ला पाती, विकासहीन वृद्धि कहलाती है।
(iv) द्वितीयक गतिविधि के द्वारा।
(v) क्योंकि कृषिजन्य और औद्योगिक उत्पादों का अधिकांश भाग स्थानीय बाजार में ही खप जाता है।
(vi) तालाब।
(vii) स्थायी या अस्थायी तौर पर भूमि की उत्पादकता में कमी होना।

खण्ड-ब

उत्तर 4. वस्तुत: मानव भूगोल के अन्तर्गत भू-पटल के विभिन्न भागों में प्राकृतिक वातावरण के सन्दर्भ में मानवीय क्रियाकलापों के अध्ययन को प्रधानता दी जाती है। चूँकि मानव मानवीय समाज की एक महत्त्वपूर्ण इकाई है अत: मानव भूगोल का उन सभी सामाजिक विज्ञानों से स्वत: सम्बन्ध हो जाता है, जो अपने अध्ययनों में मानवीय क्रियाकलापों के अध्ययनों को प्रधानता देते हैं।

उत्तर 5. थॉमस माल्थस ने 1798 में जनसंख्या नियन्त्रण सम्बन्धी सिद्धान्त दिया। इस सिद्धान्त के अनुसार—
(i) लोगों की संख्या खाद्य-पूर्ति की अपेक्षा अधिक तीव्र गति से बढ़ेगी।
(ii) जनसंख्या में अधिक वृद्धि का परिणाम अकाल, बीमारी तथा युद्ध द्वारा गिरावट होगी।
(iii) भौतिक नियन्त्रण की अपेक्षा नियोजन द्वारा नियन्त्रण अधिक लाभकारी है।
(iv) जनसंख्या वृद्धि रोकने से संसाधनों की सतत पोषणीयता बनी रहेगी।

उत्तर 6. (i) आधुनिक निर्माण एक जटिल प्रौद्योगिकी तंत्र है।
(ii) इसमें अत्यधिक विशिष्टीकरण एवं श्रम विभाजन के द्वारा कम प्रयास एवं अल्प लागत से अधिक माल का उत्पादन किया जाता है।
(iii) इसमें अधिक पूँजी की आवश्यकता होती है।
(iv) इसका बड़ा संगठन होता है।
(v) इसमें प्रशासकीय अधिकारी वर्ग की प्रमुख भूमिका होती है।

उत्तर 7. वे सेवाएँ जो कि नवीन एवं वर्तमान विचारों की रचना, उनके पुनर्गठन और व्याख्या, आँकड़ों की व्याख्या और प्रयोग तथा नवीन प्रौद्योगिकी के मूल्यांकन पर केन्द्रित होती हैं, पंचम क्रियाकलाप कहलाती हैं। प्राय: 'स्वर्ण कॉलर' कहे जाने वाले ये व्यवसाय तृतीयक सेक्टर का एक और उप-विभाग हैं जो कि वरिष्ठ व्यावसायिक कार्यकारियों, सरकारी अधिकारियों, अनुसंधान वैज्ञानिकों, वित्त एवं विधि परामर्शदाताओं इत्यादि की विशेष और उच्च वेतन वाले कुशलताओं का प्रतिनिधित्व करते हैं।

उत्तर 8. गैट (GATT)—1948 में विश्व को उच्च सीमा शुल्क और विभिन्न प्रकार की अन्य बाधाओं से मुक्त कराने हेतु कुछ देशों के द्वारा 'जनरल एग्रीमेंट ऑन ट्रेड एंड टैरिफ' (GATT) का गठन किया गया था। 1994 में गैट के सदस्य देशों के द्वारा राष्ट्रों के बीच मुक्त एवं निष्पक्ष व्यापार को बढ़ावा देने के लिए एक स्थायी संस्था के निर्माण का निश्चय किया गया था। परिणामस्वरूप जनवरी, 1995 में गैट (GATT) संगठन को 'विश्व व्यापार संगठन' (WTO) में रूपान्तरित कर दिया गया।

उत्तर 9.

सीमान्त श्रमिक	मुख्य श्रमिक
1. वह श्रमिक जो एक वर्ष में 183 दिनों से कम दिन काम करता है।	वह श्रमिक जो एक वर्ष में कम से कम 183 दिन काम करता है।
2. भारत में श्रमिकों का एक छोटा भाग होते हैं।	भारत में श्रमिकों का एक बड़ा भाग होते हैं।
3. सीमान्त श्रमिक सहायकों के रूप में कार्य करते हैं, ये विभिन्न प्रकार के कार्य करते हैं।	मुख्य श्रमिक कार्य करने में कुशल होते हैं, मुख्यत: एक ही प्रकार के कार्य करते हैं।

उत्तर 10. बहुसंख्यक महानगर व मेगा नगर नगरीय संकुल हैं। एक नगरीय संकुल में निम्नलिखित तीन संयोजकों में से किसी एक का समावेश होता है—(क) एक नगर व उसका संलग्न नगरीय बहिर्बद्ध (ख) बहिर्बद्ध के सहित अथवा रहित दो अथवा अधिक संस्पर्शी नगर (ग) एक अथवा अधिक संलग्न नगरों के बहिर्बद्ध से युक्त एक संस्पर्शी प्रसार नगर का निर्माण।

उत्तर 11. यह संचार की नवीन विधि है। भारत में उपग्रह प्रणाली को दो भागों में वर्गीकृत किया गया है—
(i) इंडियन नेशनल सेटेलाइट सिस्टम (INSAT)
(ii) इंडियन रिमोट सेंसिंग सेटेलाइट सिस्टम (IRS)
भारत की उपग्रह प्रणाली का दूरसंचार, मौसम विज्ञान सम्बन्धी अवलोकनों, प्राकृतिक आपदाओं की निगरानी, सुरक्षा आदि में विशेष उपयोग है। प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग के लिए भी यह प्रणाली उपयोगी है।

उत्तर 12.

पत्तन	पोताश्रय
1. यहाँ पर जहाजों पर सामान चढ़ाने व उतारने की सुविधाएँ होती हैं।	यहाँ पर जहाज लहरों तथा तूफान से सुरक्षा प्राप्त करते हैं।
2. यह प्राय: अपनी पृष्ठभूमि से रेलों व सड़कों द्वारा जुड़े होते हैं।	पोताश्रय में एक विशाल क्षेत्र में जहाजों के आगमन की सुविधाएँ होती हैं।
3. पत्तन व्यापार के द्वार कहलाते हैं। यहाँ स्थल तथा समुद्री भाग आपस में मिले होते हैं।	पोताश्रय में स्थल भाग समुद्र से नहीं मिला होता है।

उत्तर 13. आधुनिक जीवन शैली में ध्वनि प्रदूषण के अनेक स्रोत हैं जिनसे ध्वनि प्रदूषण को उत्तरोत्तर बढ़ावा मिलता है। जैसे—
(i) विविध उद्योगों से ध्वनि का उत्सर्जन।
(ii) मशीनीकृत निर्माण तथा तोड़फोड़ के कार्यों से उत्पन्न ध्वनि।
(iii) तीव्र चालित मोटर वाहन और वायुयानों से ध्वनि का उत्सर्जन। इसके अतिरिक्त सायरन, लाउडस्पीकर, फेरी वालों के अलावा सामुदायिक गतिविधियों से जुड़े विभिन्न उत्सवों आदि से प्रतिदिन ध्वनि का उत्सर्जन होता रहता है।

Youtube channel RK study point 99

खण्ड-स

उत्तर 14. (i) इससे बिना शारीरिक संचालन के सूचनाओं को प्रेषण और प्राप्त किया जा सकता है।

(ii) इसे इण्टरनेट के नाम से भी जाना जाता है जो कि हर जगह विद्यमान है।

(iii) यह किसी भी कार्यालय में, जल में चलती नौका में, उड़ते जहाजों में कहीं भी हो सकता है।

(iv) साइबर स्पेस लोगों के समकालीन आर्थिक और सामाजिक स्पेस को ई-मेल, ई-वाणिज्य, ई-शिक्षा और ई-प्रशासन के माध्यम से विस्तृत करेगा।

(v) यह फैक्स, टेलीविजन और रेडियो के साथ-साथ इंटरनेट के रूप में समय और स्थान की सीमाओं को लाँघते हुए अधिक से अधिक लोगों तक पहुँच रहा है।

(vi) यह आधुनिक संचार प्रणाली है जिसने परिवहन से कहीं ज्यादा वैश्विक ग्राम की संकल्पना को साकार किया है।

(vii) इसका उपयोग उपग्रह से प्राप्त चित्रों के आधार पर असैनिक क्षेत्रों जैसे— नगरीय नियोजन, प्रदूषण नियन्त्रण, वन विनाश आदि से प्रभावित क्षेत्रों को ढूंढ़ना तथा सैकड़ों भौतिक प्रतिरूपों एवं प्रक्रमों को पहचानने हेतु किया जाता है।

अथवा का उत्तर

वर्ष 1970 के बाद से संयुक्त राज्य अमेरिका एवं पूर्व सोवियत संघ के द्वारा अन्तरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में किए जा रहे महत्त्वपूर्ण शोध कार्यों में उपग्रह संचार के क्षेत्र में एक नवीन युग का प्रारम्भ हुआ है। पृथ्वी की कक्षा में कृत्रिम उपग्रहों के सफलतापूर्वक प्रेक्षण के कारण ग्लोब के उन दूरस्थ स्थानों को भी जोड़ दिया गया है, जहाँ मानवीय पहुँच असम्भव थी।

उपग्रह संचार तकनीक के द्वारा संचार में लगने वाले मूल्य तथा समय को काफी सीमा तक कम कर दिया गया है। इसका आशय यह है कि 500 किलोमीटर की दूरी तक संचार में लगने वाली लागत, उपग्रह संचार के द्वारा 5000 किलोमीटर की दूरी तक होने वाले संचार की लागत के बराबर है। सेलफोन तथा दूरदर्शन के लिए उपग्रह संचार सेवा का ही उपयोग किया जाता है।

उत्तर 15. (i) लौह अयस्क—भारत में एशिया के विशालतम लौह-अयस्क भंडार विद्यमान हैं। सामान्यतः देश में उत्तम गुणवत्ता वाले हेमेटाइट और मैग्नेटाइट प्रकार के लौह अयस्क के भण्डार पाए जाते हैं। लौह अयस्क की खदानें देश के उत्तर-पूर्वी पठार प्रदेश में कोयला क्षेत्रों के निकट स्थित हैं। लौह अयस्क के कुल आरक्षित भंडार का लगभग 95 प्रतिशत ओडिशा, झारखंड, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, गोआ, आंध्र प्रदेश तथा तमिलनाडु राज्यों में पाया जाता है।

(ii) मैंगनीज—मुख्यतया धारवाड़ क्रम की चट्टानों से सम्बन्धित इस खनिज का उपयोग लौह-मिश्र धातु, विनिर्माण के साथ लौह अयस्क के प्रगलन के लिए भी किया जाता है। देश में ओडिशा, कर्नाटक, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश मैंगनीज के प्रमुख उत्पादक राज्य हैं। इनके अलावा तेलंगाना, गोआ तथा झारखंड मैंगनीज के गौण उत्पादक राज्य हैं।

अथवा का उत्तर

भारत में खनिजों का वितरण—देश में अधिकांश धात्विक खनिज प्रायद्वीपीय

पठारी क्षेत्र की प्राचीन क्रिस्टलीय शैलों में पाए जाते हैं। अधात्विक खनिज कोयले के लगभग 97 प्रतिशत निक्षेप दामोदर, सोन, महानदी और गोदावरी नदी घाटियों में एवं अरब सागर के अपतटीय क्षेत्र में पेट्रोलियम के भंडार पाए जाते हैं। भारत के खनिज मुख्यतः तीन विस्तृत पट्टियों में सांद्रित हैं। ये पट्टियाँ हैं—

(i) उत्तर-पूर्वी पठारी प्रदेश,

(ii) दक्षिण-पश्चिमी पठारी प्रदेश,

(iii) उत्तर-पश्चिमी प्रदेश।

उपरोक्त तीनों के अतिरिक्त हिमालय पट्टी एक अन्य पट्टी है। हिमालय के पूर्वी व पश्चिमी भागों में सामान्यतः ताँबा, सीसा-जस्ता, कोबाल्ट तथा रंग-रत्नों के निक्षेप पाए जाते हैं। इसके अतिरिक्त असम घाटी और मुम्बई अपतटीय क्षेत्र (मुंबई हाई) में खनिज तेल संसाधनों के निक्षेप पाए जाते हैं।

उत्तर 16. आर्थिक और सामाजिक क्रियाओं के क्रम या अनुक्रम को विकसित करने की प्रक्रिया को नियोजन कहते हैं। सामान्यतः नियोजन के दो उपागमन होते हैं—खंडीय नियोजन और प्रादेशिक नियोजन।

(i) खंडीय (Sectoral) **नियोजन**—अर्थव्यवस्था के विभिन्न सेक्टरों, जैसे— कृषि, सिंचाई, विनिर्माण उद्योग, ऊर्जा निर्माण, परिवहन, संचार, सामाजिक अवसंरचना और सेवाओं के विकास के लिए कार्यक्रम बनाना और उनको लागू करना ही, खंडीय नियोजन कहलाता है।

(ii) प्रादेशिक (Regional) **नियोजन**—भारत में सभी क्षेत्रों में एक समान आर्थिक विकास नहीं हुआ है। कुछ क्षेत्र बहुत अधिक विकसित हैं, तो कुछ पिछड़े हुए हैं। विकास का यह असमान प्रतिरूप इस तथ्य पर बल देता है कि नियोजन में एक स्थानिक परिप्रेक्ष्य अपनाएँ तथा विकास में प्रादेशिक असंतुलन कम करने के लिए योजनाएँ बनायी जायें। इस प्रकार का नियोजन, प्रादेशिक नियोजन कहलाता है।

अथवा का उत्तर

इस परियोजना के निम्न प्रभाव उल्लेखनीय हैं—

(i) लंबी अवधि तक मृदा नमी उपलब्ध होने और कमान क्षेत्र विकास के तहत शुरू किए वनीकरण और चरागाह विकास कार्यक्रमों से यहाँ भूमि हरी-भरी हो गयी है, जिससे वायु अपरदन और नहरी तंत्र में बालू निक्षेप की प्रक्रियाएँ धीमी पड़ गई हैं।

(ii) सघन सिंचाई और जल के अत्यधिक प्रयोग से जल भराव और मृदा लवणता की दोहरी पर्यावरणीय समस्याएँ भी उत्पन्न हुयी हैं।

(iii) नहरों द्वारा सिंचित क्षेत्र के विस्तार से बोये गये क्षेत्र में विस्तार हुआ है, जिससे फसलों की सघनता में वृद्धि हुई है।

(iv) यहाँ चना, बाजरा, ग्वार जैसी पारंपरिक फसलों के स्थान पर गेहूं, कपास, मूँगफली और चावल की फसलें उत्पादित की जाने लगी हैं।

(v) सघन सिंचाई के परिणामस्वरूप कृषि के साथ-साथ पशुधन उत्पादकता में भी अत्यधिक वृद्धि हुई है।

Youtube channel sk study point 99

खण्ड-द

उत्तर 17.

उत्तर—प्राथमिक एवं द्वितीयक गतिविधियों में अन्तर

प्राथमिक गतिविधियाँ	द्वितीयक गतिविधियाँ
1. प्राथमिक क्रियाकलाप प्राकृतिक पर्यावरण से प्राप्त संसाधनों के विकास से सम्बन्धित है।	द्वितीयक क्रियाकलापों से तात्पर्य मनुष्य द्वारा कच्चे माल को संसाधित करके उसे नवीन वस्तुओं में परिवर्तित करने से है।
2. मानव प्राथमिक क्रियाकलापों के द्वारा प्रत्येक रूप में वस्तुएँ प्राप्त करता है।	द्वितीयक क्रियाकलापों में उन उद्योगों को शामिल किया जाता है जो कि विभिन्न वस्तुओं का निर्माण करते हैं।
3. प्राथमिक क्रियाकलापों में धरातल से प्राप्त पदार्थ कच्चे माल के रूप में भोजन सामग्री बनाने, वस्त्र बनाने तथा अन्य उपयोगी सामान बनाने के लिए प्रयोग किए जाते हैं।	द्वितीयक क्रियाकलापों के द्वारा उत्पादों की उपयोगिता में वृद्धि होने के साथ-साथ उनके मूल्य में भी वृद्धि होती है।
4. आखेट, संग्रहण, पशुचारण, खनन, मछली पकड़ना, लकड़ी काटना, कृषि आदि प्राथमिक क्रियाकलाप हैं।	विनिर्माण उद्योग, डेयरी उद्योग, कुटीर उद्योग आदि सभी क्रियाएँ द्वितीयक क्रियाकलाप हैं।
5. प्राथमिक गतिविधियों के अन्तर्गत कच्चे माल की प्राप्ति मानव शक्ति के द्वारा होती है तथा उसे सीधे ही उस रूप में उपयोग में लाया जाता है।	द्वितीयक गतिविधियों में कच्चे माल को परिष्कृत, संशोधित करने के लिए शक्ति का उपयोग किया जाता है।
6. प्राथमिक गतिविधियाँ एक मानव एवं उसके परिवार व सहयोगी व्यक्तियों द्वारा सम्पन्न की जाती हैं। इसमें पूँजी की आवश्यकता नहीं होती है।	द्वितीयक गतिविधियों में उत्पादन के लिए अत्यधिक पूँजी की आवश्यकता होती है एवं बड़े-बड़े कारखाने तथा मनुष्यों के रूप में श्रमिकों की आवश्यकता होती है।
7. प्राथमिक गतिविधियों के द्वारा उत्पादित की गई वस्तुओं का उपयोग अल्प समय के लिए ही किया जा सकता है। इनका उपयोग उसी क्षेत्र विशेष में किया जा सकता है।	द्वितीयक गतिविधियों के द्वारा उत्पादित वस्तुओं का उपयोग अधिक समय तक किया जा सकता है तथा इसका उपयोग दूसरे स्थानों पर भी किया जा सकता है।

अथवा का उत्तर

विश्व के विकसित देशों के सन्दर्भ में आधुनिक औद्योगिक क्रियाओं की मुख्य प्रवृत्तियाँ निम्नलिखित हैं—

(i) विश्व के विकसित देशों में आधुनिक औद्योगिक क्रियाकलापों में परिवर्तनशील प्रवृत्तियों के अन्तर्गत उद्योगों की अवस्थिति के लिए उत्तरदायी कारकों के महत्त्व में लगातार कमी आती जा रही है।

(ii) विकसित अर्थव्यवस्था वाले देशों में विकास तथा वैज्ञानिक तकनीक की

उन्नति के परिणामस्वरूप उद्योगों की संरचना एवं स्वरूप में परिवर्तन आया है, जिससे निरुद्योगीकरण की प्रवृत्तियाँ उत्पन्न हो रही हैं।

(iii) आधुनिक औद्योगिक क्रियाकलापों में भी अनेक प्रकार के परिवर्तन हुए हैं। उद्योगों में उत्पादन के लिए उच्च तकनीक का प्रयोग किया जा रहा है।

(iv) कारखानों के स्थान पर छोटी इकाइयों का बिखराव बहुत बड़े क्षेत्रों में देखा जा रहा है।

(v) विश्व के विकसित देशों में उच्च तकनीकी उद्योगों का विकास हो रहा है जबकि निम्न तकनीकी एवं श्रम-गहन उद्योग विकासशील देशों में विकसित हो रहे हैं।

(vi) विकसित देशों में स्थापित उद्योगों में डिजाइन तथा उत्पादन में बड़ी तीव्र गति से परिवर्तन हो रहे हैं।

(vii) विकसित देशों में बड़े पैमाने पर उत्पादन तथा उच्चस्तरीय उत्पादन की विचारधारा पर अत्यधिक बल दिया जा रहा है।

(viii) विकसित देशों में औद्योगिक क्रियाओं में अवशिष्ट पदार्थों में कमी, पुनःचक्रण प्रतिस्थापन तथा विकल्पों का योगदान अधिक है।

उत्तर 18. भूमि संसाधन से तात्पर्य भूमि उपयोग प्रतिरूप से है। भारत के भूमि उपयोग प्रतिरूप पर भौतिक कारकों के साथ-साथ सामाजिक एवं आर्थिक कारकों का भी प्रभाव पड़ा है जिससे अनेक प्रकार की पर्यावरणीय समस्याएँ उत्पन्न हो गई हैं। देश में सिंचाई और कृषि विकास की दोषपूर्ण नीतियों के कारण उत्पन्न विभिन्न समस्याओं में भूमि संसाधनों का निम्नीकरण सबसे गम्भीर समस्या है क्योंकि इससे मृदा की उर्वरता निरन्तर क्षीण होती जाती है। देश में यह समस्या विशेषकर अत्यधिक सिंचित क्षेत्रों में भयानक रूप ले चुकी है जिसके कारण कृषि भूमि का एक बड़ा भाग जलाक्रान्तता, लवणता तथा मृदा क्षारता के कारण बंजर हो गया है। इसके अतिरिक्त कृषि में कीटनाशकों के अत्यधिक प्रयोग से मृदा परिच्छेदिका में जहरीले तत्त्वों का सान्द्रण बढ़ता जा रहा है। सिंचित क्षेत्रों में अधिक उत्पादन देने वाली खाद्यान्न फसलों द्वारा दलहन फसलों को विस्थापित कर देने से भूमि में नाइट्रोजन योगीकरण के माध्यम से पुनः उर्वरकता प्राप्त करने की प्राकृतिक प्रक्रिया अवरुद्ध हुई है। इसके अलावा बहु-फसलीकरण में बढ़ोतरी होने से परती भूमि में भी अत्यधिक मात्रा में कमी आई है। देश में भूमि निम्नीकरण या अपरदन को जल के साथ-साथ वायु ने भी काफी प्रभावित किया है।

भूसंसाधनों की पर्यावरणीय समस्याओं का निदान—देश में भूमि संसाधनों से सम्बन्धित विभिन्न प्रकार की समस्याएँ उत्पन्न हो गई हैं, जिनका निदान निम्न प्रकार से किया जा सकता है—

(i) कृषि फसलों में रासायनिक उर्वरकों के स्थान पर प्राकृतिक खाद का अधिक प्रयोग करना चाहिए।

(ii) भूमि की उर्वरा शक्ति बनाये रखने के लिए उसमें दलहनी फसलों की कृषि के साथ-साथ भूमि को परती भी छोड़ना चाहिए।

(iii) मृदा उत्पादकता में ह्रास, मृदा अपरदन, लवणता तथा जलाक्रांतता की समस्या से निपटने के लिए कृषि भूमि के समुचित रख-रखाव व प्रबन्धन संबन्धी वैज्ञानिक विधियों का समुचित उपयोग आवश्यक है।

अथवा का उत्तर

खाद्यान्न फसल—ये फसलें देश के कुल बोये गए क्षेत्र के दो-तिहाई भाग पर उगाई जाती हैं। इन्हें मुख्यतः अनाज व दालों में वर्गीकृत किया जाता है—

YouTube channel Rk study Point 99

(1) अनाज—अनाज में मुख्यतया निम्न फसलों को सम्मिलित करते हैं—

(i) चावल—यह एक उष्ण-आर्द्र कटिबन्धीय फसल है, जो भारतीय जनसंख्या का प्रमुख भोजन है। वर्ष 2018 के अनुसार भारत विश्व का 22.07 प्रतिशत चावल उत्पन्न कर चीन के बाद दूसरा स्थान रखता है। देश में प्रमुख चावल उत्पादक राज्य पश्चिम बंगाल, पंजाब, उत्तर प्रदेश, आन्ध्र प्रदेश, तमिलनाडु आदि हैं।

(ii) गेहूँ—एक शीतोष्ण कटिबन्धीय फसल है। देश में उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान तथा मध्यप्रदेश प्रमुख गेहूँ उत्पादक राज्य हैं।

(iii) ज्वार—यह देश में बोया जाने वाला प्रमुख मोटा अनाज है। देश की आधे से अधिक ज्वार का उत्पादन अकेले महाराष्ट्र राज्य द्वारा किया जाता है।

(iv) बाजरा—भारत के पश्चिम तथा उत्तर-पश्चिम भागों में गर्म तथा शुष्क जलवायु में एकल तथा मिश्रित फसल के रूप में बाजरा बोया जाता है। देश में महाराष्ट्र, गुजरात, उत्तर प्रदेश, राजस्थान तथा हरियाणा प्रमुख बाजरा उत्पादक राज्य हैं।

(v) मक्का—मक्का कम उपजाऊ मृदा व अर्द्ध-शुष्क जलवायवी दशाओं में खाद्य तथा चारा फसल के रूप में बोई जाती है। देश में मक्का उत्पादन में मध्य प्रदेश, आन्ध्र प्रदेश, कर्नाटक, राजस्थान व उत्तर प्रदेश राज्य प्रमुख स्थान रखते हैं।

(2) दालें—देश के कुल बोये गये क्षेत्र के लगभग 11 प्रतिशत भाग पर बोई जाने वाली दालों की कृषि मुख्यत: दक्कन पठार, मध्य पठारी भागों और उत्तर-पश्चिम के शुष्क भागों में की जाती है। चना तथा अरहर देश की प्रमुख दालें हैं।

(i) चना—देश में प्रमुख चना उत्पादक राज्य मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, आन्ध्र प्रदेश तथा राजस्थान हैं।

(ii) अरहर (तुर)—देश में अरहर का सर्वाधिक उत्पादन महाराष्ट्र राज्य के द्वारा तथा इसके बाद मुख्यतया उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, गुजरात तथा मध्यप्रदेश द्वारा किया जाता है।

खण्ड-य

उत्तर 19.

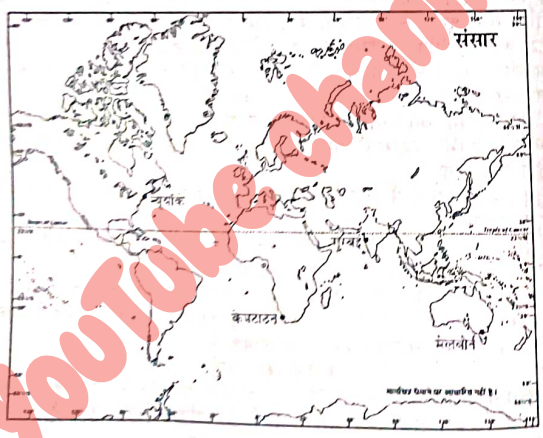

उत्तर 20.

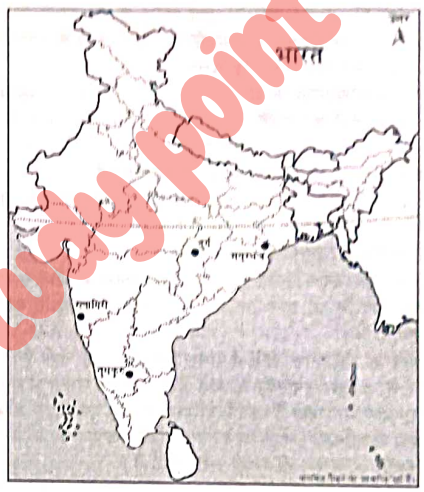

मॉडल पेपर-4

खण्ड-अ

उत्तर 1.

(i)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)	(vi)
(अ)	(ब)	(ब)	(स)	(द)	(अ)
(vii)	(viii)	(ix)	(x)	(xi)	(xii)
(ब)	(अ)	(द)	(द)	(द)	(ब)
(xiii)	(xiv)	(xv)	(xvi)		
(द)	(ब)	(ब)	(स)		

उत्तर 2. (i) निर्वहन (ii) अंगूर (iii) सेवा (iv) 1825
(v) अन्तर्राष्ट्रीय (vi) प्राकृतिक (vii) गैरिसन (viii) जायद
(ix) गर्मी (x) पाँचवीं

उत्तर 3. (i) (1) भौतिक पर्यावरण (2) सांस्कृतिक पर्यावरण
(ii) अशोधित जन्म दर को प्रति हजार स्त्रियों द्वारा जन्म दिए जीवित बच्चों के रूप में व्यक्त किया जाता है।
(iii) (1) मानव विकास सूचकांक (2) मानव गरीबी सूचकांक

YouTube channel PK study Point 99

(iv) सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योग सरकार के अधीन होते हैं जबकि निजी क्षेत्र के उद्योगों का स्वामित्व व्यक्तिगत निवेशकों के पास होता है।
(v) द्विपार्श्विक व्यापार दो देशों के द्वारा एक-दूसरे के साथ किया जाता है।
(vi) (1) हिमालय क्षेत्र (2) असम
(vii) (1) औद्योगिक कचरे का नदी-नालों-झीलों में विसर्जन।
(2) नगरों का वाहित मल निपटान तथा नगरीय वाही जल।

खण्ड-ब

उत्तर 4. सम्भववाद उपागम की प्रमुख विशेषताएँ निम्न हैं—

(i) मानव अपने वातावरण में आवश्यकतानुसार परिवर्तन कर सकता है। वह प्रकृति को संशोधित ही नहीं वरन् परिवर्तित भी करता है।

(ii) प्रकृति पर विजय प्राप्त करना सम्भव है।

(iii) प्रकृति अवसर प्रदान करती है तथा मानव इनका उपयोग करता है।

(iv) धीरे-धीरे प्रकृति का मानवीकरण हो जाता है तथा प्रकृति पर मानव प्रयासों की छाप पड़ने लगती है।

उत्तर 5. विश्व के औद्योगिक क्षेत्रों में सघन जनसंख्या पाई जाती है। औद्योगिक क्षेत्र लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाते हैं और बड़ी संख्या में लोग उद्योग तथा कारखानों के आस-पास बस जाते हैं। इनमें श्रमिक, ड्राइवर, दुकानदार, डॉक्टर, बैंककर्मी, अध्यापक तथा अन्य सेवाएँ प्रदान करने वाले लोग होते हैं। जापान का कोबे-ओसाका प्रदेश उद्योगों की अवस्थिति के कारण ही सघन बसा हुआ है।

उत्तर 6.

बड़े पैमाने के उद्योग	लघु पैमाने के उद्योग
1. बड़े पैमाने के उद्योगों में ऊर्जा चालित मशीनों से उत्पादन किया जाता है।	लघु पैमाने के उद्योगों में छोटी-छोटी मशीनों से उत्पादन किया जाता है।
2. इन उद्योगों में पूँजी का विपुल मात्रा में निवेश किया जाता है।	इन उद्योगों में कम पूँजी निवेश के उद्योग लगाए जाते हैं।
3. ये उद्योग विकसित देशों के विकास का आधार होते हैं।	ये उद्योग विकासशील देशों की अर्थव्यवस्था में महत्त्वपूर्ण स्थान रखते हैं।

उत्तर 7. भण्डारों के प्रकार—भण्डार निम्नलिखित तीन प्रकार के होते हैं—

(i) उपभोक्ता भण्डार—फुटकर व्यापार में वृहत स्तर पर सबसे पहले नवाचार लाने वाले उपभोक्ता सहकारी समुदाय आते हैं।

(ii) विभागीय भण्डार—वस्तुओं की खरीद और भण्डारों के विभिन्न अनुभागों में बिक्री के सर्वेक्षण के लिए विभागीय प्रमुखों को उत्तरदायित्व और प्राधिकार सौंप देते हैं।

(iii) शृंखला भण्डार—यह अत्यधिक मितव्ययिता से व्यापारिक माल खरीद पाते हैं। यहाँ तक कि अपने विनिर्देश पर सीधे वस्तुओं का विनिर्माण करा लेते हैं। यह अनेक कार्यकारी कार्यों में अत्यधिक कुशल विशेषज्ञ नियुक्त कर लेते हैं।

उत्तर 8. व्यापार संतुलन—किसी देश के आयात व निर्यात के मध्य मूल्यों में अन्तर को उस देश का व्यापार संतुलन कहा जाता है।

व्यापार संतुलन के प्रकार—व्यापार संतुलन के तीन ही प्रकार हैं—

(1) अनुकूल व्यापार संतुलन—जब किसी देश का निर्यात उसके आयात से अधिक होता है, तब उस देश का व्यापार अनुकूल या धनात्मक व्यापार संतुलन की स्थिति में होता है।

(2) प्रतिकूल व्यापार संतुलन—जब किसी देश का निर्यात मूल्य उसके आयात मूल्य से कम होता है, तब वह देश व्यापार की प्रतिकूल या ऋणात्मक व्यापार संतुलन की स्थिति में होता है।

उत्तर 9. (1) मृत्यु दर की तुलना में जन्म-दर का उच्च होना।
(2) देश में औसत जीवन अवधि का 25 वर्ष से बढ़कर 60 वर्ष से ऊपर हो जाना।
(3) एक साल से कम आयु के शिशुओं की मृत्यु संख्या में कमी होना।
(4) देश में आपदाओं की स्थिति के कारण लोगों की संख्या में वृद्धि होना।
(5) बाल विवाह, अशिक्षा, निर्धनता होने एवं परिवार कल्याण जैसे विचारों की कमी आदि अन्य कारणों के कारण जनसंख्या में तीव्र वृद्धि हुई है।

उत्तर 10. अनियमित बस्तियाँ—ये बस्तियाँ परिक्षिप्त बस्ती के किसी सीमित क्षेत्र में गुच्छित होने और किसी बड़े खेत गाँव के विखण्डन का परिणाम होती हैं। ये मुख्यतः गुजरात के मैदान और राजस्थान के कुछ भागों में व्यापक रूप से पाई जाती हैं। इन बस्तियों में प्रायः प्रमुख समुदाय तथा जमींदार गाँवों के केन्द्रीय भाग में रहते हैं, जबकि निम्न वर्ग के लोग गाँव के बाहरी भाग में रहते हैं।

उत्तर 11. (1) स्थल परिवहन—इसके अन्तर्गत सड़क परिवहन, रेल परिवहन और पाइप लाइन परिवहन को सम्मिलित किया जाता है।

(2) जल परिवहन—इसके अन्तर्गत अंतःस्थलीय परिवहन तथा सागरीय व महासागरीय परिवहन आता है, जो कि नौकाओं और जहाजों द्वारा किया जाता है।

(3) वायु परिवहन—यह राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर वायुयानों के माध्यम से किया जाता है।

उत्तर 12. भारत विभिन्न देशों से उर्वरक, पेट्रोलियम, खाद्य तेल, लुगदी तथा अपशिष्ट पेपर, पेपर बोर्ड व अखबारी कागज, अलौह धातुएँ, धातुमयी अयस्क, लोहा व स्टील, मोती व बहुमूल्य रत्न, दालें, गैर-खाद्य खनिज, व्यावसायिक उपस्कर, मशीनरी, वस्त्र, धागे, कोयला, कोक तथा इस्पिका, पेट्रोलियम उत्पाद, चिकित्सीय एवं फार्मा उत्पाद, रासायनिक उत्पाद आदि का आयात करता है।

उत्तर 13. (1) उद्योगों द्वारा निकले अवशिष्ट जल का प्रयोग सिंचाई में नहीं करके मृदा के ह्रास को रोका जा सकता है।

(2) उद्योगों एवं नगरों से निकले अपशिष्टों एवं विषैले पदार्थों को उपयोगी भूमि में नहीं मिलने देना चाहिए वरन् इनको निर्धारित स्थानों पर ही डालना चाहिए।

(3) रासायनिक खाद एवं उर्वरकों के स्थान पर कम्पोस्ट खाद का उपयोग किया जाना चाहिए।

खण्ड-स

उत्तर 14. (अ) उत्तरी प्रशान्त समुद्री मार्ग—यह समुद्री मार्ग उत्तरी अमेरिका के पश्चिमी तट पर स्थित पत्तनों को एशिया के पत्तनों से जोड़ता है। इनमें प्रमुख

YouTube Channel Name Study point 99

बंदरगाह वैंकूवर, सिएटल, पोर्टलैण्ड, सैन फ्रांसिस्को, याकोहामा, कोबे, शंघाई, हांगकांग, मनीला और सिंगापुर हैं।

(ब) दक्षिणी प्रशान्त समुद्री मार्ग—यह समुद्री मार्ग पश्चिमी यूरोप और उत्तरी अमेरिका को आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैण्ड और पनामा नहर से होते हुए प्रशान्त महासागर में प्रकीर्णित द्वीपों से मिलता है। इस मार्ग का प्रयोग हांगकांग, फिलीपीन्स और इण्डोनेशिया पहुँचने के लिए किया जाता है। इस सागरीय मार्ग पर पनामा और सिडनी के बीच तय की गई दूरी 12,000 किलोमीटर है। होनोलूलू इस मार्ग का महत्त्वपूर्ण पत्तन है।

अथवा का उत्तर

राइन जल मार्ग—राइन नदी जर्मनी और नीदरलैण्ड से होकर प्रवाहित होती है। नीदरलैण्ड में रोटरडम में अपने मुहाने से लेकर स्विट्जरलैण्ड में बेसल तक यह 700 किलोमीटर की लम्बाई में नौकायन योग्य है। इसमें सामुद्रिक जहाज कोलोन तक पहुँच सकते हैं। रूर नदी पूर्व से आकर राइन नदी में मिलती है। यह नदी एक सम्पन्न कोयला क्षेत्र से होकर प्रवाहित होती है तथा सम्पूर्ण नदी बेसिन विनिर्माण की दृष्टि से अत्यधिक सम्पन्न है। इस प्रदेश में डसलडोर्फ राइन नदी पर स्थित पत्तन है। रूर के दक्षिण में फैली पट्टी से होकर भारी वस्तुओं का आवागमन होता है।

यह जल मार्ग विश्व में अत्यधिक प्रयोग में लाया जाने वाला जल मार्ग है। प्रतिवर्ष 20,000 से अधिक समुद्री जलयान तथा लगभग 2 लाख आन्तरिक मालवाहक पोत वस्तुओं एवं सामग्रियों का आदान-प्रदान करते हैं। यह जल मार्ग स्विट्जरलैण्ड, जर्मनी, फ्रान्स, बेल्जियम तथा नीदरलैण्ड के औद्योगिक क्षेत्रों को उत्तरी अटलाण्टिक समुद्री मार्ग से जोड़ता है।

उत्तर 15. **(i) कोयला**—यह एक महत्वपूर्ण खनिज है, जो मुख्य रूप से गोंडवाना और टर्शियरी भूगर्भिक कालों की चट्टानों में पाया जाता है। देश में विद्यमान कोयला निक्षेपों का लगभग 80 प्रतिशत भाग बिटुमिनस प्रकार का तथा गैर कोककारी श्रेणी का है। भारत में गोंडवाना कोयले के प्रमुख क्षेत्र दामोदर, गोदावरी, महानदी और सोन नदी घाटियों में अर्थात् पश्चिम बंगाल, झारखंड, उड़ीसा, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश में स्थित हैं, जबकि टर्शियरी कोयला असम, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय तथा नागालैण्ड में पाया जाता है।

(ii) पेट्रोलियम—यह अपरिष्कृत और अनेक अशुद्धियों के साथ टर्शियरी काल की अवसादी शैलों में पाया जाता है। इसके अनेक सह-उत्पादों का प्रयोग उर्वरक, कृत्रिम रबर, दवाइयाँ, वैसलीन, मोम, साबुन आदि बनाने में किया जाता है। देश में मुख्यतया असम, गुजरात, मुम्बई हाई, कृष्णा-गोदावरी तथा कावेरी नदी बेसिनों में तेल के निक्षेप पाये जाते हैं।

अथवा का उत्तर

(i) नाभिकीय ऊर्जा—यह ऊर्जा मुख्यतः यूरेनियम और थोरियम खनिजों से प्राप्त की जाती है। भौगोलिक दृष्टि से यूरेनियम मुख्य रूप से झारखण्ड के सिंहभूम तांबा पट्टी में एवं थोरियम केरल तट की बालू में मोनाजाइट एवं इल्मेनाइट से प्राप्त किया जाता है। देश में परमाणु ऊर्जा आयोग की स्थापना 1948 में एवं प्रथम परमाणु ऊर्जा संस्थान 1954 में ट्राम्बे (महाराष्ट्र) में स्थापित किया गया था।

(ii) सौर ऊर्जा—इसका प्रयोग सामान्यतः हीटर, फसल शुष्ककों (Crop

dryer), कुकर आदि उपकरणों में अधिक किया जाता है। सौर ऊर्जा उत्पादन की अधिक संभावनाएँ मुख्यतः देश के पश्चिमी राज्य गुजरात व राजस्थान में हैं।

उत्तर 16. **पर्वतीय क्षेत्र विकास कार्यक्रम**—इस कार्यक्रम को पांचवीं पंचवर्षीय योजना में प्रारंभ किया गया था। राष्ट्रीय समिति द्वारा दिए गये सुझावों के आधार पर पहाड़ी क्षेत्रों के विकास की विस्तृत योजनाएँ इनके स्थलाकृतिक, पारिस्थितिकीय, सामाजिक तथा आर्थिक दशाओं को ध्यान में रखकर बनाई गईं। पर्वतीय क्षेत्र विकास कार्यक्रम के अंतर्गत उत्तराखंड, मिकिर पहाड़ी, असम की उत्तरी कछार की पहाड़ियाँ, पश्चिम बंगाल का दार्जिलिंग जिला और तमिलनाडु के नीलगिरी आदि को मिलाकर कुल 15 जिले शामिल हैं।

अथवा का उत्तर

सतत पोषणीय विकास—साधारणतया 'विकास' शब्द से तात्पर्य समाज विशेष की स्थिति और उसके द्वारा अनुभव किए गए परिवर्तन की प्रक्रिया से है। विकास एक बहु-आयामी एवं गतिक संकल्पना है, जिसका प्रादुर्भाव 20वीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में हुआ है। विकास मुख्यतः अर्थव्यवस्था, समाज तथा पर्यावरण में सकारात्मक व अनुत्क्रमणीय परिवर्तन का द्योतक है। 1960 के दशक के अंत में पश्चिमी दुनिया में पर्यावरण संबंधी मुद्दों पर बढ़ती जागरूकता की सामान्य वृद्धि के कारण 'सतत पोषणीय' धारणा का विकास हुआ। 'सतत पोषणीय विकास', विकास का एक नया मॉडल है, जिसकी शुरुआत पर्यावरण पर औद्योगिक विकास से पड़ने वाले अवपोषित प्रभावों के परिणामस्वरूप हुई है। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा पर्यावरणीय मुद्दों को लेकर स्थापित 'विश्व पर्यावरण और विकास आयोग' (WCED) के अनुसार "सतत पोषणीय विकास एक ऐसा विकास है, जिसमें भविष्य में आने वाली पीढ़ियों की आवश्यकता पूर्ति को प्रभावित किए बिना वर्तमान पीढ़ी द्वारा अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति करना है।"

खण्ड-द

उत्तर 17. **आधुनिक बड़े पैमाने पर होने वाले विनिर्माण की विशेषताएँ**—वर्तमान समय में बड़े पैमाने पर होने वाले विनिर्माण की प्रमुख विशेषताएँ निम्नलिखित हैं—

1. **कौशल का विशिष्टीकरण एवं उत्पादन की विधियाँ**—बड़े पैमाने पर कार्यरत विनिर्माण में बड़े पैमाने पर उत्पादन किया जाता है तथा इसमें प्रत्येक श्रमिक लगातार एक ही प्रकार के कार्य को करता है।

2. **यन्त्रीकरण**—किसी कार्य को पूर्ण करने के लिए मशीनों का प्रयोग करना यन्त्रीकरण कहलाता है। निर्माण प्रक्रिया के दौरान मानव की सोच को शामिल किए बिना कार्य करना अर्थात् स्वचालित, यन्त्रीकरण की विकसित अवस्था है। पुनर्निवेशन एवं संवृत-पाश कम्प्यूटर नियन्त्रित प्रणाली से युक्त स्वचालित कारखाने जिनमें मशीनों को सोचने के लिए विकसित किया गया है वे पूरे विश्व में नजर आने लगी हैं।

3. **प्रौद्योगिकीय नवाचार**—इसके अन्तर्गत शोध एवं विकासमान युक्तियों के द्वारा विनिर्माण की गुणवत्ता को नियन्त्रित करने, अपशिष्टों के निस्तारण एवं अदक्षता को समाप्त करने तथा प्रदूषण को नियंत्रित करने जैसे उपाय सम्मिलित हैं।

4. **संगठनात्मक ढाँचा एवं स्तरीकरण**—इसके अन्तर्गत जटिल प्रौद्योगिकी तंत्र, अत्यधिक विशिष्टीकरण, श्रम विभाजन, कम लागत से अधिक उत्पादन प्राप्त करना,

अधिक पूँजी, बड़ा संगठन तथा प्रशासकीय अधिकारी वर्ग को सम्मिलित किया जात

5. अनियमित भौगोलिक वितरण—विश्व में आधुनिक निर्माण के सकेन्द्रण कुछ स्थानों में सीमित हैं। विश्व के कुल स्थलीय भाग के 10 प्रतिश कम भू-भाग पर इनका विस्तार है। यह देश के आर्थिक एवं राजनैतिक शक्ति केन्द्र बन गए हैं। कुल क्षेत्र को आच्छादित करने की दृष्टि से विनिर्माण स्थ प्रक्रियाओं को अत्यधिक गहनता के कारण बहुत कम स्पष्ट हैं तथा कृषि की अपे बहुत छोटे क्षेत्रों में संकेन्द्रित हैं। यथा—अमेरिका की मक्का पेटी के 2.5 किलोमीटर क्षेत्र में साधारण रूप से चार बड़े फार्म होते हैं जिनमें 10 से 20 श्रमि कार्य करते हैं जिनसे 50 से 100 मनुष्यों का भरण-पोषण होता है। किन्तु इतने क्षेत्र में अनेकों वृहद् समाकलित कारखानों को समाविष्ट किया जा सकता है त हजारों श्रमिकों को रोजगार दिया जा सकता है।

अथवा का उत्तर

उच्च प्रौद्योगिकी उद्योग की संकल्पना की प्रमुख विशेषताएँ निम्न प्रकार हैं—

(1) उच्च प्रौद्योगिकी उद्योग निर्माण क्रियाओं में नवीनतम पीढ़ी है। इसमें उन्न वैज्ञानिक एवं इंजीनियरिंग उत्पादों का निर्माण गहन शोध एवं विकास के प्रयोग द्वा किया जाता है।

(2) इसमें संपूर्ण श्रमिक शक्ति का अधिकतर भाग व्यावसायिक (सफेद कॉलर) श्रमिकों का होता है। ये उच्च, दक्ष एवं विशिष्ट व्यावसायिक श्रमिक वास्तविक उत्पाद (नीला कॉलर) श्रमिकों से संख्या में अधिक होते हैं।

(3) उच्च प्रौद्योगिकी उद्योग में यंत्र मानव कंप्यूटर आधारित डिजाइन (कैड) तथा निर्माण, धातु पिघलाने एवं शोधन के इलेक्ट्रोनिक नियंत्रण एवं नए रासायनिक व औषधीय उत्पाद प्रमुख स्थान रखते हैं।

(4) उच्च प्रौद्योगिकी उद्योग के भूदृश्य में विशाल भवनों, कारखानों एवं भंडार क्षेत्रों के स्थान पर आधुनिक, नीचे साफ़-सुथरे, बिखरे कार्यालय एवं प्रयोगशालाएँ देखने को मिलती हैं।

(5) उच्च प्रौद्योगिकी उद्योगों के लिए नियोजित व्यवसाय पार्क का निर्माण किया जा रहा है।

(6) वे उच्च प्रौद्योगिकी उद्योग जो प्रादेशिक संकेंद्रित हैं, आत्मनिर्भर एवं उच्च विशिष्टता लिए होते हैं उन्हें प्रौद्योगिकी ध्रुव कहा जाता है। सैन फ्रांसिस्को के समीप सिलीकन घाटी एवं सियटल के समीप सिलीकन वन प्रौद्योगिकी ध्रुव के अच्छे उदाहरण हैं।

उत्तर 18. भारतीय कृषि के प्रकार

आर्द्रता के प्रमुख उपलब्ध स्रोत के आधार पर कृषि को सिंचित कृषि तथा वर्षा-निर्भर (बारानी) कृषि में वर्गीकृत किया जाता है—

(1) सिंचित कृषि—सिंचित कृषि में भी सिंचाई के उद्देश्य के आधार पर दो प्रकार पाये जाते हैं। जैसे—रक्षित सिंचाई कृषि तथा उत्पादक सिंचाई कृषि।

(i) रक्षित सिंचाई कृषि—रक्षित सिंचाई का मुख्य उद्देश्य आर्द्रता की कमी के कारण फसलों को नष्ट होने से बचाना है, जिसका अभिप्राय यह है कि वर्षा के अतिरिक्त जल की कमी को सिंचाई द्वारा पूरा किया जाता है। इस प्रकार की सिंचाई का उद्देश्य अधिकतम क्षेत्र को पर्याप्त आर्द्रता उपलब्ध कराना है।

YouTube channel RK study point 99

(ii) उत्पादक सिंचाई कृषि—उत्पादक सिंचाई का उद्देश्य फसलों को पर्याप्त मात्रा में पानी उपलब्ध कराकर अधिकतम उत्पादकता प्राप्त करना है। उत्पादक सिंचाई में जल निवेश की मात्रा रक्षित सिंचाई की अपेक्षा अधिक होती है।

(2) वर्षा निर्भर (बारानी) कृषि—वर्षा निर्भर कृषि भी कृषि ऋतु में उपलब्ध आर्द्रता मात्रा के आधार पर दो वर्गों; शुष्क भूमि कृषि तथा आर्द्र भूमि कृषि में बाँटी जाती है।

(i) शुष्क भूमि कृषि—भारत में शुष्क भूमि खेती मुख्यत: उन प्रदेशों तक सीमित है जहाँ वार्षिक वर्षा 75 सेंटीमीटर से कम है। इन क्षेत्रों में शुष्कता को सहने में सक्षम फसलें जैसे—रागी, बाजरा, मूँग, चना तथा ग्वार (चारा फसलें) आदि उगाई जाती हैं तथा इन क्षेत्रों में आर्द्रता संरक्षण तथा वर्षा जल के प्रयोग की अनेक विधियाँ अपनाई जाती हैं।

(ii) आर्द्र भूमि कृषि—आर्द्र कृषि क्षेत्रों में वर्षा ऋतु के अन्तर्गत वर्षा की मात्रा पौधों की जरूरत से अधिक होती है। ये प्रदेश बाढ़ तथा मृदा अपरदन का सामना करते हैं। इन क्षेत्रों में वे फसलें उगाई जाती हैं, जिन्हें पानी की अधिक मात्रा में आवश्यकता होती है, जैसे—चावल, जूट, गन्ना आदि तथा ताजे पानी की जलकृषि भी की जाती है।

अथवा का उत्तर

1. कपास

कपास एक उष्ण कटिबंधीय फसल है, जो देश के अर्ध-शुष्क भागों में खरीफ ऋतु में बोई जाती है। भारत, छोटे रेशे वाली (भारतीय) व लंबे रेशे वाली (अमेरिकन) दोनों प्रकार की कपास का उत्पादन करता है। अमेरिकन कपास देश के उत्तर-पश्चिमी भाग में 'नरमा' कहलाती है। कपास पर फूल आने के समय आकाश बादल रहित होना चाहिए।

भारत का कपास उत्पादन में विश्व में चीन के बाद दूसरा स्थान है। देश के समस्त बोए क्षेत्र के लगभग 4.7 प्रतिशत क्षेत्र पर कपास बोया जाता है।

भारत में कपास के तीन मुख्य उत्पादक क्षेत्र हैं—

(i) उत्तर-पश्चिम भारत में पंजाब, हरियाणा तथा उत्तरी राजस्थान।

(ii) पश्चिम में गुजरात तथा महाराष्ट्र।

(iii) दक्षिण में तेलंगाना, कर्नाटक व तमिलनाडु के पठारी भाग।

कपास के अग्रणी उत्पादक राज्य गुजरात, महाराष्ट्र, तेलंगाना, आंध्रप्रदेश, पंजाब तथा हरियाणा हैं। देश के उत्तर-पश्चिमी सिंचाई सुविधा वाले भागों में इसका प्रति हैक्टेयर उत्पादन अधिक है। इसका उत्पादन महाराष्ट्र के वर्षा निर्भर क्षेत्रों में कम है।

2. जूट

जूट पश्चिम बंगाल तथा इससे संस्पर्शी पूर्वी भागों की एक व्यापारिक फसल है। जूट का प्रयोग मोटे वस्त्र, थैला, बोरे व अन्य सजावटी सामान बनाने में किया जाता है। विभाजन के दौरान देश का विशाल जूट उत्पादक क्षेत्र पूर्वी पाकिस्तान (बांग्लादेश) में चला गया था। वर्तमान में भारत विश्व का लगभग 60 प्रतिशत जूट उत्पादित करता है।

देश के कुल उत्पादन का तीन-चौथाई भाग पश्चिम बंगाल उत्पादित करता है। विहार व आसाम अन्य जूट उत्पादक क्षेत्र हैं। यह देश के कुल शस्य क्षेत्र के 0.5 प्रतिशत भाग पर ही बोया जाता है।

youtube channel RK study point 99

खण्ड-य

उत्तर 19.

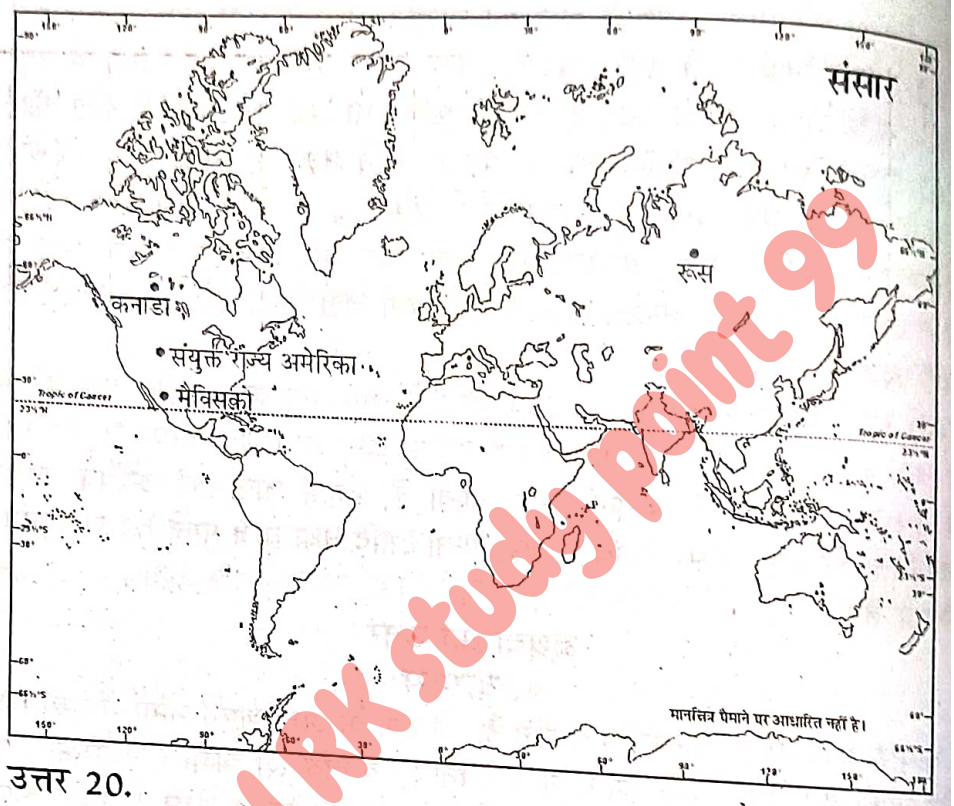

उत्तर 20.

YouTube channel RK study Point 99

मॉडल पेपर-5

खण्ड-अ

उत्तर 1.

(i)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)	(vi)
(स)	(स)	(द)	(अ)	(द)	(अ)
(vii)	(viii)	(ix)	(x)	(xi)	(xii)
(अ)	(द)	(ब)	(अ)	(द)	[illegible]
(xiii)	(xiv)	(xv)	(xvi)		
(ब)	(स)	(अ)	(द)		

उत्तर 2. (i) 53 (ii) कॉफी (iii) इंटरनेट (iv) महासागर
(v) विनिमय (vi) घनत्व (vii) मोहन जोदड़ो
(viii) एक चौथाई (ix) फ्लोराइड (x) राजस्थान

उत्तर 3. (i) नवनिश्चयवाद अथवा रुको और जाओ निश्चयवाद संकल्पना जिसका प्रतिपाद ग्रिफिथ टेलर ने किया था।

(ii) $$\text{अशोधित मृत्यु दर} = \frac{\text{किसी वर्ष विशेष में मृतकों की संख्या}}{\text{उस वर्ष के मध्य अनुमानित जनसंख्या}} \times 1000$$

(iii) सशक्तिकरण का अर्थ अपने विकल्प चुनने के लिए शक्ति प्राप्त करना है।

(iv) आखेट, भोजन संग्रह, पशुचारण, मछली पकड़ना, लकड़ी काटना, कृषि व खनन कार्य प्रमुख आर्थिक क्रियाएँ हैं।

(v) वे व्यापारिक क्रियाकलाप जो कि उपभोक्ताओं को वस्तुओं के प्रत्यक्ष विक्रय से सम्बन्धित होते हैं, फुटकर व्यापार कहलाते हैं।

(vi) खाद्यान्नों के उत्पादन और उत्पादकता में भारी वृद्धि होना।

(vii) सर्वाधिक जल प्रदूषक उद्योग चमड़ा, लुगदी व कागज, वस्त्र तथा रसायन उद्योग हैं।

खण्ड-ब

उत्तर 4. कुमारी एलन सैम्पल के अनुसार, "मानव भूगोल अस्थिर पृथ्वी और क्रियाशील मानव के बीच परिवर्तनशील सम्बन्धों का अध्ययन है।" इसके तीन मूल बिन्दु निम्नलिखित हैं, यथा—

(1) सैम्पल ने अपनी परिभाषा में पृथ्वी को अस्थिर अर्थात् परिवर्तनशील अवस्था में माना है।

(2) सैम्पल ने मानव को क्रियाशील माना है। मानव का वर्तमान रूप इसके आदिम रूप से सर्वथा भिन्न है, जिसका कारण इसकी क्रियाशीलता ही है।

(3) सैम्पल के अनुसार पृथ्वी तथा मानव के बीच सम्बन्ध परिवर्तनशील हैं।

उत्तर 5.

धनात्मक वृद्धि	ऋणात्मक वृद्धि
1. जब दो समय अन्तरालों के बीच जनसंख्या बढ़ जाती है, तो इसे जनसंख्या की धनात्मक वृद्धि कहते हैं।	जब दो समय अन्तरालों के बीच जनसंख्या कम हो जाती है, तब इसे जनसंख्या की ऋणात्मक वृद्धि कहते हैं।

YouTube channel Rk study point 99

2. यह वस्तुतः तब होती है, जब जन्म-दर, मृत्यु-दर से अधिक हो जाए अथवा अन्य देशों से लोग स्थायी रूप से उस देश में प्रवास कर जाएँ।	यह तब होती है, जब जन्म-दर, मृत्यु-दर से कम हो जाए अथवा उस दे से लोग अन्य देशों में प्रवास कर जा
3. इससे किसी क्षेत्र के संसाधनों के उपभोग में वृद्धि होती है।	इससे उस क्षेत्र के संसाधनों के उपभ की दर घटती है।

उत्तर 6. **प्रौद्योगिक ध्रुव**—वे उच्च प्रौद्योगिकी उद्योग, जो प्रादेशिक संकेन्द्रि हैं, आत्मनिर्भर एवं उच्च विशिष्टता लिए होते हैं, उन्हें प्रौद्योगिक ध्रुव कहा ज है। एक प्रौद्योगिक ध्रुव एक संकेन्द्रित क्षेत्र के भीतर अभिनव प्रौद्योगिकी व उद्य से सम्बन्धित उत्पादन के लिए नियोजित विकास है। प्रौद्योगिक ध्रुव में विज्ञान अथ प्रौद्योगिकी पार्क, विज्ञान नगर (साइन्स सिटी) तथा दूसरी उच्च तकनीकी औद्योगि संकुल शामिल किए जाते हैं।

उत्तर 7. **ग्रामीण विपणन केन्द्र**—ग्रामीण विपणन केन्द्र निकटवर्ती बस्तियों पोषण करते हैं। ये अर्द्ध-नगरीय केन्द्र होते हैं। ये अत्यन्त अल्पवर्धित प्रकार व्यापारिक केन्द्रों के रूप में सेवा करते हैं। यहाँ व्यक्तिगत और व्यावसायिक सेव सुविकसित नहीं होतीं। ये स्थानीय संग्रहण और वितरण केन्द्र होते हैं। इनमें अधिकांश केन्द्रों में मण्डियाँ (थोक बाजार) और फुटकर व्यापार क्षेत्र भी होते हैं। स्वयं में नगरीय केन्द्र नहीं हैं, किन्तु ग्रामीण लोगों की अधिक माँग वाली वस्तु और सेवाओं को उपलब्ध कराने वाले महत्त्वपूर्ण केन्द्र हैं।

उत्तर 8. द्विपार्श्विक व्यापार में दो देशों के द्वारा एक-दूसरे के साथ व्यापार कि जाता है, इस व्यापार के अन्तर्गत दोनों देश निर्दिष्ट वस्तुओं का व्यापार करने के लि सहमति देते हैं। इसके विपरीत बहु-पार्श्विक व्यापार बहुत से व्यापारिक देशों के स किया जाता है। इसमें एक देश अन्य अनेक देशों के साथ व्यापार कर सकता है।

उत्तर 9. (1) शिक्षा का प्रसार करना चाहिए।

(2) सभी क्षेत्रों में परिवार कल्याण जैसे कार्यक्रमों की नवीन विधियों व मह को जनमानस तक प्रभावी तरीके से सम्प्रेषित किया जाना चाहिए।

(3) विवाह की औसत आयु में वृद्धि करनी चाहिए, जिससे सन्तानोत्पत्ति का कम रह सके।

(4) कृषि एवं औद्योगिक उत्पादन को बढ़ाना चाहिए।

(5) प्रवास और आप्रवास से सम्बन्धित नीतियों के निश्चित मापदण्ड बनाने चाहि

उत्तर 10. अंग्रेजों के आगमन का मुख्य कारण व्यापार करना था। अतः उन्हों तटीय स्थानों पर नगरों का विकास किया, ताकि वे समुद्री मार्ग से जहाजों के माध्यम वस्तुओं को भारत में ला सकें एवं यहाँ से वस्तुओं को बाहर भेज सकें। इसी कार उन्होंने सूरत, दमन, गोवा, पांडिचेरी, मुम्बई, चेन्नई, कोलकाता का विकास किया।

उत्तर 11.

राष्ट्रीय महामार्ग (N.H.)	राज्य महामार्ग (S.H.)
1. यह समस्त देश की मुख्य सड़कें हैं।	यह विभिन्न राज्यों की मुख्य सड़कें हैं

YouTube channel pk study point 99

2. यह महामार्ग प्रमुख व्यापारिक व औद्योगिक नगर, राजधानियों तथा प्रमुख पत्तनों को आपस में जोड़ते हैं।	यह महामार्ग विभिन्न राज्यों की राजधानियों को राज्यों के प्रमुख नगर एवं कार्यालयों से जोड़ते हैं।
3. यह केन्द्रीय सरकार द्वारा निर्मित एवं अनुरक्षित किए जाते हैं।	इन मार्गों का निर्माण एवं अनुरक्षण राज्य सरकारों द्वारा किया जाता है।

उत्तर 12. भारत के पूर्वी तट की अपेक्षा पश्चिमी तट पर अधिक पत्तन हैं, क्योंकि पूर्वी तट, पश्चिमी तटों की तुलना में उथले हैं, जहाँ नदियों के डेल्टाई भागों में बालू का निक्षेपण मिलता है। इसके अतिरिक्त पश्चिमी तटीय भागों पर स्थित पत्तनों का पृष्ठ प्रदेश अपेक्षाकृत अधिक विकसित एवं संपन्न मिलता है। इस कारण भारत के पश्चिमी तट पर अपेक्षाकृत अधिक पत्तन मिलते हैं।

उत्तर 13. (i) नगरीय क्षेत्रों से उत्पन्न ठोस अपशिष्ट के निपटान की समुचित व्यवस्था।

(ii) औद्योगिक कचरे को नदियों व झीलों में विसर्जित करने से रोकना।

(iii) गहन वृक्षारोपण अभियान चलाकर।

(iv) निम्नीकृत भूमि को विविध उपायों द्वारा प्रयोज्य भूमि में परिवर्तित कर।

(v) पर्यावरणीय समस्याओं के प्रति लोगों में जागरूकता पैदा करके।

खण्ड-स

उत्तर 14. (अ) **डेन्यूब जल मार्ग**—यह महत्त्वपूर्ण आन्तरिक जल मार्ग पूर्वी यूरोपीय भाग को अपनी सेवाएँ प्रदान करता है। डेन्यूब नदी ब्लैक फॉरेस्ट से निकल कर अनेक देशों से होती हुई पूर्व की तरफ प्रवाहित होती है। यह टारना से विरिन तक नौकायन योग्य है। इस जल मार्ग से निर्यात किए जाने वाले पदार्थ गेहूँ, मक्का, इमारती लकड़ी तथा मशीनरी हैं।

(ब) **वोल्गा जल मार्ग**—रूस में अत्यधिक संख्या में विकसित जल मार्ग पाए जाते हैं जिनमें से वोल्गा सबसे महत्त्वपूर्ण नदी जल मार्ग है। यह 11,200 किलोमीटर तक नौकायन की सुविधा प्रदान करता है तथा कैस्पियन सागर में मिल जाता है। वोल्गा-मास्को नहर इसको मास्को प्रदेश से तथा वोल्गा-डोन नहर कालासागर से जोड़ती है।

(स) **वृहद् झीलें सेण्ट लारेन्स समुद्री मार्ग**—उत्तरी अमेरिका की वृहद झीलें सुपीरियर, ह्यूरन, इरी तथा ओण्टारियो, परस्पर सू नहर तथा वलैण्ड नहर के द्वारा आपस में जुड़े हुए हैं तथा सेण्ट लॉरेन्स नदी की एश्चुअरी वृहद् झीलों के साथ उत्तरी अमेरिका के उत्तरी भाग में विशिष्ट वाणिज्यिक जल मार्ग का निर्माण करती है। इस मार्ग पर स्थित मुख्य पत्तन डुलुथ और बुफालो सभी आधुनिक पत्तन की सुविधाओं से युक्त हैं। इस प्रकार विशाल सामुद्रिक जलयान महाद्वीप के आन्तरिक भाग में मॉण्ट्रियल तक नौकायन करते हैं।

अथवा का उत्तर

स्थलीय परिवहन में रेल मार्ग एक महत्त्वपूर्ण साधन है। आधुनिक समय में किसी देश में आर्थिक, सामाजिक तथा राजनैतिक दृष्टि से रेलों का बड़ा महत्त्व है, यथा—

(1) रेल मार्ग किसी क्षेत्र के खनिज पदार्थों के विकास में सहायक होते हैं।

(2) रेल मार्ग औद्योगिक क्षेत्रों में कच्चे माल तथा तैयार माल के वितरण में सहायता करते हैं।

(3) रेल मार्ग व्यापार को उन्नत बनाते हैं।

(4) रेल मार्ग राजनैतिक एकता व स्थिरता लाने में योगदान देते हैं।

(5) रेल मार्ग संकट काल में सहायता कार्यों की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण हैं।

youtube channel pk study point 99

(6) कम जनसंख्या वाले प्रदेशों में रेल मार्ग जनसंख्या वृद्धि का आधार बनते

(7) लम्बी-लम्बी दूरियों को जोड़ने में रेल मार्ग महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा करते

उत्तर 15. खनिज—एक निश्चित रासायनिक एवं भौतिक गुण (विशिष्टताओं) के साथ कार्बनिक या अकार्बनिक उत्पत्ति के प्राकृतिक पद खनिज कहलाते हैं।

खनिजों का वर्गीकरण—रासायनिक एवं भौतिक गुणधर्मों के आधार पर खनि को निम्न प्रकार से वर्गीकृत किया जा सकता है—

(i) धात्विक खनिज—ये धातु के स्रोत होते हैं। अतः इनमें लौह अयस्क, ता सोना, बॉक्साइट जैसी धातु प्रदान करने वाले खनिज सम्मिलित होते हैं।

इन खनिजों को लौह अंश की उपस्थिति के आधार पर पुनः लौह एवं अ धात्विक श्रेणी में विभक्त किया जाता है।

(ii) अधात्विक खनिज—ये खनिज या तो कार्बनिक उत्पत्ति के होते हैं, कि कोयला, पेट्रोलियम आदि; इन्हें जीवाश्म ईंधन या खनिज ईंधन भी कहते हैं ये खनिज अकार्बनिक उत्पत्ति के होते हैं; जैसे—अभ्रक, चूना-पत्थर, ग्रेफाइट अ

अथवा का उत्तर

मैंगनीज—यह भारत में खनन किया जाने वाला लौह अयस्क के बाद दू महत्त्वपूर्ण लौह खनिज है। लौह अयस्क के प्रगलन के लिए यह एक महत्व कच्चा माल है और इसका उपयोग लौह-मिश्रातु, विनिर्माण में भी किया जाता मैंगनीज के निक्षेप मुख्यतः धारवाड़ क्रम की चट्टानों में मिलते हैं।

मैंगनीज उत्पादक क्षेत्र—भारत में मैंगनीज उत्पादक प्रमुख क्षेत्र निम्न प्रकार से है

(i) ओडिशा—यह अग्रणी उत्पादक है। यहाँ की मुख्य खदानें बोनाई, केन्दु सुंदरगढ़, गंगपुर, कोरापुट, कालाहांडी और बोलनगीर जिलों में हैं।

(ii) कर्नाटक—यहाँ की खदानें धारवाड़, बेल्लारी, बेलगाम, उत्तरी कन्न चिकमगलूर, शिमोगा, चित्रदुर्ग तथा तुमकुर जिलों में हैं।

(iii) महाराष्ट्र—यहाँ पर नागपुर, भंडारा तथा रत्नागिरी जिलों में।

(iv) मध्यप्रदेश—यहाँ बालाघाट, छिंदवाड़ा, निमाड़, मांडला और झाबुआ जिलों

(v) तेलंगाना, गोआ तथा झारखंड भी मैंगनीज के अन्य गौण उत्पादक राज्य

उत्तर 16. कृषि भारतवासियों का मुख्य व्यवसाय है। देश में कुल कृषि उपजों को अग्र वर्गों में रखा जा सकता है—

(1) खाद्यान्न फसलें—इसके अन्तर्गत अनाज व दालों को सम्मिलित कि जाता है। देश के कुल बोये गये क्षेत्र के लगभग 54 प्रतिशत भाग पर अनाज लगभग 11 प्रतिशत भाग पर दालें बोई जाती हैं। खाद्यान्न फसलों में मुख्यतः गे चावल, ज्वार, बाजरा, मक्का, जौ, दालें आदि फसलों को उत्पादित किया जाता

(2) औद्योगिक फसलें—देश में औद्योगिक फसलों के अन्तर्गत गन्ना, कप जूट, तम्बाकू, तिलहन आदि फसलों का उत्पादन किया जाता है।

(3) बागाती एवं पेय फसलें—देश में बागाती व पेय फसलों के अन्तर्गत च कहवा/कॉफी, रबड़, सिनकोना, गर्म मसाले, कोको आदि फसलें उत्पादित की जाती

अथवा का उत्तर

भारत में गन्ना की कृषि एवं उत्पादक क्षेत्र—गन्ना एक उष्ण कटिबंधी

YouTube channel RK study point 99

फसल है। वर्षा निर्भर परिस्थितियों में यह केवल आर्द्र व उपार्द्र जलवायु वाले क्षेत्रों में बोई जा सकती है। गंगा-सिंधु के मैदानी भाग में इसकी अधिकतर बुवाई उत्तरप्रदेश तक सीमित है। पश्चिम भारत में गन्ना उत्पादक प्रदेश महाराष्ट्र व गुजरात तक फैले हैं। दक्षिण भारत में इसकी कृषि कर्नाटक, तमिलनाडु व आंध्रप्रदेश के सिंचाई वाले भागों में की जाती है।

ब्राजील के बाद भारत दूसरा बड़ा गन्ना उत्पादक देश था (2018)। यहाँ विश्व का 19.76 प्रतिशत गन्ने का उत्पादन होता है। उत्तरप्रदेश देश का 40 प्रतिशत गन्ना उत्पादन करता है। इसके अन्य प्रमुख उत्पादक राज्य महाराष्ट्र, कर्नाटक तथा तमिलनाडु व आंध्रप्रदेश हैं, जहाँ इसका उत्पादन स्तर अधिक है। उत्तरी भारत में इसका उत्पादन कम है।

खण्ड-द

उत्तर 17. आकार के आधार पर उद्योगों का वर्गीकरण—किसी उद्योग का आकार उसमें निवेशित पूँजी, कार्यशील श्रमिकों की संख्या एवं उत्पादन की मात्रा पर निर्भर करता है। आकार के आधार पर उद्योगों को निम्नलिखित वर्गों के अन्तर्गत विभाजित किया गया है—

1. कुटीर उद्योग—कुटीर उद्योग निर्माण की सबसे छोटी इकाई हैं। इनमें शिल्पकार स्थानीय कच्चे माल का उपयोग करते हैं एवं साधारण औजारों द्वारा परिवार के सभी सदस्य मिलकर अपने दैनिक जीवन के उपभोग की वस्तुओं का उत्पादन करते हैं। तैयार माल का या तो वे स्वयं उपभोग करते हैं या इसे स्थानीय बाजार में बेच देते हैं। कभी-कभी ये अपने उत्पादों की अदला-बदली भी करते हैं। पूँजी एवं परिवहन इन उद्योगों को अधिक प्रभावित नहीं करते हैं; क्योंकि इनके द्वारा निर्मित वस्तुओं का व्यापारिक महत्त्व कम होता है एवं अधिकतर उपकरण स्थानीय लोगों के द्वारा निर्मित होते हैं।

कुटीर उद्योग में दैनिक जीवन के उपयोग में आने वाली वस्तुओं यथा—खाद्य पदार्थ, कपड़ा, चटाइयाँ, बर्तन, औजार, फर्नीचर, जूते एवं लघु मूर्तियाँ उत्पादित की जाती हैं।

2. छोटे पैमाने के उद्योग—इनके उत्पादन की तकनीक एवं निर्माण स्थल दोनों कुटीर उद्योग से अलग होते हैं। इनमें स्थानीय कच्चे माल का उपयोग किया जाता है एवं अर्द्ध कुशल श्रमिक व शक्ति के साधनों से चलने वाले यन्त्रों का प्रयोग किया जाता है। रोजगार के अवसर छोटे पैमाने के उद्योगों में अधिक होते हैं जिससे स्थानीय निवासियों की क्रय-शक्ति बढ़ जाती है।

3. बड़े पैमाने के उद्योग—बड़े पैमाने के उद्योग के लिए विशाल बाजार, विभिन्न प्रकार का कच्चा माल, शक्ति के साधन, कुशल श्रमिक, विकसित प्रौद्योगिकी, अधिक उत्पादन एवं अधिक पूँजी की आवश्यकता होती है। विश्व के प्रमुख औद्योगिक प्रदेशों को उनके वृहद् पैमाने पर किये गये निर्माण के आधार पर दो बड़े समूहों में विभाजित किया जा सकता है। यथा—

(i) परम्परागत वृहद् औद्योगिक प्रदेश

(ii) उच्च प्रौद्योगिकी वाले वृहद् औद्योगिक प्रदेश।

अथवा का उत्तर

उच्च प्रौद्योगिकी उद्योगों की अवस्थिति

उच्च प्रौद्योगिकी उद्योगों में उन्नत वैज्ञानिक एवं इंजीनियरिंग उत्पादों का निर्माण—

YouTube Channel My Study Point 99

गहन शोध एवं विकास के प्रयोग द्वारा किया जाता है। इसमें यंत्र मानव, कम्प्यूटर आधारित डिजाइन तथा निर्माण, धातु पिघलाने एवं शोधन के इलेक्ट्रॉनिक नियंत्रण एवं नवीन रासायनिक व औषधीय उत्पाद प्रमुख स्थान रखते हैं।

इन उद्योगों में सम्पूर्ण श्रमिक शक्ति का अधिक भाग व्यावसायिक कुशलता प्राप्त श्रमिकों का होता है। अतः ये उद्योग वहाँ मुख्य रूप से अवस्थित रहते हैं, जहाँ व्यावसायिक कुशलता प्राप्त श्रमिकों की उपलब्धता हो, साथ ही उन स्थानों पर भी इन उद्योगों की अवस्थिति पायी जाती है जहाँ उच्च तकनीक उपलब्ध करवाने वाली संस्थाएँ स्थित रहती हैं।

उच्च प्रौद्योगिकी उद्योगों की अवस्थिति उच्च शहरों एवं तकनीकी उच्च प्रदेशों के आसपास अधिक पायी जाती है।

विश्व में उच्च प्रौद्योगिकी उद्योगों का वितरण

विश्व में उच्च प्रौद्योगिकी उद्योगों का वितरण मुख्य रूप से उन देशों एवं शहरों में अधिक है जहाँ उच्च तकनीक पायी जाती है तथा उच्च तकनीक में प्रशिक्षित करने वाले संस्थान पाए जाते हैं।

वे उच्च प्रौद्योगिकी उद्योग जो प्रादेशिक संकेन्द्रित हैं आत्मनिर्भर एवं उच्च विशिष्टता लिए होते हैं। उन्हें प्रौद्योगिकी ध्रुव कहा जाता है। सेन फ्रांसिस्को के समीप सिलीकन घाटी एवं सिएटल के समीप सिलीकन वन प्रौद्योगिकी ध्रुव के अच्छे उदाहरण हैं।

भारत में उदाहरण के लिए बेंगलुरु एक उच्च प्रौद्योगिकी उद्योग का केन्द्र कहा जा सकता है क्योंकि यहाँ पर कम्प्यूटर उद्योग का तेजी से विकास हुआ है एवं यहाँ पर कम्प्यूटर व्यवसाय से जुड़ी कई कम्पनियों का संकेन्द्रण पाया जाता है। इसी प्रकार उच्च तकनीकी देशों में उनके कई शहरों में उच्च प्रौद्योगिकी उद्योगों का केन्द्र पाया जाता है।

उत्तर 18. 1. भारत में चाय की कृषि व उत्पादक क्षेत्र—चाय एक रोपण कृषि है जो पेय पदार्थ के रूप में प्रयोग की जाती है। यह उष्ण आर्द्र तथा उपोष्ण आर्द्र कटिबंधीय जलवायु वाले तरंगित भागों पर अच्छे अपवाह वाली मिट्टी में बोई जाती है। भारत चाय का अग्रणी उत्पादक देश है और विश्व की लगभग 21.22% चाय का उत्पादन करता है। चाय निर्यातक देशों में भारत का चीन के बाद विश्व में दूसरा स्थान (2018) है।

भारत में चाय की खेती 1840 में असम की ब्रह्मपुत्र घाटी में प्रारंभ हुई थी, जो आज भी देश का प्रमुख चाय उत्पादक क्षेत्र है। बाद में इसकी कृषि पश्चिम बंगाल के उपहिमालयी भागों (दार्जिलिंग, जलपाईगुड़ी तथा कूचबिहार जिलों) में प्रारंभ की गई। दक्षिण में चाय की खेती पश्चिमी घाट की नीलगिरी तथा इलाइची की पहाड़ियों के निचले ढालों पर की जाती है।

असम के कुल शस्य क्षेत्र के 53.2% भाग पर चाय की कृषि की जाती है। देश के कुल उत्पादन में आधे से अधिक भाग असम में उत्पादित होता है। चाय के अन्य महत्त्वपूर्ण उत्पादक राज्य पश्चिम बंगाल व तमिलनाडु हैं।

2. भारत में कॉफी की कृषि व उत्पादक क्षेत्र—कॉफी एक उष्ण कटिबंधीय रोपण कृषि है। इसके बीजों को भूनकर पीसा जाता है तथा एक पेय के रूप में प्रयोग किया जाता है। कॉफी की तीन किस्में हैं—अरेबिका, रोबस्टा व लिबेरिका। भारत अधिकतर उत्तम किस्म की 'अरेबिका कॉफी' का उत्पादन करता है, जिसकी अंतर्राष्ट्रीय बाजार में बहुत माँग है। परन्तु भारत में विश्व की केवल 3.17% कॉफी का ही उत्पादन होता है।

ब्राजील, वियतनाम, कोलंबिया, इंडोनेशिया, होंडुरास, इथियोपिया तथा पेरू के बाद भारत का विश्व में आठवाँ स्थान (2018) है। कर्नाटक, केरल व तमिलनाडु में

YouTube channel RK study point 99

पश्चिम घाट की उच्च भूमि पर इसकी कृषि की जाती है। देश के समस्त कॉफी उत्पादन का दो-तिहाई से अधिक भाग अकेले कर्नाटक राज्य में उत्पादित होता है।

अथवा का उत्तर

(1) अनियमित मानसून पर निर्भरता—भारतीय कृषि वर्तमान में भी मानसून पर निर्भर है। देश में कृषि क्षेत्र का केवल एक-तिहाई भाग ही सिंचित है, शेष कृषि क्षेत्र में फसलों का उत्पादन प्रत्यक्ष रूप से वर्षा पर ही निर्भर है। भारत में दक्षिण-पश्चिम मानसून की अनिश्चितता व अनियमितता से सिंचाई हेतु नहरी जल आपूर्ति भी प्रभावित होती है। वहीं दूसरी तरफ राजस्थान जैसे क्षेत्रों में वर्षा का औसत बहुत ही कम है।

(2) निम्न उत्पादकता—अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की अपेक्षा भारत में फसलों की उत्पादकता बहुत कम है। भारत में अधिकतर फसलों जैसे—चावल, गेहूँ, कपास व तिलहन की प्रति हेक्टेयर पैदावार अमेरिका, रूस तथा जापान से कम है। भूसंसाधनों पर अधिक दबाव के कारण अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की तुलना में भारत में श्रम उत्पादकता भी बहुत कम है।

(3) वित्तीय संसाधनों की बाध्यताएँ तथा ऋणग्रस्तता—आधुनिक कृषि में लागत बहुत आती है। सीमांत और छोटे किसानों की कृषि बचत बहुत कम या न के बराबर होती है। अतः वे सघन संसाधन दृष्टिकोण से की जाने वाली कृषि में निवेश करने में असमर्थ है। मानसून की अनियमितता एवं अन्य कारणों से कम होती आय तथा फसलों के खराब होने से ये किसान कर्ज के जाल में फंसते जाते हैं।

(4) भूमि सुधारों की कमी—भूमि के असमान वितरण के कारण भारतीय किसान लंबे समय से शोषित है। अंग्रेजी शासन के दौरान तीन भूराजस्व प्रणालियों—महालवाड़ी, रैयतवाड़ी तथा जमींदारी प्रथा में से जमींदारी प्रथा किसानों के लिए सबसे अधिक शोषणकारी थी। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् भूमि सुधारों को प्राथमिकता तो दी गई, परन्तु वह सुधार कमजोर राजनीतिक इच्छा शक्ति के कारण पूर्णतः सफल नहीं हो पाए।

खण्ड-य

उत्तर 19.

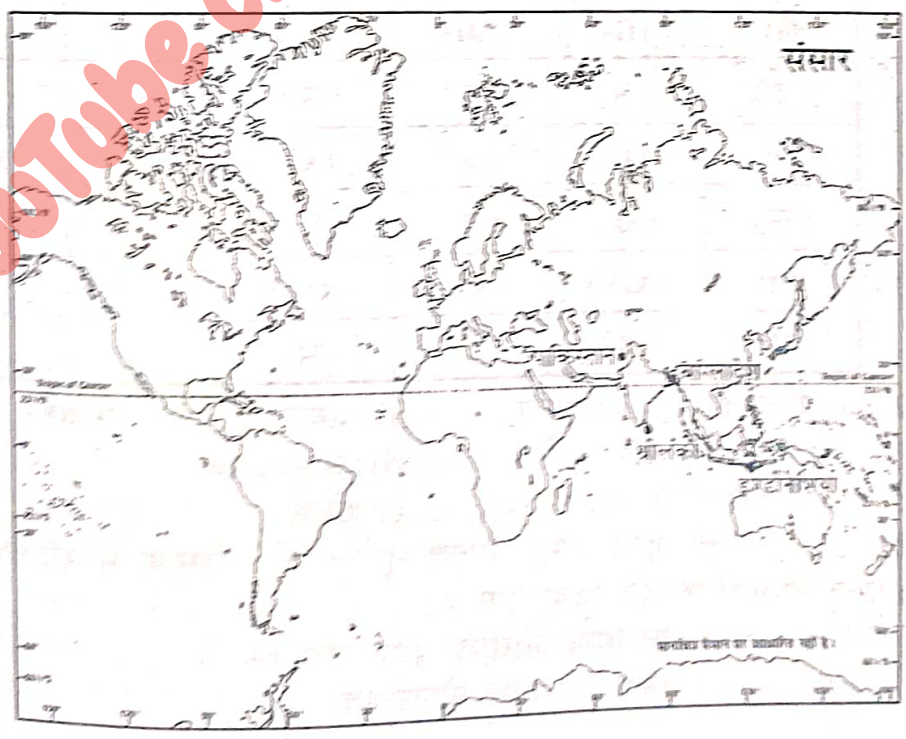

YouTube channel KK study point 99

मॉडल पेपर-6 (अभ्यासार्थ)
उच्च माध्यमिक परीक्षा-कक्षा 12
भूगोल

समय : 3 घण्टे 15 मिनट **पूर्णांक : 56**

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न-पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें।
2. सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें।
4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक-साथ ही लिखें।

खण्ड-अ

प्रश्न 1. नीचे दिये गये बहुविकल्पीय प्रश्नों के सही विकल्प का चयन कर उत्तर-पुस्तिका में लिखिए।

(i) मानव भूगोल का उपागम है- ½
(अ) प्रादेशिक विश्लेषण (ब) क्षेत्रीय विभेदन
(स) स्थानिक संगठन (द) उपरोक्त सभी

(ii) समय के दो अन्तरालों के बीच एक क्षेत्र विशेष में जनसंख्या में होने वाला परिवर्तन कहलाता है- ½
(अ) जनसंख्या वृद्धि (ब) लिंगानुपात (स) जन्म दर (द) मृत्यु दर

(iii) मानव विकास सूचकांक (HDI) निम्न में से किस क्षेत्र के निष्पादन के आधार पर तैयार किया जाता है? ½
(अ) स्वास्थ्य (ब) शिक्षा
(स) संसाधनों तक पहुँच (द) उपरोक्त सभी

(iv) निम्न में से कौनसी फसल रोपण विधि द्वारा नहीं उगाई जाती है- ½
(अ) चाय (ब) जौ (स) कॉफी (द) कोको

(v) निम्नलिखित में से कौनसा उद्योग रसायन आधारित उद्योग में शामिल नहीं है- ½
(अ) कृत्रिम रेशे बनाना (ब) प्लास्टिक निर्माण
(स) ताँबा प्रगलन (द) पेट्रो रसायन

(vi) उच्चस्तरीय सेवाओं में शामिल है- ½
(अ) संगीतकार (ब) वकील (स) अध्यापक (द) उपरोक्त सभी

(vii) पनामा नहर जिन सागरों को आपस में जोड़ती है, वे हैं- ½
(अ) अन्ध महासागर तथा हिन्द महासागर (ब) प्रशान्त महासागर तथा हिन्द महासागर
(स) अंध महासागर तथा प्रशान्त महासागर (द) भूमध्य सागर तथा लाल सागर

(viii) वे एकत्रण केन्द्र जहाँ विभिन्न देशों से निर्यात के लिए वस्तुएँ लाई जाती हैं, कहलाते हैं- ½
(अ) पैकेट पत्तन (ब) मार्ग पत्तन
(स) आंत्रपो पत्तन (द) तैल पत्तन

(ix) 22 अनुसूचित भाषाओं में से किस भाषा को बोलने वालो का वर्ग लघुत्तम है? ½
(अ) हिन्दी (ब) संस्कृत (स) तमिल (द) तेलुगु

(x) 2011 की जनगणना के अनुसार सर्वाधिक जनघनत्व वाला राज्य कौनसा है? ½
(अ) पश्चिमी बंगाल (ब) बिहार (स) तमिलनाडु (द) उत्तरप्रदेश

(xi) भारत में चाय की खेती सर्वप्रथम की गई थी- ½
(अ) असम की ब्रह्मपुत्र घाटी में (ब) दार्जिलिंग में
(स) नीलगिरी पहाड़ियों में (द) जलपाईगुडी में

YouTube channel RK study point 99

(xii) किस राज्य में घरों में जल संग्रहण संरचना को बनाना आवश्यक कर दिया है? ½
(अ) राजस्थान (ब) मध्यप्रदेश (स) तमिलनाडु (द) बिहार

(xiii) निम्नलिखित में से कौनसा ऊर्जा का अनवीकरणीय स्रोत है? ½
(अ) जल (ब) सौर (स) ताप (द) पदन

(xiv) पवन हंस कौनसी सेवा प्रदान करता है? ½
(अ) जहाज सेवा (ब) हेलीकॉप्टर सेवा
(स) रेल सेवा (द) सड़क परिवहन सेवा

(xv) ज्वारीय पत्तन किस नदी पर स्थित है? ½
(अ) गंगा (ब) हुगली (स) ब्रह्मपुत्र (द) दामोदर

(xvi) डेसीबल में किस प्रदूषण का मापन किया जाता है? ½
(अ) जल प्रदूषण (ब) वायु प्रदूषण
(स) ध्वनि प्रदूषण (द) भू-प्रदूषण

उत्तर–

(i)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)	(vi)	(vii)	(viii)
(ix)	(x)	(xi)	(xii)	(xiii)	(xiv)	(xv)	(xvi)

प्रश्न 2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(i) जनसंख्या वृद्धि को ..... में व्यक्त किया जाता है। ½

उत्तर– .....

(ii) ..... उद्योग निर्माण की सबसे छोटी इकाई है। ½

उत्तर– .....

(iii) परिवहन की माँग ..... के आकार से प्रभावित होती है। ½

उत्तर– .....

(iv) ..... योजक और वाहन उपलब्ध करता है जिसके माध्यम से व्यापार संभव होता है। ½

उत्तर– .....

(v) व्यापार की गई वस्तुओं का ..... तौल परिमाण कहलाता है। ½

उत्तर– .....

(vi) विरल रूप से अवस्थित छोटी बस्तियाँ, जो कृषि अथवा अन्य प्राथमिक क्रियाकलापों में विशिष्टता प्राप्त कर लेती हैं ..... कहलाती हैं। ½

उत्तर– .....

(vii) साझा सम्पति संसाधन को ..... प्राकृतिक संसाधन भी कहा जाता है। ½

उत्तर– .....

YouTube channel RK study point 99

(viii) जल संभर प्रबन्धन मुख्य रूप से ..... और भौम जल-संसाधनों के दक्ष प्रबंधन से है। ½

उत्तर– .....

(ix) ..... में ट्राम्बे परमाणु ऊर्जा संस्थान की स्थापना की गई। ½

उत्तर– .....

(x) विकास की संकल्पना ..... है। ½

उत्तर– .....

प्रश्न 3. अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–

(i) रैटजेल के द्वारा दी गई मानव भूगोल की परिभाषा में किस पर जोर दिया गया है? 1

उत्तर– .....

.....

(ii) जापान का कौनसा औद्योगिक प्रदेश घना बसा है? 1

उत्तर– .....

(iii) मानव विकास के कोई दो स्तम्भों के नाम बताइये। 1

उत्तर– .....

(iv) विश्व में सबसे अधिक प्रयोग में लाया जाने वाला जल मार्ग कौनसा है? 1

उत्तर– .....

.....

(v) सिलिकन घाटी कहाँ स्थित है? 1

उत्तर– .....

.....

(vi) भारत में कौनसी किस्म का कोयला प्रमुख रूप से मिलता है? 1

उत्तर– .....

(vii) अम्लीय वर्षा का मुख्य कारण क्या है? 1

उत्तर– .....

.....

खण्ड-ब

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

प्रश्न 4. प्रौद्योगिकी को विकसित करने के लिए प्रकृत्ति का ज्ञान महत्त्वपूर्ण है। कोई तीन उदाहरण द्वारा स्पष्ट कीजिए। 1½

उत्तर– .....

.....

YouTube channel RK study point 99

प्रश्न 5. जल की उपलब्धता किस प्रकार जनसंख्या घनत्व का प्रभावित करती है? उदाहरण सहित समझाइये। 1½

उत्तर–

प्रश्न 6. झूमिंग से क्या अभिप्राय है? स्पष्ट कीजिए। 1½

उत्तर–

प्रश्न 7. यूरोप का सबसे महत्त्वपूर्ण औद्योगिक संकुल कौनसा है तथा क्यों? 1½

उत्तर–

प्रश्न 8. साइबर स्पेस इंटरनेट का विश्लेषणात्मक अध्ययन कीजिए। 1½

उत्तर–

YouTube channel RK study point 99

प्रश्न 9. भारत में भाषाई संघटन पर टिप्पणी लिखिए। 1½
उत्तर–

प्रश्न 10. उत्तरी-पूर्वी भारत में घरों की रुपरेखा का प्रारुप किस प्रकार का पाया जाता है? 1½
उत्तर–

प्रश्न 11. भारतमाला योजना के प्रमुख लक्ष्य/उद्देश्य बताइए। 1½
उत्तर–

प्रश्न 12. चेन्नई बन्दरगाह की विशेषताएँ बताइए। 1½
उत्तर–

YouTube channel RK study point 99

प्रश्न 13. वायु प्रदूषण के प्रमुख स्रोत बताइए। 1½

उत्तर–

खण्ड-स

दीर्घउत्तरीय प्रश्न–

प्रश्न 14. कुटीर उद्योगों की प्रमुख विशेषताएँ बताइये। 3

अथवा

स्वामित्व के आधार पर उद्योगों के प्रकार बताइए।

उत्तर–

प्रश्न 15. भारत के मुख्य तीन तेल क्षेत्रों का वर्णन कीजिए। 3

अथवा

भारत में निम्न खनिज पट्टियों पर टिप्पणी लिखिए।

(1) उत्तर-पूर्वी पठारी प्रदेश (2) दक्षिण पश्चिमी पठारी प्रदेश

उत्तर–

YouTube channel RK study point 99

प्रश्न 16. भारतीय राष्ट्रीय जल नीति 2002 की किन्हीं तीन मुख्य विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। 3

अथवा

जल संभर विकास से संबंधित किन्हीं तीन परियोजनाओं के बारे में लिखिए।

उत्तर–

खण्ड-द

निबन्धात्मक प्रश्न–

प्रश्न 17. आधुनिक आर्थिक विकास में सेवा सेक्टर की सार्थकता और वृद्धि की चर्चा कीजिए। 4

अथवा

'पर्यटन के आकर्षण' पर एक लेख लिखिए।

YouTube channel RK Study point 99

उत्तर–

प्रश्न 18. देश में जल संसाधनों की उपलब्धता की विवेचना कीजिए और इसके स्थानिक विवरण के लिए उत्तरदायी कारक बताइए। 4

अथवा

जल संभर प्रबंधन क्या है? क्या आप सोचते हैं कि यह सतत् पोषणीय विकास में एक महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकता है?

उत्तर–

YouTube Channel RK study point 99

खण्ड-य

प्रश्न 19. दिए गए विश्व के रेखा मानचित्र में निम्नांकित नगरों को दर्शाइए– 2

(i) टोरंटो (ii) तिब्बत (iii) शंघाई (iv) सैंटिआगो

उत्तर–

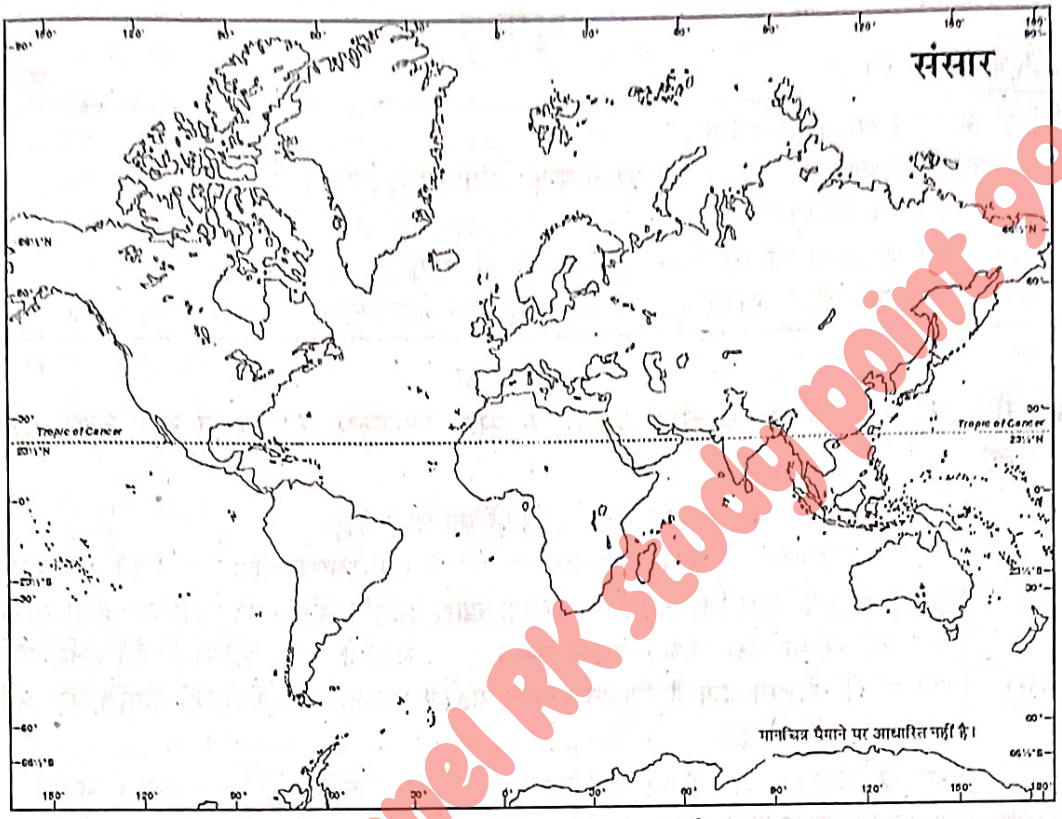

प्रश्न 20. दिए गए भारत के रेखा मानचित्र में निम्न पत्तनों को दर्शाइए– 2

(i) तूतीकोरिन (ii) पारादीप (iii) कांडला (iv) न्यू मंगलोर

उत्तर–

दिनांक ..... प्राप्तांक ..... ह. अध्यापक .....

पूर्णांक-56

YouTube Channel RK Study Point 99

मॉडल पेपर-7 (अभ्यासार्थ)

उच्च माध्यमिक परीक्षा–कक्षा 12

भूगोल

समय : 3 घण्टे 15 मिनट पूर्णांक : 56

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न-पत्र पर नामांक अनिवार्यत: लिखें।
2. सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें।
4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक-साथ ही लिखें।

खण्ड-अ

प्रश्न 1. नीचे दिये गये बहुविकल्पीय प्रश्नों के सही विकल्प का चयन कर उत्तर-पुस्तिका में लिखिए।

(i) किस विचारधारा के अनुसार मनुष्य प्रकृति का दास है– ½
(अ) नियतिवाद (ब) सम्भववाद (स) व्यवहारवाद (द) मानवतावाद

(ii) किस विद्वान ने कहा कि लोगों की संख्या खाद्य आपूर्ति की अपेक्षा अधिक तेजी से बढ़ेगी? ½
(अ) थॉमस माल्थस (ब) एडम स्मिथ (स) जे. एम. कीन्स (द) इनमें से कोई नहीं

(iii) निम्न में से कौनसा देश है जिसने सकल राष्ट्रीय प्रसन्नता को देश की प्रगति का आधिकारिक माप घोषित किया है– ½
(अ) ब्राजील (ब) श्रीलंका (स) टोबैगो (द) भूटान

(iv) सिनकोना नामक वृक्ष की छाल से प्राप्त होती है– ½
(अ) रबड़ (ब) कुनैन (स) बलाटा (द) गोंद

(v) उद्योगों की स्थिति को प्रभावित करने वाला कारक है– ½
(अ) बाजार तक अभिगम्यता (ब) कच्चे माल की प्राप्ति
(स) श्रम आपूर्ति (द) उपरोक्त सभी

(vi) वे काम जिनमें उच्च परिमाण और स्तर वाले अन्वेषण सम्मिलित होते हैं, कहलाते हैं– ½
(अ) द्वितीयक क्रियाकलाप (ब) पंचम क्रियाकलाप
(स) चतुर्थक क्रियाकलाप (द) प्राथमिक क्रियाकलाप

(vii) पारमहाद्वीपीय स्टुवर्ट महामार्ग किनके मध्य से गुजरता है? ½
(अ) डार्विन और मेलबोर्न (ब) एडमंटन और एंकारेज
(स) वैंकूवर और सेंट जॉन नगर (द) चेगडू और ल्हासा

(viii) विश्व का सबसे बड़ा स्थलरुद्ध पत्तन है– ½
(अ) मुम्बई (ब) कांडला
(स) सैन-फ्रांसिस्को (द) लंदन

(ix) भारत में ऋणात्मक जनसंख्या वृद्धि किस दशक में रही? ½
(अ) 1901-1911 (ब) 1911-1921
(स) 1951-1961 (द) 1981-1991

(x) भारत सरकार ने किस वर्ष कौशल विकास एवं उद्यमिता हेतु नीति बनाई? ½
(अ) वर्ष 2011 (ब) वर्ष 2013 (स) वर्ष 2015 (द) वर्ष 2021

YouTube channel My study point 99

(xi) निम्न में से कौनसी जायद की फसल नहीं है? ½
(अ) तरबूज (ब) सब्जियाँ (स) ज्वार (द) खीरा

(xii) निम्न में से कौनसी नदी पश्चिमी प्रवाह की नदी नहीं है? ½
(अ) नर्मदा (ब) महानदी (स) तापी (द) गोमती

(xiii) सर्वाधिक लौह अयस्क भण्डार किस राज्य में पाए जाते हैं? ½
(अ) उड़ीसा (ब) कर्नाटक (स) झारखण्ड (द) छत्तीसगढ़

(xiv) भारतीय राष्ट्रीय महामार्ग प्राधिकरण की शुरुआत कब हुई थी? ½
(अ) 1961 (ब) 1976 (स) 1985 (द) 1995

(xv) न्यू मंगलौर पत्तन से मुख्यतया किसका निर्यात किया जाता है? ½
(अ) लौह–अयस्क (ब) अभ्रक (स) ताँबा (द) कोयला

(xvi) निम्न में से किससे भू-निम्नीकरण होता है? ½
(अ) मृदा अपरदन (ब) लवणता (स) भू-क्षारता (द) उपर्युक्त सभी

उत्तर–

(i)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)	(vi)	(vii)	(viii)
(ix)	(x)	(xi)	(xii)	(xiii)	(xiv)	(xv)	(xvi)

प्रश्न 2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(i) प्रवासी जो किसी नए स्थान पर जाते हैं ..... कहलाते हैं। ½

उत्तर– .....

(ii) प्राथमिक कार्यकलाप करने वाले लोग उनका कार्य क्षेत्र घर से बाहर होने के कारण ..... श्रमिक कहलाते हैं। ½

उत्तर– .....

(iii) सन्तुलित आर्थिक विकास हेतु सरकार ..... नीति अपनाती है जिसके अन्तर्गत विशिष्ट क्षेत्रों में उद्योगों की स्थापना की जाती है। ½

उत्तर– .....

(iv) परिवहन में क्रान्ति अठारहवीं शताब्दी में ..... के बाद आई। ½

उत्तर– .....

(v) ..... समुद्री तट से दूर उपस्थित होते हैं। ½

उत्तर– .....

(vi) वर्तमान में भारत में किशोरों अर्थात् 10-19 आयु वर्ग का अंश ..... प्रतिशत है। ½

उत्तर– .....

(vii) भारत का चावल उत्पादन में विश्व में ..... स्थान है। ½

उत्तर– .....

YouTube channel RK study point 99

(viii) जलसंभर प्रबंधन के लिए 'अरवारी पानी संसद कार्यक्रम' राजस्थान के .... जिले में चलाया गया। ½

उत्तर– ....

(ix) खनिजों की गुणवत्ता एवं मात्रा के बीच .... संबंध पाया जाता है। ½

उत्तर– ....

(x) विश्व पर्यावरण आयोग ने अपनी रिपोर्ट .... 1987 में प्रस्तुत की। ½

उत्तर– ....

प्रश्न 3. अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–

(i) 1930 से 1960 के दशकों में मानव भूगोल में कौन-कौनसे उपागम प्रयोग में लाए गए? 1

उत्तर– ....

....

(ii) जनसंख्या की वास्तविक वृद्धि किस प्रकार ज्ञात की जाती है? 1

उत्तर– ....

(iii) निम्न सूचकांक मूल्य वाले देशों में मानव विकास सूचकांक का स्कोर कितना पाया जाता है? 1

उत्तर– ....

....

(iv) विश्व में वाणिज्य पशुधन पालन कौन-कौनसे देश में किया जाता है? 1

उत्तर– ....

....

(v) विकाशील देशों में अंकीय विभाजक को कम करने हेतु एक सुझाव दीजिए। 1

उत्तर– ....

....

(vi) इंदिरा गांधी नहर किन-किन राज्यों से गुजरती है? 1

उत्तर– ....

(vii) भारत की दो सर्वाधिक प्रदूषित नदियों के नाम बताइए। 1

उत्तर– ....

खण्ड-ब

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

प्रश्न 4. पर्यावरण के निश्चयवाद से आप क्या समझते हैं? 1½

उत्तर– ....

....

YouTube channel RK study point 99

प्रश्न 5. मानव विकास सूचकांक के आधार पर देशों का वर्गीकरण किस प्रकार किया जाता है? 1½

उत्तर–

प्रश्न 6. पर्यटन प्रदेश पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। 1½

उत्तर–

प्रश्न 7. जल परिवहन के क्या लाभ हैं? 1½

उत्तर–

प्रश्न 8. प्रादेशिक व्यापार समूहों का क्या उद्देश्य है? 1½

उत्तर–

YouTube channel RK study point 99

.....

.....

.....

प्रश्न 9. भारत सरकार की युवा नीति का संक्षेप में वर्णन कीजिए। 1½

उत्तर– .....

.....

.....

.....

.....

.....

प्रश्न 10. परिवहन नगर किसे कहते हैं? 1½

उत्तर– .....

.....

.....

.....

.....

प्रश्न 11. कोंकण रेलवे की विशेषता बताइए। 1½

उत्तर– .....

.....

.....

.....

.....

.....

प्रश्न 12. कोच्चि बन्दरगाह पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। 1½

उत्तर– .....

.....

.....

.....

.....

.....

YouTube channel RK study point 99

प्रश्न 13. आधुनिक कृषि जल प्रदूषण हेतु किस प्रकार उत्तरदायी है? समझाइये। 1½

उत्तर– .....

.....

.....

.....

.....

.....

खण्ड-स

दीर्घउत्तरीय प्रश्न–

प्रश्न 14. मिश्रित कृषि की प्रमुख विशेषताएँ बताइए। 3

अथवा

डेयरी कृषि की प्रमुख विशेषताएँ बताइए।

उत्तर– .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्रश्न 15. जैव ऊर्जा पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। 3

अथवा

खनिज संसाधनों के संरक्षण के विषय में लिखिए।

उत्तर– .....

.....

.....

.....

YouTube channel RK study point 99

प्रश्न 16. कृषि योग्य व्यर्थ भूमि, वर्तमान परती भूमि एवं पुरातन परती भूमि को स्पष्ट कीजिए। 3

अथवा

भारत में भूमि बचत प्रौद्योगिकी विकसित करना क्यों आवश्यक है? समझाइये।

उत्तर–

खण्ड-द

निबन्धात्मक प्रश्न–

प्रश्न 17. चलवासी पशुचारण और वाणिज्य पशुधन पालन में अन्तर कीजिए। 4

अथवा

सहकारी कृषि तथा सामूहिक कृषि में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर–

YouTube channel RK study point 99

प्रश्न 18. भारत में उत्पादित किन्हीं दो मोटे अनाजों का वर्णन कीजिए। 4

अथवा

भारत में खाद्यान्न फसल चावल एवं गेहूँ की कृषि तथा उसके उत्पादक क्षेत्रों के विषय में लिखिए।

उत्तर–

YouTube channel RK study point 99

खण्ड–य

प्रश्न 19. दिए गए विश्व रेखा मानचित्र में निम्न नगरों/केन्द्रों को दर्शाइए– 2

(i) बीजिंग (ii) जोहान्सबर्ग (iii) पेरू (iv) कैनबरा

उत्तर–

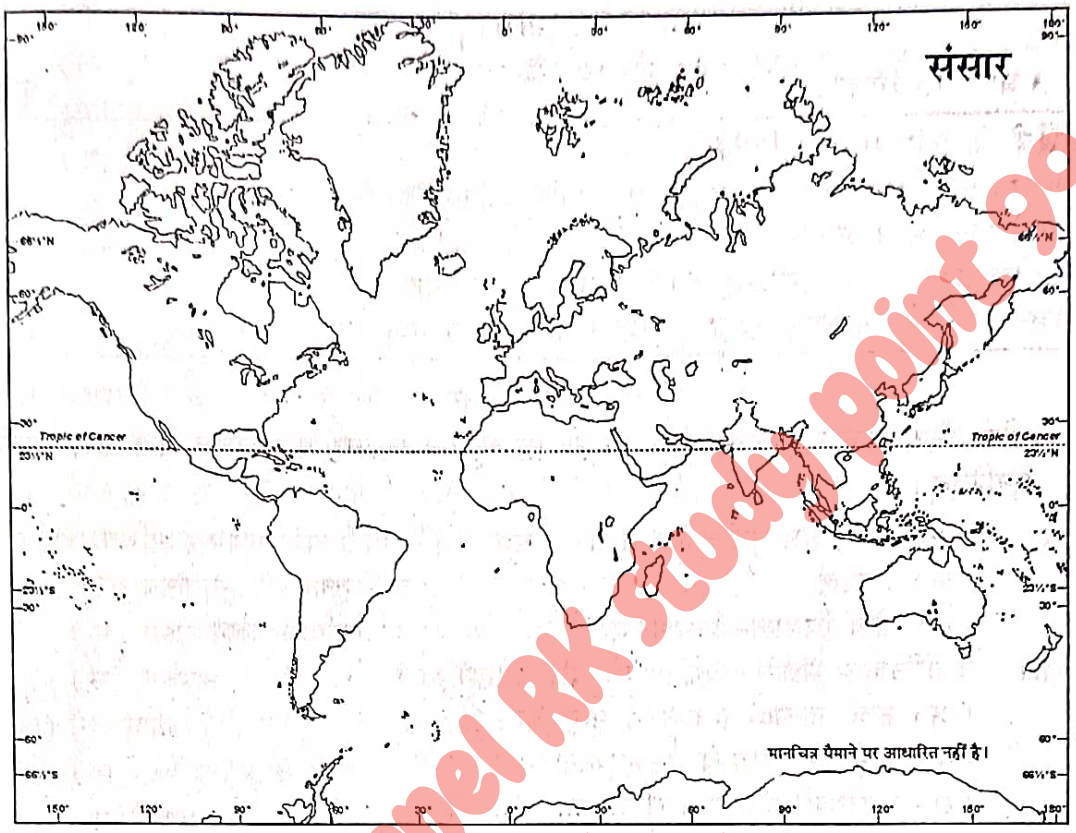

प्रश्न 20. दिए गए भारत के रेखा मानचित्र में निम्नांकित तेल शोधक कारखानों को अंकित कीजिए– 2

(i) जामनगर (ii) मथुरा (iii) नागापट्टिनम (iv) हल्दिया

उत्तर–

दिनांक ..... प्राप्तांक ..... ह. अध्यापक .....

पूर्णांक–56

YouTube channel RK study point 99

मॉडल पेपर-8 (अभ्यासार्थ)

उच्च माध्यमिक परीक्षा–कक्षा 12

भूगोल

समय : 3 घण्टे 15 मिनट पूर्णांक : 56

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न-पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें।
2. सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें।
4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक-साथ ही लिखें।

खण्ड-अ

प्रश्न 1. नीचे दिये गये बहुविकल्पीय प्रश्नों के सही विकल्प का चयन कर उत्तर-पुस्तिका में लिखिए।

(i) निम्न में से किस भूगोलवेत्ता ने मानव भूगोल की अपनी संश्लेषण पर अधिक जोर दिया है? ½
(अ) रैटजेल (ब) एलन सी. सैम्पल
(स) पॉल विडाल-डी-लॉ-ब्लाश (द) ग्रिफिथ टेलर

(ii) जनांकिकीय संक्रमण की प्रथम अवस्था संबंधित है– ½
(अ) उच्च जन्मदर एवं उच्च मृत्यु-दर
(ब) जन्म दर समय के साथ घटना
(स) जनसंख्या मद गति से बढ़ना
(द) मृत्यु दर में कमी आना

(iii) मानव विकास का प्रमुख घटक है– ½
(अ) समता (ब) सतत् पोषणीयता
(स) उत्पादकता (द) उपरोक्त सभी

(iv) निम्न में से किस प्रकार की कृषि में खट्टे रसदार फलों की कृषि की जाती है? ½
(अ) बाजारीय सब्जी कृषि (ब) भूमध्यसागरीय कृषि
(स) रोपण वृद्धि (द) सहकारी कृषि

(v) कृत्रिम रेशों का उद्योग जिस प्रकार का उद्योग है, वह है– ½
(अ) जीव आधारित (ब) रासायनिक
(स) खनिज आधारित (द) कृषि आधारित

(vi) 'स्वर्ण कॉलर' कहे जाने वाले क्रियाकलाप किस क्षेत्र के अन्तर्गत आते हैं? ½
(अ) पंचम क्षेत्र (ब) चतुर्थक क्षेत्र
(स) तृतीयक क्षेत्र (द) द्वितीयक क्षेत्र

(vii) निम्न में से पार-महाद्वीपीय रेलमार्ग है– ½
(अ) संघ और प्रशान्त रेलमार्ग (ब) ओरिएंट एक्सप्रेस
(स) आस्ट्रेलियाई पारमहाद्वीपीय रेलमार्ग (द) उपरोक्त सभी

(viii) कोच्चि तथा कारवाड़ भारत में किस प्रकार के पत्तनों का उदाहरण है– ½
(अ) आंत्रपो पत्तन (ब) पैकेट स्टेशन
(स) नौ सेना पत्तन (द) मार्ग पत्तन

YouTube channel rk study point 99

(ix) देश में जनगणना 2011 के अनुसार सबसे कम जनसंख्या घनत्व किसका है? ½
(अ) महाराष्ट्र (ब) अरुणाचल प्रदेश
(स) राजस्थान (द) केरल

(x) भारत में लगभग कितने प्रतिशत जनसंख्या गाँवों में निवास करती है? ½
(अ) 22.2 प्रतिशत (ब) 31.2 प्रतिशत (स) 34.2 प्रतिशत (द) 42.2 प्रतिशत

(xi) सूरजमुखी निम्न में से कौन-सी फसल है? ½
(अ) खाद्यान्न फसल (ब) तिलहन फसल
(स) दलहन फसल (द) मोटा अनाज

(xii) भारत की बहुउद्देशीय नदी घाटी परियोजना है– ½
(अ) दामोदर घाटी परियोजना (ब) इंदिरा गांधी नहर परियोजना
(स) नागार्जुन सागर परियोजना (द) उपरोक्त सभी

(xiii) मध्यप्रदेश का सिंगरौली किसके उत्पादन के लिए प्रसिद्ध है? ½
(अ) कोयला (ब) ताँबा (स) जिंक (द) निकल

(xiv) नेशनल रिमोट सेसिंग सेन्टर (NRSC) कहाँ स्थित है? ½
(अ) हैदराबाद (ब) दिल्ली (स) चेन्नई (द) मुम्बई

(xv) भारत की आयातक वस्तु है– ½
(अ) पेट्रोलियम एवं उत्पाद (ब) मोती एवं बहुमूल्य रत्न
(स) उर्वरक (द) उपरोक्त सभी

(xvi) निम्नलिखित में कौनसा रोग जल जन्य है? ½
(अ) नेत्र श्लेष्मला शोध (ब) अतिसार
(स) श्वसन संक्रमण (द) श्वासनली शोध

उत्तर–

(i)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)	(vi)	(vii)	(viii)
(ix)	(x)	(xi)	(xii)	(xiii)	(xiv)	(xv)	(xvi)

प्रश्न 2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(i) प्रवासी जो एक स्थान से बाहर चले जाते हैं ..... कहलाते हैं। ½
उत्तर– .....

(ii) ..... पशुधन पालन पश्चिमी संस्कृति से प्रभावित है। ½
उत्तर– .....

(iii) सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योग ..... के अधीन होते हैं। ½
उत्तर– .....

(iv) भारत का ..... विश्व के लोकप्रिय पर्यटन गंतव्य स्थानों में से है। ½
उत्तर– .....

(v) ..... से GATT को विश्व व्यापार संगठन (WTO) में रूपान्तरित कर दिया गया। ½
उत्तर– .....

Youtube channel RK study point 99

(vi) आर्थिक स्तर की वृद्धि से भारत की जनसंख्या को .... वर्गों में बाँटा गया है। ½

उत्तर– ....

(vii) बस्तियों का प्रकार निर्मित क्षेत्र के .... और अन्तर्वास दूरी द्वारा निर्धारित होता है। ½

उत्तर– ....

(viii) यमुना भारत की सर्वाधिक प्रदूषित .... है। ½

उत्तर– ....

(ix) लौह अयस्क के प्रगलन के लिए .... एक महत्त्वपूर्ण कच्चा माल है। ½

उत्तर– ....

(x) सामान्यतः नियोजन के दो उपागम हैं : खंडीय और .... ½

उत्तर– ....

प्रश्न 3. अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–

(i) अनुकूलन से क्या अभिप्राय है? 1

उत्तर– ....

....

(ii) राल्फ वाल्डो इमरसन के अनुसार एक राष्ट्र मजबूत और महान् किस प्रकार बनता है? 1

उत्तर– ....

....

(iii) मानव विकास सूचकांक सर्वाधिक विश्वसनीय माप क्यों नहीं है? कोई दो कारण बताइए। 1

उत्तर– ....

....

(iv) कोलखहोज क्या है? 1

उत्तर– ....

(v) किन्हीं दो उच्चस्तरीय सेवाओं के नाम बताइये। 1

उत्तर– ....

(vi) भारत का पहला परमाणु (नाभिकीय) शक्ति केन्द्र कहाँ लगाया गया था? 1

उत्तर– ....

....

(vii) धूम्र कोहरा (smog) किसे कहते हैं? 1

उत्तर– ....

....

YouTube channel RK study point 99

खण्ड-ब

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

प्रश्न 4. आप के अनुसार 'नव निश्चयवाद' का क्या महत्व है? 1½

उत्तर–

प्रश्न 5. डॉ. महबूब-उल-हक द्वारा प्रतिपादित मानव विकास अवधारणा का वर्णन कीजिए। 1½

उत्तर–

प्रश्न 6. रोपण कृषि की प्रमुख विशेषताएँ क्या है? 1½

उत्तर–

प्रश्न 7. स्वच्छन्द उद्योगों की प्रमुख विशेषताएँ बताइए। 1½

उत्तर–

YouTube channel RK study point 99

....

....

प्रश्न 8. जाल तंत्र, नोड तथा योजक में अन्तर स्पष्ट कीजिए। 1½

उत्तर– ....

....

....

....

....

....

प्रश्न 9. जनसंख्या की दृष्टि से भारत की विश्व में स्थिति बतलाइये। 1½

उत्तर– ....

....

....

....

....

....

प्रश्न 10. भारत में परिक्षिप्त (एकाकी) बस्तियों का संक्षिप्त वर्णन कीजिए। 1½

उत्तर– ....

....

....

....

....

....

प्रश्न 11. कडरल क्या है? लिखिए। 1½

उत्तर– ....

....

....

....

....

YouTube channel RK study point 99

प्रश्न 12. भारत के कांडला बंदरगाह की कोई तीन विशेषताएँ लिखिए। 1½

उत्तर–

प्रश्न 13. भारत में नगरीय अपशिष्ट का निपटारा किस प्रकार किया जाता है? 1½

उत्तर–

खण्ड-स

दीर्घउत्तरीय प्रश्न–

प्रश्न 14. भारत में चिकित्सा पर्यटन को बढ़ाने के लिए क्या प्रयास किए जाने चाहिए? 3

अथवा

फुटकर व्यापार का विश्लेषण कीजिए।

उत्तर–

YouTube channel RK study point 99

प्रश्न 15. भारत में तीन प्रमुख लौह अयस्क क्षेत्रों का वर्णन कीजिए। 3

अथवा

सौर ऊर्जा पर संक्षिप्त लेख लिखिए।

उत्तर–

प्रश्न 16. जल संरक्षण क्यों आवश्यक है? इसके क्या उपाय हो सकते हैं? 3

अथवा

प्रायद्वीपीय भारत की तुलना में विशाल मैदानों में सिंचाई अधिक विकसित क्यों है?

उत्तर–

YouTube channel RK study point 99

खण्ड-द

निबन्धात्मक प्रश्न–

प्रश्न 17. ''एक सुप्रबन्धित परिवहन प्रणाली में विभिन्न साधन एक दूसरे की संपूरक होती है।'' इस कथन को स्पष्ट कीजिए। 4

अथवा

स्वेज नहर तथा पनामा नहर की तुलना कीजिए।

उत्तर–

YouTube channel RK study point 99

प्रश्न 18. भारत में जल विद्युत पर एक निबन्ध लिखिए। 4

अथवा

भारत के प्रमुख लौह खनिज 'लौह-अयस्क' का वर्णन कीजिए।

उत्तर–

YouTube channel RK study point 99

खण्ड-य

प्रश्न 19. दिए गए विश्व के रेखा मानचित्र में निम्नांकित नगरों को दर्शाइए– 2

(i) ताइवान (ii) पर्थ (iii) वाशिंगटन डी.सी. (iv) स्वीडन

उत्तर–

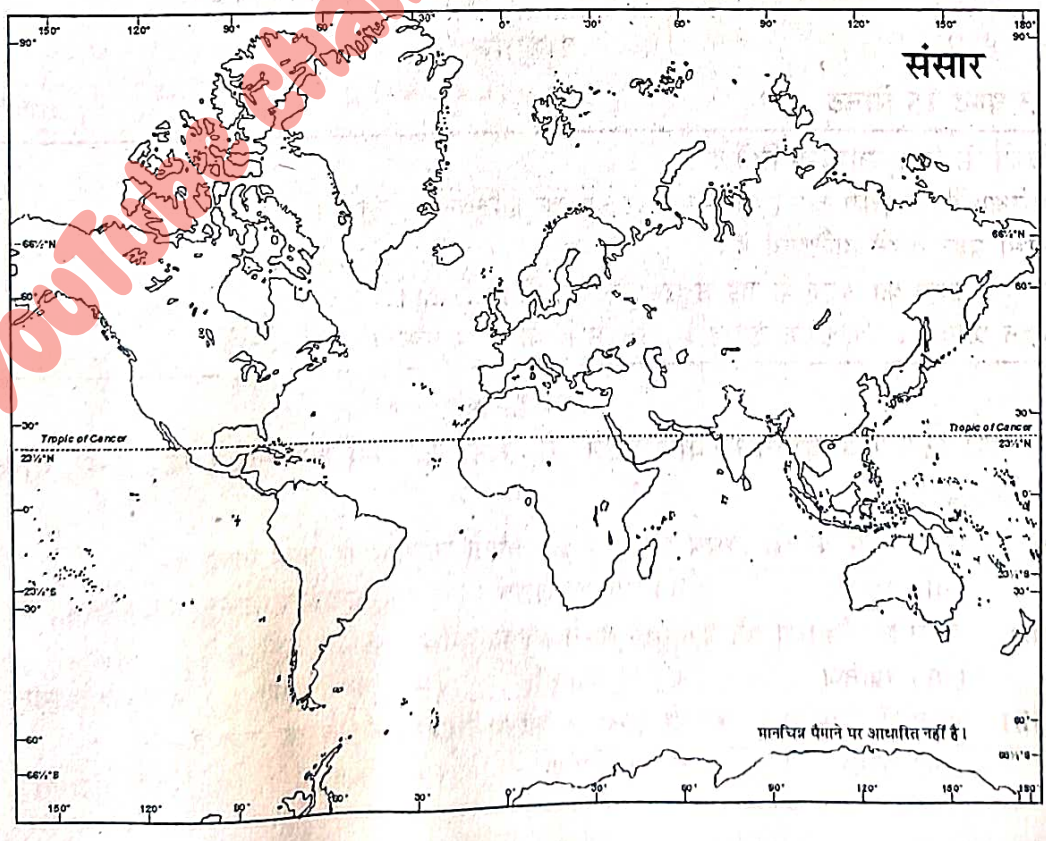

YouTube Channel RK study point 99

प्रश्न 20. दिए गए भारत के रेखा मानचित्र में निम्न महानगरीय शहरों को दर्शाइए– 2

(i) हैदराबाद (ii) लखनऊ (iii) अहमदाबाद (iv) अमृतसर

उत्तर–

दिनांक ..... प्राप्तांक ..... ह. अध्यापक .....

पूर्णांक–56

मॉडल पेपर–9 (अभ्यासार्थ)

उच्च माध्यमिक परीक्षा–कक्षा 12

भूगोल

समय : 3 घण्टे 15 मिनट पूर्णांक : 56

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न-पत्र पर नामांक अनिवार्यत: लिखें।
2. सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें।
4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक-साथ ही लिखें।

खण्ड-अ

प्रश्न 1. नीचे दिये गये बहुविकल्पीय प्रश्नों के सही विकल्प का चयन कर उत्तर-पुस्तिका में लिखिए।

(i) निम्न में से कौनसे विषय को ज्ञान की जननी के नाम से जाना जाता है– ½

(अ) भूगोल (ब) समाज शास्त्र (स) राजनीति शास्त्र (द) अर्थशास्त्र

(ii) जनसंख्या वितरण को प्रभावित करने वाला आर्थिक कारक नहीं है– ½

(अ) खनिज (ब) भू-आकृति (स) नगरीकरण (द) औद्योगीकरण

(iii) भारत में निम्न में से कौनसे राज्य के मानव विकास सूचकांक उच्च है– ½

(अ) पंजाब (ब) हरियाणा (स) केरल (द) गुजरात

YouTube channel RK study point 99

(iv) नीदरलैण्ड किस पुष्प की खेती में विश्व में विशिष्ट स्थान रखता है? ½
(अ) ट्यूलिप (ब) गुलाब (स) कमल (द) गेंदा

(v) एल्यूमिनियम उद्योग निम्न में से जिस कारक के निकट स्थापित किया जाता है, वह है– ½
(अ) बाजार (ब) कच्चा माल (स) कुशल श्रम (द) ऊर्जा

(vi) उत्पादन और विनिमय दोनों सम्मिलित होते हैं– ½
(अ) प्राथमिक क्रियाकलाप में (ब) द्वितीयक क्रियाकलाप में
(स) तृतीयक क्रियाकलाप में (द) उपर्युक्त सभी में

(vii) चैनल टनल जोड़ता है– ½
(अ) लंदन-बर्लिन (ब) बर्लिन-पेरिस
(स) पेरिस-लंदन (द) बार्सीलोना-बर्लिन

(viii) आसियान का मुख्यालय है– ½
(अ) जकार्ता (ब) बीजिंग (स) जिनेवा (द) न्यूयार्क

(ix) भारत में सर्वाधिक क्षेत्रफल वाला राज्य कौनसा है? ½
(अ) उत्तरप्रदेश (ब) मध्यप्रदेश (स) राजस्थान (द) बिहार

(x) भारत में विश्व की कुल जनसंख्या का लगभग कितने प्रतिशत भाग निवास करता है? ½
(अ) 11.5 प्रतिशत (ब) 14.5 प्रतिशत (स) 17.5 प्रतिशत (द) 21.2 प्रतिशत

(xi) जायद फसल की समयावधि है– ½
(अ) जून से सितम्बर (ब) अक्टूबर से मार्च
(स) अप्रैल से जून (द) नवम्बर से जनवरी

(xii) प्रदूषण का निवारण एवं नियंत्रण संबंधी जल अधिनियम कब बनाया गया था? ½
(अ) 1964 में (ब) 1974 में (स) 1984 में (द) 1994 में

(xiii) परमाणु ऊर्जा आयोग की स्थापना की गई– ½
(अ) 1948 (ब) 1958 (स) 1968 (द) 1978

(xiv) देश में सीमा सड़क संगठन कब बनाया गया था? ½
(अ) 1960 (ब) 1970 (स) 1980 (द) 1990

(xv) निम्न में कौनसा बन्दरगाह कृत्रिम बन्दरगाह नहीं है– ½
(अ) कांडला (ब) पारादीप (स) विशाखापट्टनम (द) चेन्नई

(xvi) गंगा नदी में कानपुर के निकट प्रदूषण का साधन क्या है? ½
(अ) चमड़ा उद्योग (ब) कागज उद्योग (स) गैस (द) वस्त्र उद्योग

उत्तर–

(i)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)	(vi)	(vii)	(viii)
(ix)	(x)	(xi)	(xii)	(xiii)	(xiv)	(xv)	(xvi)

प्रश्न 2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(i) जीवन व सम्पत्ति की सुरक्षा तथा काम के बेहतर अवसर प्रवास के ..... कारक हैं। ½

उत्तर– .....

YouTube channel RK study point 99

(ii) सहकारी आंदोलन को सबसे अधिक सफलता ..... में मिली। ½

उत्तर– .....

(iii) ..... से आशय किसी भी वस्तु का उत्पादन है। ½

उत्तर– .....

(iv) व्यापार केन्द्रों को ..... और नगरीय विपणन केन्द्रों में विभक्त किया जा सकता है। ½

उत्तर– .....

(v) पनामा नहर पूर्व में ..... महासागर को पश्चिम में प्रशान्त महासागर से जोड़ती है। ½

उत्तर– .....

(vi) भारत की जनगणना नगरों को ..... वर्गों में वर्गीकृत करती है। ½

उत्तर– .....

(vii) भारत के आन्तरिक और उत्तरी भागों में ..... प्रमुख फसल ऋतुएँ होती हैं। ½

उत्तर– .....

(viii) भारत की दक्षिण-पश्चिमी पठार पट्टी लौह धातुओं तथा ..... में समृद्ध है। ½

उत्तर– .....

(ix) ..... दो समय बिन्दुओं के बीच किसी क्षेत्र विशेष में रहने वाले लोगों की संख्या में परिवर्तन को कहते है। ½

उत्तर– .....

(x) भारत के ..... राज्य में घरों में जल संग्रहण संरचना को बनाना आवश्यक किया गया है। ½

उत्तर– .....

प्रश्न 3. अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–

(i) सामाजिक भूगोल के कोई दो क्षेत्रों के नाम लिखिये। 1

उत्तर– .....

(ii) जनसंख्या घनत्व से क्या आशय है? 1

उत्तर– .....

.....

(iii) समता से क्या अभिप्राय है? 1

उत्तर– .....

.....

YouTube channel NK study point 99

(iv) महान झील औद्योगिक प्रदेश किस देश में स्थित है? 1

उत्तर– .....

(v) मुक्त व्यापार किसे कहते हैं? 1

उत्तर– .....

.....

(vi) भारत में सर्वाधिक वर्षा वाले दो स्थानों के नाम बताइये। 1

उत्तर– .....

.....

(vii) पर्यावरण प्रदूषण किसका परिणाम है? 1

उत्तर– .....

.....

खण्ड-ब

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

प्रश्न 4. संभववाद को स्पष्ट कीजिए। 1½

उत्तर– .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्रश्न 5. वृद्धि और विकास में क्या अन्तर है? कोई तीन अन्तर बताइए। 1½

उत्तर– .....

.....

.....

.....

.....

.....

प्रश्न 6. असंगठित श्रमिकों से क्या अभिप्राय है? समझाइये। 1½

उत्तर– .....

.....

Youtube channel RK study point 99

प्रश्न 7. ट्रांस साइबेरियन रेलमार्ग के आर्थिक महत्त्व का वर्णन कीजिए। 1½
उत्तर–

प्रश्न 8. दास व्यापार के विषय में आप क्या जानते हैं? स्पष्ट कीजिए। 1½
उत्तर–

प्रश्न 9. 'भारत में जनसंख्या के वितरण का प्रतिरुप अत्यधिक असमान है।' स्पष्ट कीजिए। 1½
उत्तर–

YouTube channel RK study point 99

प्रश्न 10. मानव बस्ती किसे कहते हैं? मानव बस्ती निर्माण का मुख्य आधार क्या है? 1½

उत्तर–

प्रश्न 11. ओ. आई. एल क्या है? 1½

उत्तर–

प्रश्न 12. कांडला पत्तन की अवस्थिति, विकास का कारण व उपयोगिता का वर्णन कीजिए। 1½

उत्तर–

प्रश्न 13. धारावी गंदी बस्ती के कोई तीन लक्षण लिखिये। 1½

उत्तर–

YouTube channel RK study point 99

खण्ड-स

दीर्घउत्तरीय प्रश्न–

प्रश्न 14. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार क्या है? इसके प्रकारों का वर्णन कीजिए। 3

अथवा

विश्व व्यापार संगठन पर एक टिप्पणी लिखिए।

उत्तर– .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्रश्न 15. भारत में कोयला उत्पादक क्षेत्रों पर टिप्पणी लिखिए। 3

अथवा

भारत में बॉक्साइट उत्पादक क्षेत्रों पर टिप्पणी लिखिए।

उत्तर– .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

YouTube channel RK study point 99

प्रश्न 16. जल गुणवत्ता में ह्रास के कारणों का संक्षेप में वर्णन दीजिए। 3

अथवा

वर्षा जल संग्रहण के लाभ बताइए।

उत्तर–

YouTube channel RK study point 99

खण्ड-द

निबन्धात्मक प्रश्न–

प्रश्न 17. पत्तन किस प्रकार व्यापार के लिए सहायक होते हैं? पत्तनों का वर्गीकरण उनकी अवस्थिति के आधार पर कीजिए। 4

अथवा

अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार से देश कैसे लाभ प्राप्त करते हैं?

उत्तर–

YouTube channel RK study point 99

प्रश्न 18. सूखा संभावी क्षेत्र कार्यक्रम पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखे। यह कार्यक्रम देश में शुष्क कृषि विकास में कैसे सहायक है? 4

अथवा

इन्दिरा गांधी नहर कमान क्षेत्र में सतत् पोषणीय विकास को बढ़ावा देने के लिए उपाय सुझाएँ।

खण्ड-य

प्रश्न 19. दिए गए विश्व के रेखा मानचित्र में निम्न को दर्शाइए– 2

(i) ब्राजील (ii) जापान (iii) भूमध्य सागर (iv) सऊदी अरब

उत्तर–

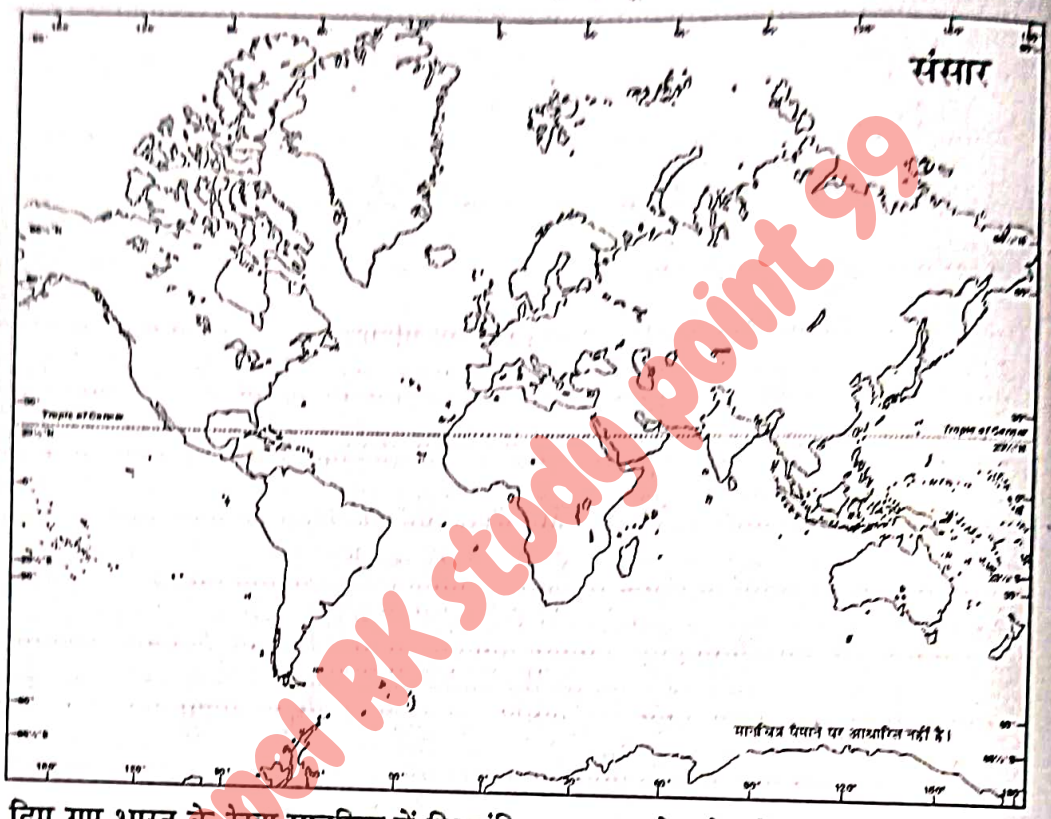

प्रश्न 20. दिए गए भारत के रेखा मानचित्र में निम्नांकित वस्त्र उद्योग केन्द्रों को दर्शाइए– 2

(i) वडोदरा (ii) भीलवाड़ा (iii) वाराणसी (iv) कोयम्बटूर

उत्तर–

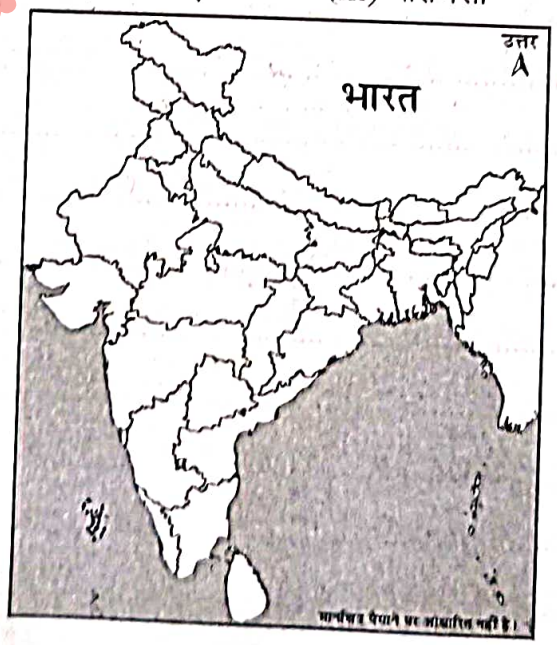

दिनांक ..... प्राप्तांक ..... ह. अध्यापक .....

पूर्णांक–56

YouTube channel RK study point 99

मॉडल पेपर-6

खण्ड-अ

उत्तर 1.

(i)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)	(vi)
(द)	(अ)	(द)	(ब)	(स)	(द)
(vii)	(viii)	(ix)	(x)	(xi)	(xii)
(स)	(स)	(ब)	(ब)	(अ)	(स)
(xiii)	(xiv)	(xv)	(xvi)		
(स)	(ब)	(ब)	(स)		

उत्तर 2. (i) प्रतिशत (ii) कुटीर (iii) जनसंख्या (iv) परिवहन
(v) वास्तविक (vi) गाँव (vii) सामुदायिक
(viii) धरातलीय (ix) 1954 (x) गतिक

उत्तर 3. (i) रैटजेल द्वारा प्रस्तुत मानव भूगोल की परिभाषा में संश्लेषण अधिक जोर दिया गया है।
(ii) जापान का कोबे ओसाका प्रदेश घना बसा है।
(iii) (1) असमता (2) सतत् पोषणीयता

YouTube Channel RK study point 99

(iv) राइन जल मार्ग विश्व का अत्यधिक प्रयोग में लाया जाने वाला जल मार्ग है।
(v) सिलिकन घाटी संयुक्त राज्य अमेरिका में केलिफोर्निया घाटी में स्थित है।
(vi) बिटुमिनस कोयला
(vii) कारखानों एवं उद्योगों से निकलने वाली गंधक अम्लीय वर्षा के लिए उत्तरदायी होती है।

खण्ड-ब

उत्तर 4. मानव प्रकृति के नियमों को बेहतर ढंग से समझने के बाद ही प्रौद्योगिकी का विकास कर पाया। यह नियम उदाहरणों से स्पष्ट है—

(1) घर्षण और ऊष्मा की संकल्पनाओं ने अग्नि की खोज में हमारी सहायता की।

(2) डी.एन.ए. और आनुवांशिकी के रहस्यों की समझ ने हमें अनेक बीमारियों पर विजय पाने के योग्य बनाया।

(3) अधिक तीव्र गति से चलने वाले यान विकसित करने के लिए हम वायु गति के नियमों का प्रयोग करते हैं।

उत्तर 5. जल जीवन का सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण कारक है। व्यक्ति उन क्षेत्रों में बसने को प्राथमिकता देते हैं जहाँ जल आसानीपूर्वक उपलब्ध होता है। जल का उपयोग पीने, नहाने और भोजन के साथ-साथ पशुओं, फसलों, उद्योगों और नौ-संचालन में किया जाता है। इसी कारण नदी-घाटियाँ दुनिया के सबसे सघन आबाद क्षेत्र हैं तथा प्राचीन सभ्यताओं का विकास नील नदी घाटी तथा सिन्धु नदी घाटी में जल की उपलब्धता के कारण हुआ था।

उत्तर 6. भारत के उत्तरी-पूर्वी राज्यों में की जाने वाली स्थानान्तरणशील कृषि पद्धति को झूमिंग के नाम से जाना जाता है। भारत के असम, मेघालय, मणिपुर, त्रिपुरा, नागालैण्ड में आदिमकालीन जीवन निर्वाह कृषि की जाती है। इसमें वृक्षों तथा वन क्षेत्रों को काट कर, जलाकर कृषि के लिए एक टुकड़ा साफ किया जाता है। कुछ वर्षों के पश्चात् जब खेतों की उर्वरता कम हो जाती है तो नये टुकड़े पर कृषि शुरू की जाती है। इसमें खेतों का हेर-फेर किया जाता है।

उत्तर 7. यूरोप में सबसे महत्त्वपूर्ण औद्योगिक संकुल राइन नदी घाटी क्षेत्र है। यह संकुल स्विट्जरलैण्ड से लेकर जर्मन संघीय गणराज्य तक विस्तृत है। यहाँ पर कोयला क्षेत्र स्थित है तथा यहाँ रेल मार्गों, नदियों तथा नहरों के जल मार्गों द्वारा यातायात सुविधाएँ प्राप्त हैं। यहाँ श्रम के साथ-साथ स्थानीय माँग भी है तथा जल विद्युत विकास की सुविधा भी प्राप्त है। जिस कारण यह यूरोप का सबसे महत्त्वपूर्ण औद्योगिक संकुल है।

उत्तर 8. साइबर-स्पेस इण्टरनेट—साइबर स्पेस विद्युत द्वारा कम्प्यूटरीकृत स्पेस का संसार है। यह वर्ल्ड वाइड वेबसाइट जैसे इण्टरनेट द्वारा आवृत है। अतः यह भेजने वाले और प्राप्त करने वाले के शारीरिक संचलन के बिना कम्प्यूटर पर सूचनाओं के प्रेषण और प्राप्ति की विद्युतीय अंकीय दुनिया है। इसे इण्टरनेट के नाम से भी जाना जाता है। साइबर स्पेस प्रत्येक जगह विद्यमान है। यह किसी कार्यालय में, जल में चलती नौका में, उड़ते जहाजों में कहीं भी हो सकता है।

उत्तर 9. भाषायी संघटन—भारत एक भाषायी विविधता वाला देश है। भारतीय संविधान में वर्तमान में 22 भाषाएँ अनुसूचित हैं, जिनमें सर्वाधिक प्रतिशत हिन्दी बोलने वालों का है, जबकि न्यूनतम प्रतिशत संस्कृत, बोडो तथा मणिपुरी बोलने वाले लोगों का है।

YouTube channel RK Study point 99

प्रमुख भारतीय भाषा को बोलने वाले मूलत: चार भाषा परिवारों—आर्य (7
द्रविड़ (20%), आस्ट्रिक (निषाद) (1.38%) और चीनी-तिब्बती (किरात) (0.8
से सम्बन्धित हैं।

उत्तर 10. घर की रूपरेखा या प्रारूप पर मुख्यत: जलवायु, प्रयोग, भवन-नि
सामग्री, सामाजिक व सांस्कृतिक मूल्य आदि प्रभाव डालते हैं। उत्तर-पूर्वी भा
जलवायु बहुत शीत-आर्द्र हैं, जिस कारण यहाँ घरों में खुला आँगन नहीं होता।
मकानों को बढ़ाकर बरसाती बना दी जाती है, जिससे वर्षा से बचाव हो सके।
अतिरिक्त वर्षा के पानी के शीघ्र बहाव हेतु ढलवांकार छतें बनाई जाती हैं।

उत्तर 11. (i) तटवर्ती भागों से लगे हुए राज्यों की सड़कों
विकास/सीमावर्ती भागों तथा छोटे बन्दरगाहों को जोड़ना।

(ii) पिछड़े इलाकों, धार्मिक, पर्यटन स्थलों को जोड़ने की योजना।

(iii) सेतू भारतम परियोजना के अन्तर्गत 1500 बड़े पुलों तथा 200 रेल
ब्रिज/रेल अण्डर ब्रिज का निर्माण।

(iv) लगभग 900 कि.मी. के नए घोषित किए गए राष्ट्रीय राजमार्गों के वि
के लिए जिला मुख्यालय जोड़ने की योजना।

उत्तर 12. (i) यह एक कृत्रिम बन्दरगाह है, जिसे 1859 में बनाया गया

(ii) तट के समीप उथला जल होने के कारण यह बन्दरगाह बड़े पोतों के
अनुकूल नहीं है।

(iii) इस बन्दरगाह के प्रमुख पृष्ठ प्रदेश तमिलनाडु और पुदुच्चेरी हैं।

(iv) यह मुम्बई के पश्चात् दूसरा सर्वाधिक व्यापार वाला बन्दरगाह है।

उत्तर 13. वायु प्रदूषण के प्रमुख स्रोत—वायु प्रदूषण मुख्यत: वायु में अवां
तत्त्वों के अधिक मात्रा में मिल जाने के कारण होता है। वायु प्रदूषण के प्रमुख
जीवाश्म ईंधन का दहन, खनन और उद्योग हैं। इन प्रक्रियाओं से वायु में सल्फ
नाइट्रोजन के ऑक्साइड, हाइड्रोकार्बन, कार्बन डाई ऑक्साइड, कार्बन मोनोक्स
सीसा तथा एस्बेस्टास आदि निर्मुक्त होते हैं, जिससे वायु प्रदूषित होती है।

खण्ड-स

उत्तर 14. कुटीर उद्योगों की प्रमुख विशेषताएँ निम्नलिखित हैं—

(i) कुटीर उद्योग निर्माण की सबसे छोटी इकाई होते हैं।

(ii) कुटीर उद्योग में शिल्पकार स्थानीय कच्चे माल का उपयोग करते हैं
साधारण औजारों द्वारा परिवार के सभी सदस्य मिलकर अपने दैनिक जीवन के उप
की वस्तुओं का उत्पादन करते हैं।

(iii) कुटीर उद्योग में तैयार माल का या तो स्वयं उपयोग किया जाता है अ
इसे स्थानीय गांव के बाजार में बेच दिया जाता है।

(iv) कुटीर उद्योगों में उत्पादित उत्पादों की कभी-कभी अदला-बदली भी की जाती

(v) पूँजी एवं परिवहन इन उद्योगों को अधिक प्रभावित नहीं करते क्योंकि
द्वारा निर्मित वस्तुओं का व्यापारिक महत्त्व कम होता है एवं अधिकतर उप
स्थानीय लोगों द्वारा निर्मित होते हैं।

YouTube channel RK study point 92

अथवा का उत्तर

स्वामित्व के आधार पर उद्योगों को निम्नलिखित तीन वर्गों के अन्तर्गत विभक्त या गया है—

(1) सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योग—सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योग सरकार के अधीन ं हैं। भारत में बहुत से उद्योग सार्वजनिक क्षेत्र के अधीन हैं। समाजवादी देशों में अनेक उद्योग सरकारी स्वामित्व वाले होते हैं। मिश्रित अर्थव्यवस्था में निजी एवं र्वजनिक दोनों प्रकार के उद्यम पाए जाते हैं।

(2) निजी क्षेत्र के उद्योग—निजी क्षेत्र के उद्योगों का स्वामित्व व्यक्तिगत वेशकों के पास होता है। ये निजी संगठनों द्वारा संचालित होते हैं। पूँजीवादी देशों में धिकतर उद्योग निजी क्षेत्र में हैं।

(3) संयुक्त क्षेत्र के उद्योग—संयुक्त क्षेत्र के उद्योग का संचालन संयुक्त म्पनी के द्वारा या किसी निजी एवं सार्वजनिक क्षेत्र की कम्पनी के संयुक्त प्रयासों ारा किया जाता है।

उत्तर 15. **(1) असम तेल क्षेत्र**—इस राज्य में डिगबोई, नहारकटिया, मोरान, शवसागर व सुरमा घाटी प्रमुख तेल उत्पादक क्षेत्र हैं। डिगबोई देश का सबसे प्राचीन था अधिक तेल वाला क्षेत्र है जबकि नहारकटिया एक नवीन तेल क्षेत्र है, जिसमें हारकटिया व लकवा प्रमुख तेलकूप हैं।

(2) गुजरात तेल क्षेत्र—इस राज्य में कैम्बे तथा कच्छ की खाड़ी के निकट अंकलेश्वर, कालोल, मेहसाणा, नवागाम, कोसांबा, लुनेज प्रमुख तेल क्षेत्र हैं। इन क्षेत्रों से अपरिष्कृत तेल ट्राम्बे तथा कोयली के तेल शोधन कारखानों में भेजा जाता है।

(3) अपतटीय तेल क्षेत्र—इसमें मुख्यतः मुम्बई हाई तथा बसीन तेल क्षेत्र को शामिल करते हैं।

I. मुम्बई हाई—यह क्षेत्र मुम्बई नगर से 160 किलोमीटर दूर अपतटीय क्षेत्र में स्थित है। इस क्षेत्र में 'सागर सम्राट' जहाज द्वारा 1973 में तेल खोजा गया था और यहाँ पर उत्पादन 1976 में प्रारम्भ हो गया था।

II. बसीन तेल क्षेत्र—यह मुम्बई हाई के दक्षिण में स्थित है।

अथवा का उत्तर

(1) उत्तर-पूर्वी पठारी प्रदेश—इस खनिज पट्टी में झारखण्ड का छोटानागपुर पठार, उड़ीसा पठार, पश्चिम बंगाल तथा छत्तीसगढ़ के कुछ भाग आते हैं। इस पट्टी में विभिन्न प्रकार के खनिज, जैसे—लौह अयस्क, कोयला, मैंगनीज, बॉक्साइट, अभ्रक आदि पाए जाते हैं। इसी क्षेत्र में देश के प्रमुख लौह एवं इस्पात उद्योग भी कच्चे माल की सुविधा के कारण अवस्थित हैं।

(2) दक्षिण-पश्चिमी पठारी प्रदेश—यह खनिज पट्टी कर्नाटक, गोआ, केरल तथा संस्पर्शी तमिलनाडु उच्च भूमि तक विस्तृत है। यह पट्टी मुख्यतः लौह धातुओं एवं बॉक्साइट में समृद्ध है। इसके अतिरिक्त इसमें उच्च गुणवत्ता का लौह अयस्क, मैंगनीज और चूना पत्थर भी मिलता है। तमिलनाडु के निवेली लिग्नाइट क्षेत्र को छोड़कर, इस पट्टी में कोयला निक्षेपों का अभाव है। इसके अतिरिक्त केरल में मोनाजाइट, थोरियम एवं बॉक्साइट क्ले के तथा गोआ में लौह अयस्क के निक्षेप मिलते हैं।

YouTube channel PK study point 99

उत्तर 16. भारतीय राष्ट्रीय जल नीति 2002 की विशेषताएँ

(1) जल आवंटन में पहली प्राथमिकता सभी मानव जाति और प्राणियों पेयजल उपलब्ध कराने की होनी चाहिए अर्थात् सभी मानव जाति एवं अन्य प्राणि के लिए पेयजल हेतु पर्याप्त एवं शुद्ध जल उपलब्ध होना चाहिए।

(2) जिन क्षेत्रों में पेयजल का कोई भी स्रोत उपलब्ध नहीं है, वहाँ बहुउद्देश परियोजनाओं में पीने के पर्याप्त एवं शुद्ध जल की उपलब्धता को सुनिश्चित क भारतीय राष्ट्रीय जल नीति 2002 की मुख्य प्राथमिकता होनी चाहिए।

(3) भारतीय राष्ट्रीय जल नीति 2002 की प्रमुख विशेषता ये भी रखी गई कि सत और भौम जल, दोनों की गुणवत्ता की जाँच नियमित रूप से होनी चाहिए एवं जल गुणवत्ता को सुधारने के लिए एक चरणबद्ध कार्यक्रम प्रारम्भ किया जाना चाहिए।

अथवा का उत्तर

भारत के विभिन्न भागों में जल-संभर विकास से सम्बन्धित निम्नलिखि परियोजनायें कार्यशील हैं—

(i) हरियाली परियोजना—केन्द्र सरकार द्वारा भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में।

(ii) नीरू-मीरू (जल और आप) कार्यक्रम—आंध्र प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में।

(iii) अरवारी पानी संसद कार्यक्रम—राजस्थान के अलवर जिले में।

इन कार्यक्रमों के अन्तर्गत स्थानीय ग्रामीण लोगों के सहयोग से विभिन्न ज संग्रहण संरचनाएँ जैसे—अंत:स्रवण तालाब ताल (जोहड़) की खुदाई करके रोक बाँ बनाए गए हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में परम्परागत रूप से वर्षा जल संग्रहण हेतु विभिन्न प्रक के जलाशयों, जैसे—झीलों, तालाबों, कुंडों आदि का निर्माण किया जाता रहा है तमिलनाडु में तो घरों में जल संग्रहण संरचना को बनाना आवश्यक कर दिया गया है

खण्ड-द

उत्तर 17. आधुनिक आर्थिक विकास में सेवा सेक्टर की सार्थकता ए वृद्धि—सेवा क्षेत्र में व्यापार व वाणिज्य के अलावा स्वास्थ्य कल्याण, शिक्ष अवकाश, मनोरंजन, परिवहन, संचार, दूरसंचार, प्रशिक्षण तकनीक व अनुसंधान जैस सभी क्षेत्र सम्मिलित होते हैं। आधुनिक आर्थिक विकास में सेवा क्षेत्र का महत्त्वपू योगदान है। विश्व के विकसित राष्ट्रों के साथ-साथ अधिकांश विकासशील राष्ट्रों कृषि तथा विनिर्माण क्षेत्र की तुलना में सेवा सेक्टर अधिक तेजी से बढ़ रहा है तथ देश के सकल घरेलू उत्पाद में सेवा सेक्टर का योगदान भी बढ़ रहा है।

सेवा सेक्टर के बढ़ते महत्त्व ने सेवा सेक्टर को उत्पादक अर्थव्यवस्था के क्षेत्र एक विशिष्ट स्थान प्रदान किया है। बीसवीं शताब्दी में विश्व के अधिकांश विकसि देशों तथा कुछ विकासशील देशों की अर्थव्यवस्था में विनिर्माण उद्योग की तुलना सेवा सेक्टर के रोजगार में तीव्र वृद्धि हुई है। इसका प्रमुख कारण यह है कि इन देश में प्रतिव्यक्ति आय के बढ़ने से विभिन्न प्रकार की सेवाओं की माँग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। स्वास्थ्य, मनोरंजन, परिवहन व दूरसंचार ऐसी ही सुविधाएँ हैं। यहीं नहीं, वर्तमान में अनेक घरेलू कार्य बाजार से कराए जाते हैं तथा बाहरी एजेन्सियों को ठेके पर कार्य दिए जा रहे हैं। बाह्य स्रोत का ही परिणाम है कि भारत, चीन, पूर्वी यूरोप, इजरायल तथा फिलीपींस जैसे देशों में बड़ी संख्या में रोजगार उत्पन्न हुए हैं इसके साथ-साथ सेवा क्षेत्र के विकास से विदेशी मुद्रा का अर्जन भी होता है।

YouTube Channel Kstudy point 99

अथवा का उत्तर

पर्यटन आकर्षण—पर्यटन आकर्षण में निम्नलिखित को सम्मिलित किया जाता है—

(1) जलवायु—ठण्डे प्रदेशों के अधिकांश व्यक्ति पुलिन विश्राम के लिए उष्ण व ूपदार मौसम की अपेक्षा करते हैं। दक्षिणी यूरोप तथा भूमध्य सागरीय क्षेत्रों में पर्यटन के ाहत्त्व का यह एक मुख्य कारण है। अवकाश के शीर्ष मौसम में यूरोप के अन्य भागों ी अपेक्षा भूमध्यसागरीय जलवायु में लगभग लगातार ऊँचा तापमान, धूप की लम्बी ावधि तथा निम्न वर्षा की दशाएँ होती हैं। शीतकालीन अवकाश का आनन्द लेने वाले ोगों की विशिष्ट जलवायवीय आवश्यकताएँ होती हैं। जैसे—अपने गृह क्षेत्रों की ुलना में ऊँचे तापमान अथवा स्कीइंग के लिए अनुकूल हिमावरण आदि।

(2) भूदृश्य—अनेक व्यक्ति आकर्षित करने वाले पर्यावरण में अपनी छुट्टियों को व्यतीत करना पसन्द करते हैं, जिसका प्रायः अर्थ होता है पर्वत, झीलें, दर्शनीय समुद्री तट तथा मनुष्य द्वारा पूरी तरह से अपरिवर्तित भूदृश्य।

(3) इतिहास एवं कला—किसी क्षेत्र के इतिहास और कला में सम्भावित आकर्षण होता है। व्यक्ति प्राचीन और सुन्दर नगरों एवं पुरातत्त्व के स्थानों पर जाते हैं तथा किलों, महलों और गिरिजाघरों को देखकर आनन्द उठाते हैं।

(4) संस्कृति और अर्थव्यवस्था—मानव जातीय और स्थानीय रीतियों को पसन्द करने वालों को पर्यटन आकर्षित करता है। यदि कोई प्रदेश पर्यटकों की आवश्यकताओं को सस्ते दामों में पूरा करता है तो वह अत्यन्त लोकप्रिय हो जाता है। वर्तमान समय में घरों में रुकना एक लाभदायक व्यापार बनकर उभरा है। यथा—गोवा में हेरीटेज होम्स तथा कर्नाटक में मैडीकेरे और कूर्ग आदि।

(5) स्वास्थ्य सेवाएँ—वर्तमान में सस्ती स्वास्थ्य सेवाएँ भी पर्यटन आकर्षण का केन्द्र बनी हैं। इसे चिकित्सा पर्यटन का नाम दिया गया है।

उत्तर 18. भारत में जल संसाधनों की उपलब्धता—भारत में विश्व के कुल जल संसाधनों का 4 प्रतिशत पाया जाता है तथा देश को एक वर्ष में वर्षण से लगभग 4,000 घन किलोमीटर जल प्राप्त होता है। देश में सभी नदी बेसिनों में अनुमानतः 1,869 घन किलोमीटर औसत वार्षिक प्रवाह है; परन्तु स्थलाकृतिक, जलीय और अन्य कारकों के कारण प्राप्त कुल धरातलीय जल का मात्र 32 प्रतिशत (लगभग 690 घन किलोमीटर जल) जल का ही उपयोग किया जा सकता है। देश में कुल पुनः पूर्तियोग्य भौमजल संसाधन लगभग 432 घन कि.मी. है। देश में धरातलीय जल और पुनः पूर्तियोग भौमजल से 1869 घन किलोमीटर जल उपलब्ध है, जिसमें से केवल 60 प्रतिशत जल का ही लाभदायक उपयोग किया जा सकता है। अतः देश में कुल उपयोगी जल संसाधन 1,122 घन किलोमीटर है।

स्थानिक वितरण के लिए उत्तरदायी कारक—जल संसाधन के वितरण को कई कारक प्रभावित करते हैं; जैसे—

(1) वर्षा—नदी में जल प्रवाह नदी बेसिन और इस बेसिन अर्थात् जल ग्रहण क्षेत्र में हुई वर्षा की मात्रा पर निर्भर करता है। इसके साथ-साथ वर्षा उस क्षेत्र में धरातलीय जल तथा भौम जल की मात्रा को भी प्रमुख रूप से प्रभावित करती है। भारत में वर्षा में अत्यधिक स्थानिक विभिन्नता पाई जाती है और वर्षा अनियमित और

YouTube Channel GK study Point 99

अनिश्चित मानसून पर निर्भर होती है। अतः वर्षा की क्षेत्रीय भिन्नता जलीय संसाधनों के स्थानिक वितरण को प्रभावित करने वाला सबसे महत्त्वपूर्ण कारक है।

(2) धरातल का स्वरूप—किसी भी भू-भाग का धरातलीय स्वरूप भी जलीय संसाधनों के उपभोग को प्रभावित करता है। असमतल पठारी व पर्वतीय भागों में जलीय संसाधनों के उपभोग के सीमित अवसर ही प्राप्त हो पाते हैं जबकि समतल मैदानी भागों में जलीय संसाधनों का उपभोग उचित प्रकार से किया जा सकता है।

(3) आर्थिक विकास का स्तर—किसी भी क्षेत्र या देश के आर्थिक विकास का स्तर प्रत्यक्ष रूप में धरातलीय जल संसाधनों तथा भौमजल संसाधनों के उपभोग के निर्धारण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अतः आर्थिक विकास के स्तरों की भिन्नता जलीय संसाधनों के स्थानिक वितरण को भी प्रभावित करती है।

अथवा का उत्तर

जल संभर प्रबन्धन—साधारणतः धरातलीय और भौम जल संसाधनों का उचित प्रबन्धन ही जल संभर प्रबन्धन कहलाता है। इसके अन्तर्गत बहते जल को रोककर विभिन्न विधियों, जैसे—अन्तःस्रवण तालाब, पुनर्भरण, कुओं आदि के द्वारा भौम जल का संचयन और पुनर्भरण शामिल है। अतः जल संभर प्रबन्धन का मुख्य उद्देश्य सभी प्राकृतिक संसाधनों और समाज के मध्य सन्तुलन स्थापित करना है, जिसकी पूर्ति मुख्यतः समुदाय के सहयोग पर ही निर्भर करती है।

सतत् पोषणीय विकास में जल-संभर प्रबंधन की भूमिका—सतत् पोषणीय विकास से तात्पर्य "एक ऐसे विकास से है, जिसमें भविष्य में आने वाली पीढ़ियों की आवश्यकता पूर्ति को प्रभावित करे बिना वर्तमान पीढ़ी द्वारा अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति करना है।" चूँकि जल संभर प्रबन्धन जल का उचित प्रबन्धन है, जिसमें अनावश्यक रूप से बहते जल को विभिन्न विधियों द्वारा संचयित किया जाता है। अतः सतत् पोषणीय विकास के अनुसार प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग की दर, इनके नवीनीकरण की दर से अधिक नहीं होनी चाहिए, जबकि जल संभर प्रबंधन का प्रमुख उद्देश्य प्राकृतिक संसाधनों तथा समाज के मध्य संतुलन स्थापित करना है। अतः जल संभर प्रबन्धन सतत् पोषणीय विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकता है। इस हेतु केन्द्रीय और राज्य सरकारों ने देश में बहुत से जल संभर प्रबन्धन के विकास के कार्यक्रम चलाए हैं, जैसे—

(1) **हरियाली परियोजना**—यह केन्द्र सरकार द्वारा प्रवर्तित जल संभर विकास परियोजना है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण जनसंख्या को पीने, सिंचाई, मत्स्य-पालन और वन रोपण के लिए जल संरक्षण के लिए योग्य बनाना है। यह परियोजना लोगों के सहयोग से निष्पादित की जा रही है।

(2) नीरू-मीरू (जल और आप) कार्यक्रम आन्ध्रप्रदेश में।

(3) अरवारी पानी संसद कार्यक्रम अलवर (राजस्थान) में।

इनके अन्तर्गत लोगों के सहयोग से विभिन्न जल संग्रहण संरचनाएँ, जैसे-अंतःस्रवण तालाब, जोहड़ की खुदाई कर रोक बाँध बनाये गये हैं। इसी प्रकार तमिलनाडु राज्य में प्रत्येक घर व इमारत में जल संग्रहण संरचना बनाना अनिवार्य कर दिया है। इस प्रकार देश में लोगों के बीच जल संभर विकास और प्रबन्धन के लाभ को बताकर जागरूकता उत्पन्न करके इस एकीकृत जल संसाधन प्रबन्धन के माध्यम से जल उपलब्धता सतत पोषणीय आधार पर निश्चित रूप से की जा सकती है।

YouTube channel RK study point 99

खण्ड-य

उत्तर 19.

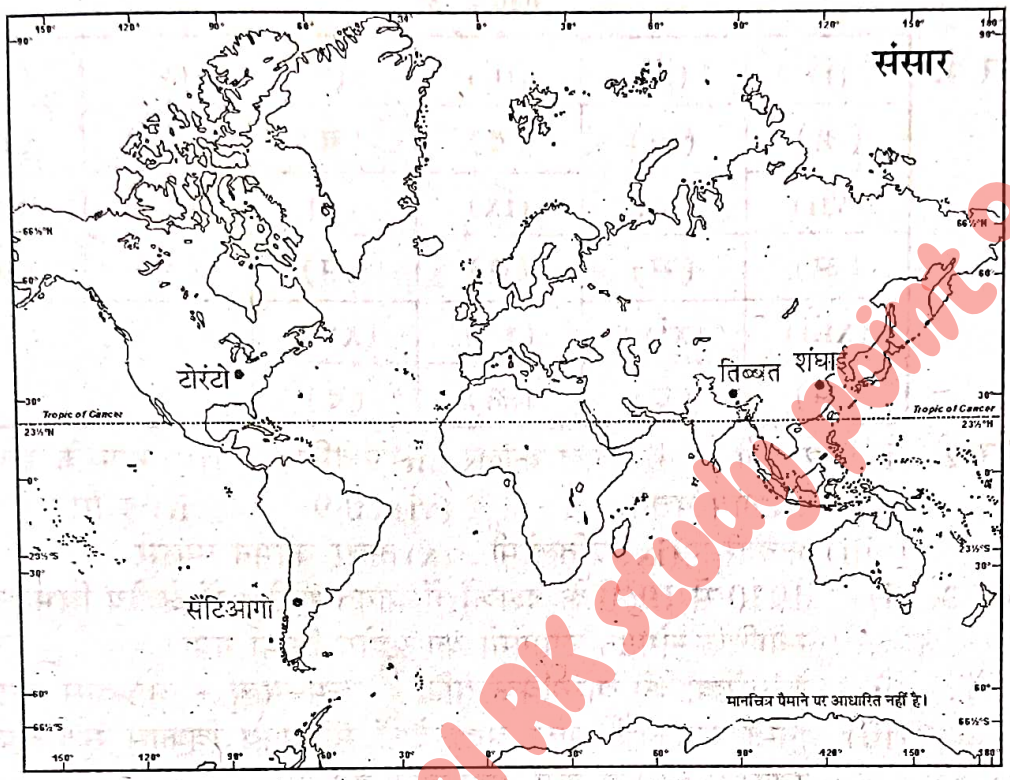

उत्तर 20.

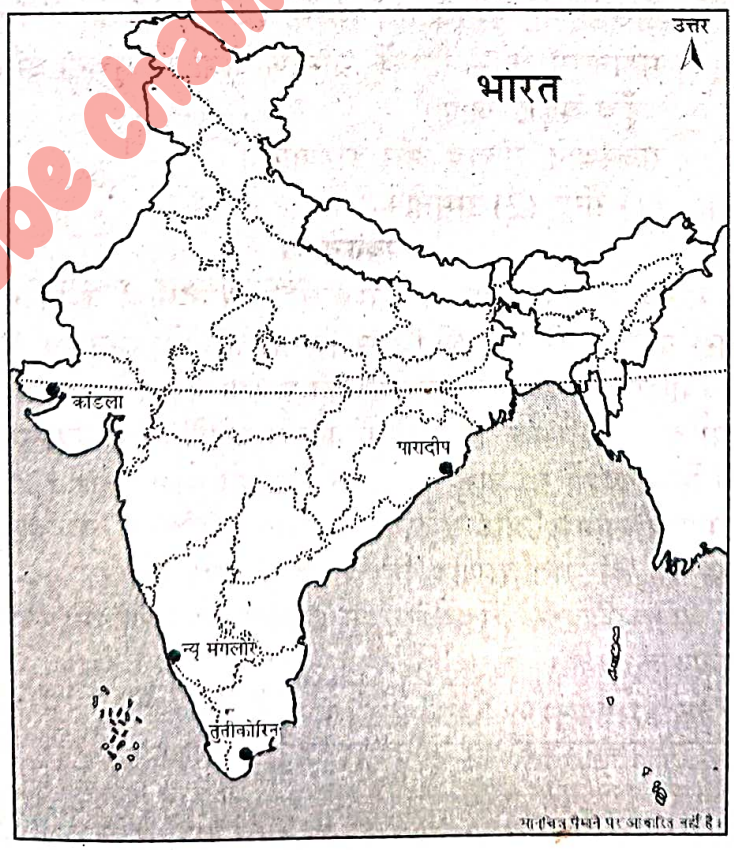

YouTube channel RK study point 99

मॉडल पेपर-7

खण्ड-अ

उत्तर 1.

(i)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)	(vi)
(अ)	(अ)	(द)	(ब)	(द)	(स)
(vii)	(viii)	(ix)	(x)	(xi)	(xii)
(अ)	(स)	(ब)	(स)	(स)	(ब)
(xiii)	(xiv)	(xv)	(xvi)		
(स)	(द)	(अ)	(द)		

उत्तर 2. (i) आप्रवासी (ii) लाल कॉलर (iii) प्रादेशिक (iv) भाप के इंजन
(v) अन्तर्देशीय पत्तन (vi) 20.9 (vii) दूसरा
(viii) अलवर (ix) प्रतिलोमी (x) अवर कॉमन फ्यूचर

उत्तर 3. (i) 1930 से 1960 के दशकों में मानव भूगोल में क्षेत्रीय विभेदन तथ
स्थानिक संगठन उपागमों का प्रयोग किया गया।
(ii) जनसंख्या की वास्तविक वृद्धि = जन्म-मृत्यु + आप्रवास-उत्प्रवा
(iii) निम्न सूचकांक मूल्य वाले देशों में मानव विकास सूचकांक क
स्कोर 0.549 से कम पाया जाता है।
(iv) विश्व में वाणिज्य पशुधन पालन न्यूजीलैण्ड, ऑस्ट्रेलिया
अर्जेंटाइना, उरुग्वे एवं संयुक्त राज्य अमेरिका में किया जाता है।
(v) महानगरों के समीप के ग्रामीण क्षेत्रों में सूचना और प्रौद्योगिकी क
पहुँच बढ़ाई जाए।
(vi) राजस्थान, पंजाब और हरियाणा।
(vii) (1) गंगा (2) यमुना।

खण्ड-ब

उत्तर 4. मानव-पर्यावरण के अन्तर्सम्बन्धों के सन्दर्भ में जर्मन भूगोलवेत्ताओं द्वार यह विचारधारा प्रस्तुत की गई थी। इस विचारधारा के अनुसार मनुष्य की सम्पूर्ण क्रियाओं पर पर्यावरण के विभिन्न कारकों का प्रभाव पड़ता है। प्राकृतिक वातावरण से अन्योन्य क्रिया की आरम्भिक दशाओं में मानव इससे अत्यधिक प्रभावित हुआ था उन्होंने प्रकृति के आदेशों के अनुसार अपने आपको ढाल लिया।

आदिम मानव समाज और प्रकृति की प्रबल शक्तियों के बीच इस प्रकार की अन्योन्य क्रिया को ही 'पर्यावरणीय निश्चयवाद' कहा गया।

उत्तर 5. मानव विकास सूचकांक के आधार पर देशों को निम्न चार समूहों में विभाजित किया जाता है—

मानव विकास स्तर	सूचकांक का स्कोर	देशों की संख्या
अति उच्च	0.800 से ऊपर	66
उच्च	0.700 से 0.799 के बीच	53

YouTube channel GK study point 99

मध्यम	0.550 से 0.699 के बीच	37
निम्न	0.549 से नीचे	33

उत्तर 6. पर्यटन प्रदेश—जिन स्थानों पर पर्यटक घूमने को प्रमुखता से जाते हैं, वे पर्यटन प्रदेश कहलाते हैं। भूमध्य सागरीय तट के चारों तरफ कोष्ण स्थान तथा भारत का पश्चिमी तट विश्व के लोकप्रिय पर्यटक गंतव्य स्थानों में से हैं। अन्य में शीतकालीन खेल प्रदेश, जो कि मुख्य रूप से पर्वतीय क्षेत्रों में पाए जाते हैं तथा मनोहारी दृश्य भूमियाँ एवं यत्र-तत्र फैले राष्ट्रीय उद्यान शामिल हैं। स्मारकों, विरासत स्थलों और सांस्कृतिक गतिविधियों के कारण ऐतिहासिक नगर भी पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

उत्तर 7. (i) जल परिवहन में मार्गों का निर्माण नहीं करना पड़ता है।
(ii) जलीय परिवहन के आधार महासागर आपस में एक-दूसरे से जुड़े होते हैं।
(iii) इसमें विभिन्न प्रकार के जहाज चलाए जा सकते हैं।
(iv) यह परिवहन का सबसे सस्ता साधन है।
(v) जल परिवहन की ऊर्जा लागत अपेक्षाकृत कम होती है।

उत्तर 8. प्रादेशिक व्यापार समूह सदस्य राष्ट्रों में व्यापार शुल्क को हटा देते हैं तथा मुक्त व्यापार को बढ़ावा देते हैं। यह समूह व्यापार की मदों में भौगोलिक निकटता, समरूपता तथा पूरकता के साथ सदस्य देशों के मध्य व्यापार बढ़ाने एवं विकासशील देशों के व्यापार पर लगे प्रतिबन्ध को हटाने के उद्देश्य से अस्तित्व में आए हैं।

उत्तर 9. भारत सरकार की युवा नीति—देश में राष्ट्रीय युवा नीति फरवरी, 2014 में आरम्भ की गई। इस राष्ट्रीय युवा नीति में 15 से 29 वर्ष के आयु समूह को युवा के रूप में परिभाषित किया गया है। यह युवा नीति भारत के युवाओं के लिए एक समग्र दूरदर्शी प्रस्ताव रखती है। इस नीति का मुख्य उद्देश्य देश के युवाओं को अपनी पूरी क्षमता का उपयोग करने के लिए सक्षम बनाना और उनके द्वारा भारत को राष्ट्रों के समूह में अपना उचित स्थान प्राप्त करने में सक्षम बनाना है।

उत्तर 10. प्रत्येक नगर का कोई न कोई प्रमुख कार्य होता है जिसमें वह नगर विशेषीकृत होता है। जो नगर मुख्य रूप से आयात और निर्यात की गतिविधियों में संलग्न रहते हैं, परिवहन नगर कहलाते हैं। जैसे—कांडला, कोच्चि, विशाखापट्टनम आदि। इसके अतिरिक्त कुछ परिवहन नगर आन्तरिक परिवहन केन्द्र में भी विकसित होते हैं, जैसे—मुगलसराय, धुलिया, कटनी इत्यादि।

उत्तर 11. भारत में कोंकण रेलवे का निर्माण 1998 में किया गया था। यह 760 किलोमीटर लंबा रेलमार्ग है, जो महाराष्ट्र के रोहा को कर्नाटक के मंगलौर से जोड़ता है। कोंकण रेलवे को अभियांत्रिकी का एक अनूठा चमत्कार माना जाता है। यह रेलमार्ग 146 नदियों व धाराओं तथा 2000 पुलों एवं 91 सुरंगों को पार करता है। इस रेलमार्ग पर एशिया की सबसे लंबी सुरंग भी है, जो 6.5 किलोमीटर लम्बी है। कोंकण रेलवे उद्यम में कर्नाटक, गोवा तथा महाराष्ट्र राज्य भागीदार हैं।

उत्तर 12. कोच्चि बन्दरगाह—यह बन्दरगाह मालाबार तट पर केरल प्रदेश में स्थित है। इस बन्दरगाह की निम्नलिखित विशेषताएँ हैं—

YouTube Channel My Study Point 09

(i) लैगून झील (वेम्बनाद झील) के मुहाने पर स्थित एक प्राकृतिक बन्दरगाह है।

(ii) यह केरल, दक्षिणी कर्नाटक तथा दक्षिण-पश्चिमी तमिलनाडु की आवश्यकताओं को पूरा करता है।

(iii) इस बन्दरगाह को स्वेज-कोलंबो मार्ग के पास अवस्थित होने का लाभ प्राप्त है।

उत्तर 13. इस कृषि में विभिन्न प्रकार के रासायनिक पदार्थों का उपयोग होता है, जैसे कि अकार्बनिक उर्वरक, कीटनाशक, खरपतवार नाशक आदि। यह रासायनिक पदार्थ भी प्रदूषण उत्पादन करने वाले घटक होते हैं।

इन रसायनों को नदियों, झीलों तथा तालाबों में बहा दिया जाता है। ये सभी रसायन जल के माध्यम से जमीन में स्राव्रित होते हुए भू-जल तक पहुंच जाते हैं जिससे वह प्रदूषित हो जाता है। उर्वरक धरातलीय जल में नाइट्रेट की मात्रा को बढ़ा देते हैं।

खण्ड-स

उत्तर 14. मिश्रित कृषि की प्रमुख विशेषताएँ निम्नलिखित हैं—

(i) इस प्रकार की कृषि विश्व के अत्यधिक विकसित भागों में की जाती है।

(ii) इस कृषि में खेतों का आकार मध्यम होता है।

(iii) इस प्रकार की कृषि पद्धति में बोई जाने वाली प्रमुख फसलें गेहूँ, जौ, राई, जई, मक्का, चारे की फसल एवं कन्द-मूल हैं।

(iv) चारे की फसलें मिश्रित कृषि की प्रमुख घटक हैं।

(v) इस प्रकार की कृषि में फसल उत्पादन एवं पशुपालन दोनों को समान महत्त्व दिया जाता है।

(vi) मिश्रित कृषि में फसलों के साथ पशुओं, यथा—मवेशी, भेड़, सूअर एवं कुक्कुट आय के मुख्य स्रोत होते हैं।

(vii) इस प्रकार की कृषि में शस्यावर्तन एवं अन्तःफसली कृषि मिट्टी की उर्वरता को बनाए रखने में महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं।

अथवा का उत्तर

डेयरी कृषि की प्रमुख विशेषताएँ निम्नलिखित हैं—

(i) डेयरी कृषि अर्थात् व्यवसाय दुधारू पशुओं के पालन-पोषण का सर्वाधिक उन्नत एवं दक्ष प्रकार है।

(ii) इस प्रकार की कृषि में पूँजी की भी अधिक आवश्यकता होती है। पशुओं के लिए छप्पर, घास संचित करने के भण्डार एवं दुग्ध उत्पादन में अधिक यन्त्रों के प्रयोग के लिए पूँजी अधिक चाहिए।

(iii) इसमें पशुओं के स्वास्थ्य, प्रजनन एवं पशु चिकित्सा पर भी अधिक ध्यान दिया जाता है।

(iv) डेयरी कृषि में गहन श्रम की आवश्यकता होती है। पशुओं को चराने, दूध निकालने आदि कार्यों के लिए वर्ष-भर श्रम की आवश्यकता होती है क्योंकि फसलों के समान इनमें कोई अन्तराल नहीं होता, जिसमें श्रम की आवश्यकता न हो।

(v) डेयरी कृषि का कार्य नगरीय एवं औद्योगिक केन्द्रों के समीप किया जाता है क्योंकि ये क्षेत्र ताजा दूध एवं अन्य डेयरी उत्पाद के अच्छे बाजार होते हैं।

उत्तर 15. जैव-ऊर्जा—वह ऊर्जा, जिसे जैविक उत्पादों, जैसे—कृषि अवशेष, नगरपालिका, औद्योगिक तथा अन्य अपशिष्टों के द्वारा प्राप्त किया जाता

YouTube channel RK study point 99

है, जैव ऊर्जा कहलाती है। जैव ऊर्जा, ऊर्जा परिवर्तन का एक संभावित स्रोत है। इसे विद्युत ऊर्जा, ताप ऊर्जा अथवा खाना पकाने के लिए गैस में परिवर्तित किया जा सकता है। इस ऊर्जा के उत्पादन से एक ओर अपशिष्ट व कूड़ा-करकट का सुचारु रूप से निपटान होगा, तो दूसरी तरफ इससे उपयोगी ऊर्जा की भी प्राप्ति होती है।

यह विकासशील देशों के ग्रामीण क्षेत्रों के आर्थिक जीवन को भी बेहतर बनाएगी तथा पर्यावरण प्रदूषण घटाएगी, उनकी आत्मनिर्भरता बढ़ाएगी तथा जलाऊ लकड़ी पर दबाव कम करेगी। वर्तमान में नगरपालिका कचरे को ऊर्जा में बदलने वाली ऐसी ही एक परियोजना नई दिल्ली के ओखला में स्थित है।

अथवा का उत्तर

खनिज संसाधनों का संरक्षण—वर्तमान में संसाधन उपयोग के परंपरागत तरीकों के परिणामस्वरूप बड़ी मात्रा में अपशिष्ट के साथ-साथ अन्य पर्यावरणीय समस्याएँ भी उत्पन्न हो रही हैं। अतएव सतत् पोषणीय विकास के द्वारा मानव की भावी पीढ़ियों के लिए संसाधनों का संरक्षण अनिवार्य है। अतः खनिज संसाधनों के संरक्षण के लिए निम्न उपाय अपनाये जा सकते हैं—

(i) ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोत, जैसे—सौर ऊर्जा, पवन, तरंग, भूतापीय आदि ऊर्जा के असमाप्य स्रोत हैं। अतः इनका अधिकाधिक विकास किया जाना चाहिए।

(ii) धात्विक खनिजों के मामले में, छाजन धातुओं का उपयोग, धातुओं का पुनर्चक्रण संभव कर सकता है। तांबा, सीसा और जस्ता जैसी धातुओं में, जिनमें भारत के भंडार अपर्याप्त हैं, छाजन (स्क्रैप) का प्रयोग विशेष रूप से सार्थक है।

(iii) अति अल्प धातुओं के लिए प्रतिस्थापनों का उपयोग भी उनकी खपत को घटा सकता है।

(iv) सामरिक और अत्यल्प खनिजों के निर्यात को घटाना चाहिए ताकि वर्तमान आरक्षित भंडारों का लंबे समय तक प्रयोग किया जा सके।

उत्तर 16. कृषि योग्य व्यर्थ भूमि—वह भूमि, जो पिछले पाँच वर्षों तक या अधिक समय तक परती या कृषि रहित है, इस संवर्ग में सम्मिलित की जाती है। भूमि उद्धार तकनीक द्वारा कृषि योग्य व्यर्थ भूमि में सुधार कर कृषि योग्य बनाया जा सकता है।

वर्तमान परती भूमि—वह भूमि, जो एक कृषि वर्ष या इससे कम समय के लिए कृषि रहित छोड़ी जाती है, वर्तमान परती भूमि कहलाती है। भूमि की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए भूमि को कुछ समय के लिए परती रखना एक सांस्कृतिक चलन है। इस प्रकार परती छोड़ने से भूमि की क्षीण हुई उर्वरकता या पौष्टिकता प्राकृतिक रूप से भूमि में वापस आ जाती है।

पुरातन परती भूमि—यह भी कृषि योग्य भूमि होती है। जब भूमि को एक वर्ष से अधिक लेकिन पाँच वर्षों से कम समय के लिए कृषि रहित रखा जाता है, तो वह भूमि पुरातन परती भूमि कहलाती है।

अथवा का उत्तर

भारत में निवल बोए क्षेत्र में बढ़ोतरी की सम्भावनाएँ बहुत ही सीमित हैं। इस कारण वर्तमान में भूमि बचत प्रौद्योगिकी विकसित करना सर्वप्रमुख आवश्यकता है। भूमि बचत प्रौद्योगिकी को मूलतः दो भागों में वर्गीकृत किया जा सकता है—

YouTube channel RK study point

(1) वह प्रौद्योगिकी जो प्रति इकाई भूमि में बोई गई फसल विशेष
उत्पादकता को बढ़ाए।

(2) वह प्रौद्योगिकी जो एक कृषि वर्ष में गहन भू-उपयोग से बोई जाने वा
सभी फसलों के उत्पादन को बढ़ाए। इस प्रौद्योगिकी का उपयोग कर सीमित भूमि
भी कुल उत्पादन में वृद्धि करने के साथ-साथ श्रमिकों की माँग को भी पर्याप्त रूप
बढ़ाया जा सकता है।

भारत जैसे देशों में कृषि भूमि की कमी है, परन्तु श्रम की अधिकता पाई जाती है
अत: ऐसी स्थिति में फसल गहनता की आवश्यकता भू-उपयोग के साथ-साथ ग्रामी
क्षेत्रों में बेरोजगारी जैसी आर्थिक समस्याओं को भी कम करने के लिए आवश्यक है।

खण्ड-द

उत्तर 17. चलवासी पशुचारण और वाणिज्य पशुधन पालन में अन्तर

चलवासी पशुचारण	वाणिज्य पशुधन पालन
1. चलवासी पशुचारण पुरानी दुनिया के देशों तक ही सीमित है।	वाणिज्य पशुधन पालन मुख्य रूप से नई दुनिया के देशों में प्रचलित है।
2. चलवासी पशुचारण के अन्तर्गत पशुचारक चारे तथा जल की खोज में एक स्थान से दूसरे स्थान तक घूमते रहते हैं।	वाणिज्य पशुधन पालन एक निश्चित स्थान पर बाड़ों में किया जाता है और उनके चारे की व्यवस्था स्थानीय रूप से की जाती है।
3. चलवासी पशुचारण की पद्धति में पशु प्राकृतिक रूप से जन्म लेते हैं तथा बड़े होते हैं तथा उनकी विशेष देखभाल नहीं की जाती है।	वाणिज्य पशुधन में पशुओं को वैज्ञानिक पद्धति के अनुसार पाला जाता है तथा उनकी विशेष देखभाल की जाती है।
4. चलवासी पशुचारक एक ही समय पर विभिन्न प्रकार के पशु रखते हैं।	व्यापारिक अर्थात् वाणिज्यिक पशुपालक उसी विशेष पशु को पालता है जिसके लिए क्षेत्र अत्यन्त अनुकूल होता है।
5. चलवासी पशुचारण एक जीवन निर्वाह पद्धति है जिसमें स्थानीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए भोजन, वस्त्र, आवास तथा जीवन की अन्य सुविधाएँ जुटाई जाती हैं।	वाणिज्य पशुधन पालन में दूध, मांस, ऊन व खालों आदि का उत्पादन होता है जिनका अन्य क्षेत्रों के साथ व्यापार किया जाता है।
6. चलवासी पशुचारण पद्धति में चारे की फसल नहीं उगाई जाती तथा पशुओं को पूरी तरह प्राकृतिक रूप से उगने वाली घास पर ही निर्भर रहना पड़ता है।	वाणिज्य पशुधन पालन में प्राकृतिक घास की कमी होने की अवस्था में चारे की फसलें उगाकर पूर्ति की जाती है।

YouTube channel GK study point 99

7. चलवासी पशुचारण एक प्राचीन जीवन निर्वाह व्यवसाय है, जो मुख्यत: मानवीय श्रम प्रधान होता है।	वाणिज्य पशुधन पालन वैज्ञानिक ढंग से किया जाने वाला एक व्यवस्थित एवं पूँजी प्रधान व्यवसाय है।
8. चलवासी पशुचारण के विश्व में तीन प्रमुख क्षेत्र हैं, यथा—इसका प्रमुख क्षेत्र उत्तरी अफ्रीका के एटलाण्टिक तट से अरब प्रायद्वीप होता हुआ मंगोलिया एवं मध्य चीन तक फैला है। दूसरा क्षेत्र यूरोप तथा एशिया के टुण्ड्रा प्रदेश में है जबकि तीसरा क्षेत्र दक्षिणी गोलार्द्ध में दक्षिणी-पश्चिमी अफ्रीका एवं मेडागास्कर द्वीप पर है।	वाणिज्य पशुधन पालन विश्व में न्यूजीलैण्ड, अर्जेन्टाइना, उरुग्वे, आस्ट्रेलिया एवं संयुक्त राज्य अमेरिका में किया जाता है।

अथवा का उत्तर

सहकारी कृषि	सामूहिक कृषि
1. जब किसानों का एक समूह अपनी कृषि से अधिक लाभ कमाने के लिए स्वेच्छा से सहकारी संस्था बनाकर कृषि कार्य करे तो उसे सहकारी कृषि कहते हैं। इसमें व्यक्तिगत फार्म अक्षुण्ण रहते हुए सहकारी रूप में कृषि की जाती है।	सामूहिक कृषि का आधारभूत सिद्धान्त यह है कि इसमें उत्पादन के साधनों का स्वामित्व सम्पूर्ण समाज एवं सामूहिक श्रम पर आधारित होता है। कृषि का यह प्रकार पूर्व सोवियत संघ में प्रारम्भ हुआ था जहाँ कृषि की दशा सुधारने एवं उत्पादन में वृद्धि व आत्मनिर्भरता प्राप्ति के लिए सामूहिक कृषि शुरू की गई।
2. सहकारी संस्था किसानों की सभी रूप से सहायता करती है। यह सहायता कृषि कार्य में आने वाली सभी वस्तुओं की खरीद करने, कृषि उत्पाद को उचित मूल्य पर बेचने एवं सस्ती दरों पर प्रसंस्कृत साधनों को जुटाने के लिए होती है।	इस प्रकार की कृषि में सभी किसान अपने संसाधन यथा भूमि, पशुधन एवं श्रम आदि को मिलाकर कृषि कार्य करते थे। ये अपनी दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए भूमि का छोटा-सा भाग अपने अधिकार में भी रखते थे। सरकार उत्पादन का वार्षिक लक्ष्य निर्धारित करती थी तथा उत्पादन को सरकार ही निर्धारित मूल्य पर खरीदती थी। लक्ष्य से अधिक उत्पन्न होने वाला भाग सभी सदस्यों को वितरित कर दिया जाता था या बेच दिया जाता था।

YouTube channel RK study point 99

3. सहकारी आन्दोलन एक शताब्दी पूर्व शुरू हुआ था। यह पश्चिमी यूरोप के डेनमार्क, नीदरलैण्ड, बेल्जियम, स्वीडन तथा इटली में सफलतापूर्वक संचालित किया गया। डेनमार्क में यह आन्दोलन सर्वाधिक सफल रहा, जहाँ व्यावहारिक इस आन्दोलन का सदस्य है।	इस प्रकार की कृषि में उत्पादन एवं भाड़े पर ली गई मशीनों पर किसान को कर चुकाना पड़ता था। सभी सद को उनके द्वारा किये गये कार्य की प्रकृ के आधार पर भुगतान किया जाता थ असाधारण कार्य करने वाले सदस्य क नकद या माल के रूप में पुरस्कृत कि जाता था। पूर्व सोवियत संघ की समाजवादी सरकार ने इसे प्रारम्भ कि जिसे अन्य समाजवादी देशों ने भी अपनाया। सोवियत संघ के विघटन उपरान्त इस प्रकार की कृषि में संशोध किया गया है।

उत्तर 18. भारत में उत्पादित दो मोटे अनाज—(i) ज्वार—देश के कुल ब गए क्षेत्र के 16.5% भाग पर ज्वार बोया जाता है। यह दक्षिण व मध्य भारत अर्द्ध-शुष्क क्षेत्रों की प्रमुख खाद्य फसल है। महाराष्ट्र राज्य अकेला, देश की आधे अधिक ज्वार का उत्पादन करता है। अन्य प्रमुख उत्पादक राज्य कर्नाटक, मध्य प्रदे तेलंगाना तथा आंध्रप्रदेश हैं।

दक्षिण राज्यों में यह खरीफ तथा रबी दोनों ऋतुओं में बोया जाता है। परन्तु उ भारत में यह खरीफ की फसल है तथा मुख्यत: चारा फसल के रूप में उगायी ज है। विंध्याचल के दक्षिण में यह वर्षा आधारित फसल है तथा यहाँ इसकी उत्पादक कम है।

(ii) बाजरा—भारत के पश्चिम तथा उत्तर-पश्चिम भागों में गर्म तथा शु जलवायु में बाजरा बोया जाता है। यह फसल इस क्षेत्र के शुष्क दौर तथा सूखा स करने में समर्थ है। यह एकल तथा मिश्रित फसल के रूप में बोया जाता है। यह फस देश के कुल बोये क्षेत्र के लगभग 5.2% पर बोई जाती है।

बाजरा उत्पादक प्रमुख राज्य महाराष्ट्र, गुजरात, उत्तरप्रदेश, राजस्थान व हरिया हैं। वर्षा निर्भर फसल होने के कारण राजस्थान में इसकी उत्पादकता कम है तथा इस उतार-चढ़ाव है। कुछ वर्षों से सूखा प्रतिरोधक किस्मों के आगमन से तथा गुजरात हरियाणा में सिंचाई सुविधाओं के विस्तार से इस फसल की पैदावार में वृद्धि हुई

अथवा का उत्तर

भारत में चावल की कृषि तथा उसके उत्पादक क्षेत्र

चावल एक उष्ण आर्द्र कटिबंधीय फसल है, जो विभिन्न कृषि जलवायु प्रदेशों उगाई जाती है। भारत विश्व का 22.07% चावल (2018) उत्पादन करता है त चीन के बाद भारत का विश्व में दूसरा स्थान है। देश के कुल बोए क्षेत्र के एक-चौथ भाग पर चावल बोया जाता है। देश के प्रमुख चावल उत्पादक राज्य पश्चिम बंगाल पंजाब, उत्तरप्रदेश हैं।

चावल की प्रति हेक्टेयर पैदावार पंजाब, तमिलनाडु, हरियाणा, आंध्रप्रदेश, तेलंगान

YouTube channel Rk study point 99

त्तम बंगाल तथा केरल राज्यों में अधिक है। दक्षिण राज्यों तथा पश्चिम बंगाल में वायु अनुकूलता के कारण एक कृषि वर्ष में चावल की दो या तीन फसलें बोई जाती पश्चिम बंगाल में चावल की तीन किस्में—औस, अमन तथा बोरो पैदा की जाती हैं। पंजाब व हरियाणा पारंपरिक रूप से चावल उत्पादक राज्य नहीं हैं। हरित क्रांति अन्तर्गत इन राज्यों के सिंचित क्षेत्रों में चावल की कृषि 1970 से प्रारंभ की गई थी। की प्रति हैक्टेयर पैदावार मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ व उड़ीसा के वर्षा पर निर्भर क्षेत्रों बहुत कम है।

भारत में गेहूँ की कृषि तथा उसके प्रमुख उत्पादक क्षेत्र

भारत में चावल के बाद गेहूँ दूसरा प्रमुख अनाज है। भारत विश्व का 12.8% उत्पादन करता है (2018)। यह मुख्यतः शीतोष्ण कटिबंधीय फसल है। अतः शरद् अर्थात् खरीफ ऋतु में बोया जाता है। इस फसल का 85% क्षेत्र भारत के री मध्य भाग तक केन्द्रित है अर्थात् उत्तर गंगा का मैदान, मालवा पठार तथा मालय पर्वतीय श्रेणी में 2700 मीटर ऊँचाई तक का क्षेत्र है। रबी फसल होने के रण यह सिंचाई वाले क्षेत्रों में ही उगाया जाता है, लेकिन हिमालय के उच्च भागों में ा मध्य प्रदेश के मालवा के पठारी क्षेत्र में यह वर्षा पर निर्भर फसल है।

देश के कुल बोये क्षेत्र के लगभग 14% भाग पर गेहूँ की कृषि की जाती है। गेहूँ के च प्रमुख उत्पादक राज्य उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, पंजाब, हरियाणा तथा राजस्थान हैं। पंजाब हरियाणा में गेहूं की उत्पादकता (4000 किग्रा. प्रति हेक्टेयर) अधिक है जबकि त्तरप्रदेश, राजस्थान व बिहार में प्रति हेक्टेयर मध्यम स्तर की है। मध्यप्रदेश, हिमाचल प्रदेश जम्मू कश्मीर में गेहूँ की कृषि वर्षा आधारित है तथा उत्पादकता कम है।

खण्ड-य

उत्तर 19.

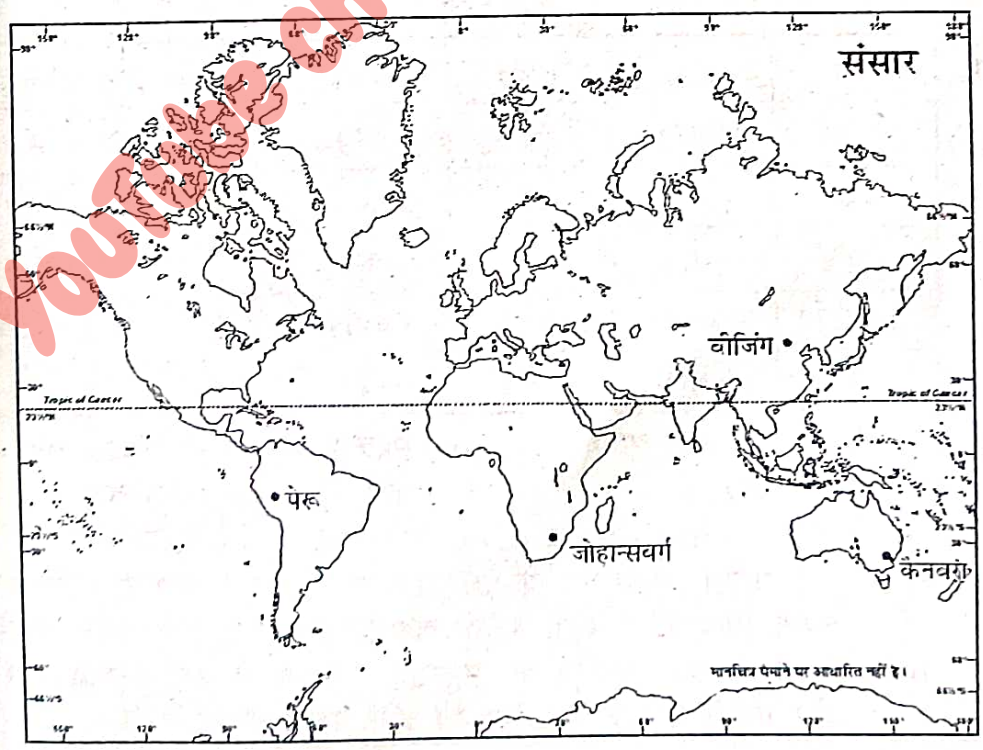

YouTube channel RK Study Point 99

उत्तर 20.

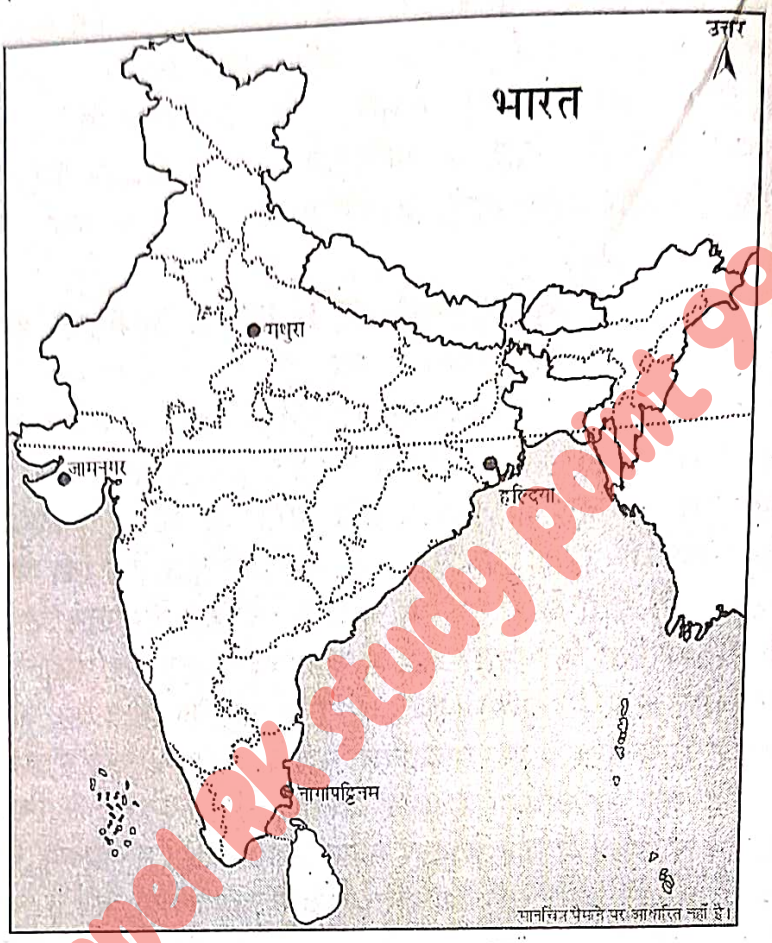

मॉडल पेपर-8

खण्ड-अ

उत्तर 1.

(i)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)	(vi)
(अ)	(अ)	(द)	(ब)	(ब)	(अ)
(vii)	(viii)	(ix)	(x)	(xi)	(xii)
(द)	(स)	(ब)	(ब)	(ब)	(द)
(xiii)	(xiv)	(xv)	(xvi)		
(अ)	(अ)	(द)	(ब)		

उत्तर 2. (i) उत्प्रवासी (ii) वाणिज्य (iii) सरकार (iv) पश्चिमी तट
(v) जनवरी, 1995 (vi) तीन (vii) विस्तार
(viii) नदी (ix) मैंगनीज (x) प्रादेशिक

उत्तर 3. (i) जब मानव वातावरण के अनुसार स्वयं अपने आपको परिवर्तित करके क्रियाशील होता है, तो वह स्थिति अनुकूलन कहलाती है।

(ii) राल्फ वाल्डो इमरसन के अनुसार, "स्वर्ण से नहीं अपितु स्त्रियों और पुरुषों से एक राष्ट्र मजबूत और महान बनता है।"

YouTube channel RK study point 99

(iii) (1) मानव विकास सूचकांक वितरण के संबंध में मौन है।
(2) यह मानव गरीबी का सही मापक नहीं है।

(iv) रूस में की जाने वाली सामूहिक कृषि को कोलखहोज कहते हैं।

(v) (1) लेखाकार (2) परामर्शदाता

(vi) भारत में 1969 में मुम्बई के निकट तारापुर में पहला परमाणु शक्ति केन्द्र लगाया गया था।

(vii) औद्योगिक नगरो में जब प्रदूषित गैसें व प्रदूषक तत्त्व सामान्य रूप से पड़ने वाले कोहरे से मिल जाते हैं तो उसे धूम्र कोहरा कहते हैं।

खण्ड-ब

उत्तर 4. नवनिश्चयवाद संकल्पना प्रकृति एवं मानवीय क्रियाओं के मध्य एक सन्तुलन बनाने का प्रयास करती है। यह संकल्पना हमें बताती है कि किसी प्रदेश के विकास की योजना प्रकृति के साथ सामंजस्य या समन्वय करते हुए बनानी चाहिए अन्यथा हमें कई पर्यावरणीय समस्याओं का सामना करना पड़ेगा तथा इससे पर्यावरण को हानि पहुँचेगी।

उत्तर 5. डॉ. महबूब-उल-हक के अनुसार मानव विकास लोगों के विकल्पों में वृद्धि करता है तथा उनके जीवन में सुधार लाता है। सभी प्रकार के विकास का केन्द्र बिन्दु मानव है। इनके विकल्प स्थिर नहीं हैं, अपितु परिवर्तनशील हैं। विकास का मूल उद्देश्य ऐसी दशाओं को उत्पन्न करना है जिसमें लोग सार्थक जीवन व्यतीत कर सकें, लोग स्वस्थ हों, अपने विवेक और बुद्धि का विकास कर सकें तथा अपने उद्देश्य को पूरा करने में स्वतन्त्र हों।

उत्तर 6. (i) रोपण कृषि में कृषि क्षेत्र का आकार बहुत विस्तृत होता है।

(ii) रोपण कृषि में अधिक पूँजी निवेश, उच्च प्रबन्ध एवं तकनीकी आधार एवं वैज्ञानिक विधियों का प्रयोग किया जाता है।

(iii) रोपण कृषि एक फसली कृषि है जिसमें किसी एक फसल के उत्पादन पर ही संकेन्द्रण किया जाता है।

(iv) रोपण कृषि के क्षेत्रों में सस्ते श्रमिक आसानी से मिल जाते हैं।

(v) रोपण कृषि के क्षेत्रों में यातायात विकसित होता है जिसके द्वारा बागान तथा बाजार सुचारु रूप से जुड़े रहते हैं।

उत्तर 7. (i) स्वच्छन्द उद्योग व्यापक विविधता वाले स्थानों में स्थित होते हैं।

(ii) ये उद्योग किसी विशिष्ट कच्चे माल, जिनके भार में कमी हो रही है अथवा नहीं, पर निर्भर नहीं रहते हैं।

(iii) ये उद्योग संघटक पुरजों पर निर्भर रहते हैं जो कहीं से भी प्राप्त किए जा सकते हैं।

(iv) इन उद्योगों में उत्पादन कम मात्रा में होता है एवं श्रमिकों की भी कम आवश्यकता होती है।

(v) सामान्य रूप से ये उद्योग प्रदूषण नहीं फैलाते हैं।

उत्तर 8. परिवहन व्यवस्थाओं के विकास के साथ ही विभिन्न स्थान आपस में जुड़कर जाल तन्त्र की रचना करते हैं। ये जाल तन्त्र योजक से मिलकर बनते हैं। दो अथवा अधिक मार्गों का संधिस्थल एक उद्गम बिन्दु, एक गंतव्य बिन्दु अथवा मार्ग के सहारे कोई बड़ा कस्बा नोड होता है। प्रत्येक सड़क जो कि दो नोडों को आपस

YouTube channel RK study point 99

में जोड़ती है, जोड़क कहलाती है। एक विकसित जाल तन्त्र में अनेक जोड़क होते हैं जिसका आशय यह होता है कि स्थान सुसम्बद्ध है।

उत्तर 9. सन् 2001 की जनगणना के अनुसार भारत की जनसंख्या 102.8 करोड़ थी जो 2011 में बढ़कर 121.02 करोड़ हो गई। भारत विश्व में चीन के बाद दूसरा सबसे बड़ा बसा हुआ देश है। भारत की जनसंख्या उत्तरी अमेरिका, दक्षिणी अमेरिका तथा आस्ट्रेलिया को मिलाकर इनकी कुल जनसंख्या से भी अधिक है। विश्व की कुल जनसंख्या की 17.5 प्रतिशत से भी अधिक जनसंख्या भारत में निवास करती है। इस प्रकार जनसंख्या की दृष्टि से भारत विश्व का दूसरा सबसे बड़ा देश है।

उत्तर 10. **परिक्षिप्त बस्तियाँ**—भारत में परिक्षिप्त अथवा एकाकी बस्तियाँ प्रारूप सुदूर जंगलों में एकाकी झोंपड़ियों अथवा कुछ झोंपड़ियों की पल्ली अथवा छोटी पहाड़ियों की ढालों पर खेतों अथवा चरागाहों के रूप में दिखाई पड़ता है। बस्ती का चरम विक्षेपण प्रायः भू-भाग और निवास योग्य क्षेत्रों के भूमि संसाधन आधार की अत्यधिक विखंडित प्रकृति के कारण होता है। मेघालय, उत्तराखण्ड, हिमाचल प्रदेश और केरल के अनेक भागों में बस्ती का यह प्रकार पाया जाता है।

उत्तर 11. **कडल**—केरल राज्य में स्थित पश्च जल, कडल कहलाता है। कडल का अंतःस्थलीय जलमार्गों में अपना एक विशिष्ट महत्त्व है। ये परिवहन का सस्ता साधन उपलब्ध कराने के साथ-साथ केरल में भारी संख्या में पर्यटकों को भी आकर्षित करते हैं। यहाँ की प्रसिद्ध 'नेहरू ट्रॉफी नौकादौड़' (वल्लामकाली) भी पश्च जल में आयोजित की जाती है।

उत्तर 12. (i) यह एक सुरक्षित व प्राकृतिक बन्दरगाह है।

(ii) इस पत्तन को देश के पश्चिमी एवं उत्तर-पश्चिमी भाग की जरूरतों को पूरा करने और मुम्बई पत्तन पर दबाव को घटाने के लिए एक प्रमुख पत्तन के रूप में विकसित किया गया है।

(iii) इस पत्तन को विशेष रूप से भारी मात्रा में पेट्रोलियम, पेट्रोलियम उत्पादों, उर्वरकों को ग्रहण करने के लिए बनाया गया है।

उत्तर 13. **नगरीय अपशिष्ट निपटान**—नगरीय अपशिष्ट को कूड़ा-करकट, रद्दी, गंदगी एवं कबाड़ भी कहा जाता है। इसकी प्राप्ति दो स्रोतों से होती है—घरेलू प्रतिष्ठानों से एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानों से।

घरेलू कचरे को या तो सार्वजनिक भूमि पर या निजी ठेकेदारों के स्थलों पर डाला जाता है जबकि औद्योगिक या व्यावसायिक इकाइयों के कचरे का संग्रहण एवं निपटान जन सुविधाओं (नगरपालिकाओं) के द्वारा निचली सतह की सार्वजनिक जमीन (गड्ढों) पर निस्तारित किया जाता है।

खण्ड-स

उत्तर 14. भारत में चिकित्सा पर्यटन को बढ़ाने हेतु निम्न प्रयास किये जा सकते हैं—

(1) भारत में चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार किया जाना चाहिए। विशेष रूप से दर्शनीय प्राकृतिक स्थलों पर बड़े अस्पतालों का निर्माण किया जाना चाहिए।

(2) हमारे चिकित्सकों को अत्याधुनिक तकनीकों में प्रशिक्षित किया जाना चाहिए ताकि देशी-विदेशी पर्यटक आकर्षित हो सकें।

YouTube channel RK study point 99

(3) हमें देश के साथ-साथ विदेशों में भी हमारी चिकित्सा पर्यटन की सुविधाओं का प्रचार-प्रसार करना चाहिए।

(4) भारत को अपनी चिकित्सा सुविधाओं की गुणवत्ता में वृद्धि के प्रयास करने होंगे।

(5) चिकित्सा पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु अन्य आधारभूत ढाँचे यथा—जल, विद्युत, सड़कें, संचार व परिवहन साधन आदि का विकास एवं विस्तार करना चाहिए।

(6) हमें चिकित्सकों एवं अन्य सहायक कर्मियों की संख्या में वृद्धि करनी होगी, विशेष रूप से शल्यकर्मियों की संख्या में काफी वृद्धि करनी होगी।

अथवा का उत्तर

फुटकर व्यापार—फुटकर व्यापार वह व्यापारिक क्रियाकलाप है जो उपभोक्ताओं को वस्तुओं के प्रत्यक्ष विक्रय से सम्बन्धित है अर्थात् इसमें फुटकर विक्रेता सीधे उपभोक्ताओं को वस्तुएँ एवं सेवाएँ उपलब्ध करवाते हैं। अधिकांश फुटकर व्यापार केवल विक्रय से नियत प्रतिष्ठानों और भण्डारों में सम्पन्न होता है। फेरी, रेहड़ी, ट्रक, द्वार से द्वार, डाक आदेश, दूरभाष, स्वचालित बिक्री मशीनें तथा इंटरनेट फुटकर बिक्री के भण्डार रहित उदाहरण हैं।

फुटकर व्यापार में वृहत स्तर पर सबसे पहले नवाचार लाने वाले उपभोक्ता सहकारी समुदाय थे। ये निम्न हैं—

विभागीय भण्डार वस्तुओं की खरीद और भण्डारों के विभिन्न अनुभागों में बिक्री के सर्वेक्षण के लिए विभागीय प्रमुखों को उत्तरदायित्व और प्राधिकार सौंप देते हैं।

शृंखला भण्डार अत्यधिक मितव्ययता से व्यापारिक माल खरीद पाते हैं, यहाँ तक कि अपने विनिर्देश पर सीधे वस्तुओं का विनिर्माण करा लेते हैं। वे अनेक कार्यकारी कार्यों में अत्यधिक कुशल विशेषज्ञ नियुक्त कर लेते हैं। उनके पास एक भण्डार के अनुभव के परिणामों को अनेक भण्डारों में लागू करने की योग्यता होती है।

उत्तर 15. (1) ओडिशा—यह भारत का सबसे बड़ा लौह अयस्क उत्पादक राज्य है। इस राज्य में लौह अयस्क सुन्दरगढ़, मयूरभंज, झार स्थित पहाड़ी शृंखलाओं में पाया जाता है। यहाँ की महत्त्वपूर्ण खदानें—गुरुमहिसानी, सुलाएपत, बादामपहाड़ (मयूरभंज), किरुबुरु (केन्दुझार) एवं बोनाई (सुन्दरगढ़) हैं।

(2) झारखण्ड—यह लौह अयस्क उत्पादन में देश का दूसरा बड़ा राज्य है। इस राज्य में सिंहभूमि, मातृभूमि, हजारीबाग आदि लौह उत्पादक जिले हैं एवं नोआमंडी और गुआ प्रमुख खदानें हैं।

(3) छत्तीसगढ़—इस राज्य में दुर्ग, दांतेवाड़ा और बस्तर जिलों में उच्च किस्म के लौह अयस्क का खनन किया जाता है। बस्तर जिले में बेलाडीला-रावघाट श्रेणी तथा डल्ली व दुर्ग जिलों में राजहरा श्रेणी की खदानें देश की महत्त्वपूर्ण लौह अयस्क खदानें हैं।

अथवा का उत्तर

सौर ऊर्जा—सूर्य से ऊष्मा एवं प्रकाश के रूप में प्राप्त ऊर्जा, सौर ऊर्जा कहलाती है। सौर ऊर्जा का उपयोग दो विधियों से किया जाता है—फोटोवोल्टिक विधि एवं सौर तापीय विधि।

YouTube channel RK study point 09

फोटोवोल्टाइक सेलों में विपाशित सूर्य की किरणों को ऊर्जा में परिवर्तित किया जा सकता है, जिसे सौर ऊर्जा कहा जाता है।

अन्य सभी अनवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों की अपेक्षा सौर-तापीय विधि अधिक लाभप्रद है। यह लागत प्रतिस्पर्धी, पर्यावरण अनुकूल तथा निर्माण में आसान है। सौर ऊर्जा कोयला अथवा तेल आधारित संयंत्रों की अपेक्षा 7% अधिक और नाभिकीय ऊर्जा से 10% अधिक प्रभावी है। यह सामान्यतः हीटरों, फसल शुष्ककों (Crop dryer), कुकर्स (Cookers) आदि जैसे उपकरणों में अधिक प्रयोग की जाती है। भारत के पश्चिमी भागों गुजरात व राजस्थान में सौर ऊर्जा के विकास की अधिक संभावनाएँ हैं।

उत्तर 16. अलवणीय जल की उपलब्धता स्थान और समय के अनुसार भिन्न-भिन्न है। वर्तमान में इसकी घटती उपलब्धता एवं बढ़ती माँग के कारण इस दुर्लभ संसाधन के आवंटन और नियन्त्रण पर तनाव तथा लड़ाई-झगड़े सम्प्रदायों, प्रदेशों और राज्यों के मध्य विवाद का आम विषय बन गए हैं। अतः विकास को सुनिश्चित करने के लिए इस महत्त्वपूर्ण जीवनदायी संसाधन के संरक्षण और प्रबन्धन की आवश्यकता बढ़ गई है।

जल संरक्षण हेतु जल बचत तकनीकी और विधियों के विकास के साथ प्रदूषण से बचाव के प्रयास भी करने चाहिए। इस हेतु जल-संभर विकास, वर्षा जल संग्रहण, जल के पुनः चक्रण और पुनः उपयोग तथा लंबे समय तक जल की आपूर्ति के लिए जल के संयुक्त और सीमित उपयोग के लाभों को लोगों को बताकर इसके संरक्षण के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने की आवश्यकता है।

अथवा का उत्तर

देश के उत्तरी विशाल मैदान मूलतः गंगा-सतलज नदी बेसिन में स्थित हैं। इस बेसिन में मुख्यतः रन्ध्र युक्त कोमल चट्टान व जलोढ़ मृदा की प्रधानता है। अतः इस क्षेत्र में जल के आसानी से रिस कर नीचे चले जाने के कारण भूगर्भिक जल की उपलब्धता अधिक है। इसके विपरीत प्रायद्वीपीय भारत में चट्टानी धरातल की प्रधानता है, जिस कारण जल रिसाव बहुत ही धीमी गति से होता है। भूमिगत जल की अधिकता के कारण उत्तरी विशाल मैदानों में कुएँ व नलकूप की भी अधिकता है, जिस कारण सिंचाई आसानी से की जा सकती है। इसके अतिरिक्त इस क्षेत्र में नित्यवाही नदियों की उपस्थिति के कारण नहरी तन्त्र भी विकसित हैं, जो सिंचाई में सहायक हैं, जबकि प्रायद्वीपीय भारत में मौसमी नदियों एवं धरातलीय जल की कमी के कारण सिंचाई अपेक्षाकृत कम विकसित है।

खण्ड-द

उत्तर 17. विश्व परिवहन की प्रमुख विधाएँ स्थल, जल, वायु और पाइपलाइन हैं। इनका प्रयोग अंतर्प्रादेशिक तथा अंतरा-प्रादेशिक परिवहन के लिए किया जाता है। पाइपलाइन को छोड़कर शेष तीनों परिवहन विधाओं का उपयोग यात्रियों एवं माल के परिवहन के लिए किया जाता है।

एक सुप्रबंधित परिवहन तंत्र में ये सभी विधाएँ एक-दूसरे की संपूरक होती हैं। वस्तुओं के अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर परिवहन के लिए जलयान तथा वायुयान का उपयोग किया जाता है। अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर कम मूल्यवान तथा भारी वस्तुओं के परिवहन के लिए जल परिवहन को प्राथमिकता दी जाती है जबकि अधिक मूल्यवान, हल्की तथा नाशवान वस्तुओं का परिवहन वायुमार्गों द्वारा किया जाता है। इसी प्रकार कम दूरी एवं

YouTube channel RK study point 99

क घर के द्वार से दूसरे घर तक सेवाएँ प्रदान करने में सड़क परिवहन सस्ता एवं ोव्रगामी साधन है जबकि किसी देश के भीतर स्थूल पदार्थों के विशाल भार को म्बी दूरियों तक परिवहन करने के लिए रेल सबसे अनुकूल साधन होता है।

इसी प्रकार द्रवीय भारी पदार्थों के लम्बी दूरी तक परिवहन के लिए पाइप लाइनें सबसे उपयुक्त साधन हैं। वस्तुतः उक्त परिवहन विधाओं की सार्थकता परिवहित की जाने वाली वस्तुओं और सेवाओं के प्रकार, परिवहन की लागतों तथा उपलब्ध विधा अथवा परिवहन साधन पर निर्भर करती है। इसके साथ ही सुप्रबन्धित परिवहन प्रणाली में परिवहन की सभी विधाओं का विकसित होना आवश्यक माना जाता है क्योंकि एक सुप्रबंधित परिवहन तंत्र में परिवहन की सभी विधाएँ एक-दूसरे की सम्पूरक होती हैं।

अथवा का उत्तर

स्वेज नहर तथा पनामा नहर की तुलना

स्वेज नहर	पनामा नहर
1. **स्थिति**—स्वेज नहर मिस्र देश में स्थित है।	पनामा नहर पनामा नगर में स्थित है।
2. **उद्देश्य**—स्वेज नहर का निर्माण 1869 में मिस्र में उत्तर में पोर्ट सईद एवं दक्षिण में स्थित पोर्ट स्वेज के मध्य भूमध्यसागर एवं लालसागर को जोड़ने के लिए किया गया।	पनामा नहर पूर्व में अटलाण्टिक महासागर को पश्चिम में प्रशान्त महासागर से जोड़ती है। इसका निर्माण पनामा जलडमरूमध्य के आर-पार पनामा नगर एवं कोलोन के बीच संयुक्त राज्य अमेरिका के द्वारा किया गया।
3. **अधिकार**—इस नहर पर मिस्र देश का अधिकार है।	इस नहर पर संयुक्त राज्य अमेरिका का अधिकार है।
4. **देश**—इस नहर के आस-पास उन्नत देश स्थित हैं।	इस नहर के आस-पास कम उन्नत देश हैं।
5. **यातायात**—इस नहर में एकतरफा यातायात होता है।	इस नहर में दोनों तरफ यातायात होता है।
6. **जलबंधक**—स्वेज नहर में कोई जलबंधक (Locks) नहीं हैं।	पनामा नहर में कुल छः जलबंधक तंत्र हैं।
7. **प्रभावित होने वाले देश**—स्वेज नहर से यूरोप तथा दक्षिणी एशिया के देशों को अत्यधिक लाभ मिला है। इनमें इंग्लैण्ड, फ्रांस, मिस्र, इजरायल, भारत, श्रीलंका, म्यांमार आदि मुख्य हैं।	पनामा नहर से सबसे अधिक प्रभावित देश संयुक्त राज्य अमेरिका तथा पनामा है। इनके अलावा पश्चिमी यूरोप तथा पूर्वी एवं दक्षिणी-पूर्वी एशिया के देश भी प्रभावित हुए हैं।
8. **लम्बाई एवं गहराई**—इस नहर की लम्बाई 160 किलोमीटर है जो कि 11 से 15 मीटर गहरी है।	इस नहर की लम्बाई 72 किलोमीटर है जो कि लगभग 12 किलोमीटर लम्बी अत्यधिक गहरी कटान से युक्त है।

YouTube channel RK study point 09

9. द्वार—इस नहर में कोई द्वार प्रणाली नहीं है।	इस नहर में जहाज द्वार प्रणाली के द्वारा ही आ-जा सकते हैं।
10. धरातल—इस नहर का धरातल समतल है।	इस नहर का धरातल पहाड़ी है।
11. कर—इस नहर से गुजरने वाले जहाजों को भारी कर चुकाने पड़ते हैं।	इस नहर से गुजरने वाले जहाजों पर कम कर लगते हैं।
12. यातायात भार—इस नहर मार्ग पर अधिक यातायात भार है।	इस नहर मार्ग पर यातायात भार कम है।
13. कोयला—इस नहर मार्ग पर कोयला संसाधन प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है।	इस नहर मार्ग पर कोयला संसाधन कम है।
14. बन्दरगाह—इस मार्ग पर अधिक बन्दरगाह हैं।	इस मार्ग पर कम बन्दरगाह हैं।
15. उपयोग—इस नहर मार्ग का अधिकतर उपयोग इंग्लैण्ड के द्वारा किया जाता है।	इस नहर मार्ग का उपयोग अमेरिका के द्वारा किया जाता है।

उत्तर 18. भारत में जल विद्युत—जलविद्युत एक सस्ता और प्रदूषण मुक्त ऊर्जा का स्रोत है। भारत में कुल विद्युत ऊर्जा के एक-चौथाई भाग की पूर्ति जलविद्युत संयन्त्रों द्वारा ही होती है। जलविद्युत का उत्पादन कई भौगोलिक कारकों पर निर्भर करता है, जैसे—जलविद्युत विकास के लिए ऊँची-नीची तथा ढालू भूमि होनी चाहिए, नदियों में जल की मात्रा अधिक होनी चाहिए ताकि वर्ष-भर निरन्तर जल उपलब्ध हो सके, मार्ग में झीलें होनी चाहिए क्योंकि यह रेत को रोककर मशीनों को खराब होने से बचाती हैं, आदि।

भारत में जलविद्युत उत्पादन की सभी दशाएँ सामान्यत: अनुकूल हैं। देश में कई नित्यवाही नदियाँ हैं, पठारी धरातल व प्राकृतिक झरने हैं। जलविद्युत उत्पादन भारत में आवश्यक भी है क्योंकि देश में कोयले तथा तेल के भण्डार सीमित हैं। उद्योगों के विकेन्द्रीकरण के लिए भी जलविद्युत का उत्पादन आवश्यक है। साधारणत: जलविद्युत उत्पन्न करने के लिए नदियों के जल को रोककर बाँध बनाये जाते हैं। नदी का जल जब बाँध के ऊपरी भाग से बाँध के आधार के पास स्थापित टरबाइन के ब्लेडों पर गिरता है, तो ब्लेड घूर्णन गति करने लगते हैं, जिससे जनित्र द्वारा विद्युत का उत्पादन होता है। कई बार बाँधों के निर्माण से बहुत-सी कृषि योग्य भूमि तथा मानव आवास एवं पारिस्थितिक तन्त्र नष्ट हो जाते हैं। गंगा नदी पर निर्मित टिहरी बाँध तथा नर्मदा नदी पर निर्मित सरदार सरोवर बाँध परियोजनाओं का विरोध इसी प्रकार की समस्याओं के कारण हुआ है।

देश में जलविद्युत का उत्पादन मुख्यत: दक्षिणी पठार पर अधिक है। देश में पहला जलविद्युत गृह कर्नाटक में 'शिव समुद्रम' नामक स्थान पर स्थापित किया गया था। जलविद्युत उत्पादन में कर्नाटक देश में सर्वोच्च स्थान रखता है। देश की कुछ मुख्य जलविद्युत उत्पादन योजनाएँ निम्न प्रकार से हैं—

YouTube channel Pk study point 99

1) महात्मा गाँधी जलविद्युत परियोजना – कर्नाटक
2) शरावती जलविद्युत परियोजना – कर्नाटक
3) कावेरी नदी पर मैटूर परियोजना – तमिलनाडु
4) वायकारा जलविद्युत परियोजना – तमिलनाडु
5) कोयना जलविद्युत परियोजना – महाराष्ट्र
6) भाखड़ा-नांगल परियोजना – पंजाब

अथवा का उत्तर

लौह-अयस्क

भारत में लौह अयस्क के प्रचुर संसाधन हैं। हमारे देश में लौह अयस्क के दो मुख प्रकारों—हेमेटाइट तथा मैग्नेटाइट का प्रमुख रूप से खनन किया जाता है। उच्च णवत्ता के कारण इनकी विश्व-भर में भारी माँग रहती है।

भारत में संचित भंडार—भारत में एशिया के विशालतम लौह अयस्क भंडार ाए जाते हैं। लौह अयस्क के कुल आरक्षित भण्डारों का लगभग 95 प्रतिशत भाग उड़ीसा, झारखंड, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, गोआ, आंध्रप्रदेश तथा तमिलनाडु राज्यों में स्थित है।

प्रमुख उत्पादक क्षेत्र—भारत में लौह अयस्क के प्रमुख उत्पादक क्षेत्र निम्न प्रकार से हैं—

(1) **ओडिशा**—यह भारत का सबसे बड़ा लौह अयस्क उत्पादक राज्य है। इस राज्य में लौह अयस्क सुन्दरगढ़, मयूरभंज, झार स्थित पहाड़ी शृंखलाओं में पाया जाता है। यहाँ की महत्त्वपूर्ण खदानें—गुरुमहिसानी, सुलाएपत, बादामपहाड़ (मयूरभंज), किरुबुरु (केन्दुझार) एवं बोनाई (सुन्दरगढ़) हैं।

(2) **झारखण्ड**—यह लौह अयस्क उत्पादन में देश का दूसरा बड़ा राज्य है। इस राज्य में सिंहभूमि, मातृभूमि, हजारीबाग आदि लौह उत्पादक जिले हैं एवं नोआमंडी और गुआ प्रमुख खदानें हैं।

(3) **छत्तीसगढ़**—इस राज्य में दुर्ग, दांतेवाड़ा और बस्तर जिलों में उच्च किस्म के लौह अयस्क का खनन किया जाता है। बस्तर जिले में बेलाडीला-रावघाट श्रेणी तथा डल्ली व दुर्ग जिलों में राजहरा श्रेणी की खदानें देश की महत्त्वपूर्ण लौह अयस्क खदानें हैं।

(4) **कर्नाटक**—इस राज्य में लौह अयस्क के निक्षेप बेलारी जिले के संदूर-होस्पेट क्षेत्र में, चिकमगलूर जिले की बाबा बुदन पहाड़ियों और कुद्रेमुख, शिमोगा, चित्रदुर्ग तथा तुमकुर जिलों के कुछ भागों में पाए जाते हैं।

(5) **महाराष्ट्र**—इस राज्य के चन्द्रपुर, भंडारा और रत्नागिरी जिलों में लौह अयस्क निक्षेप पाए जाते हैं।

(6) **अन्य राज्य**—तेलंगाना के करीम नगर, वारांगल; आन्ध्रप्रदेश के कुरुनूल, कडप्पा तथा अनन्तपुर जिले में; तमिलनाडु राज्य के सेलम तथा नीलगिरी जिलों में एवं गोआ में लौह अयस्क के निक्षेप पाए जाते हैं।

Youtube channel RK study point 99

खण्ड-य

उत्तर 19.

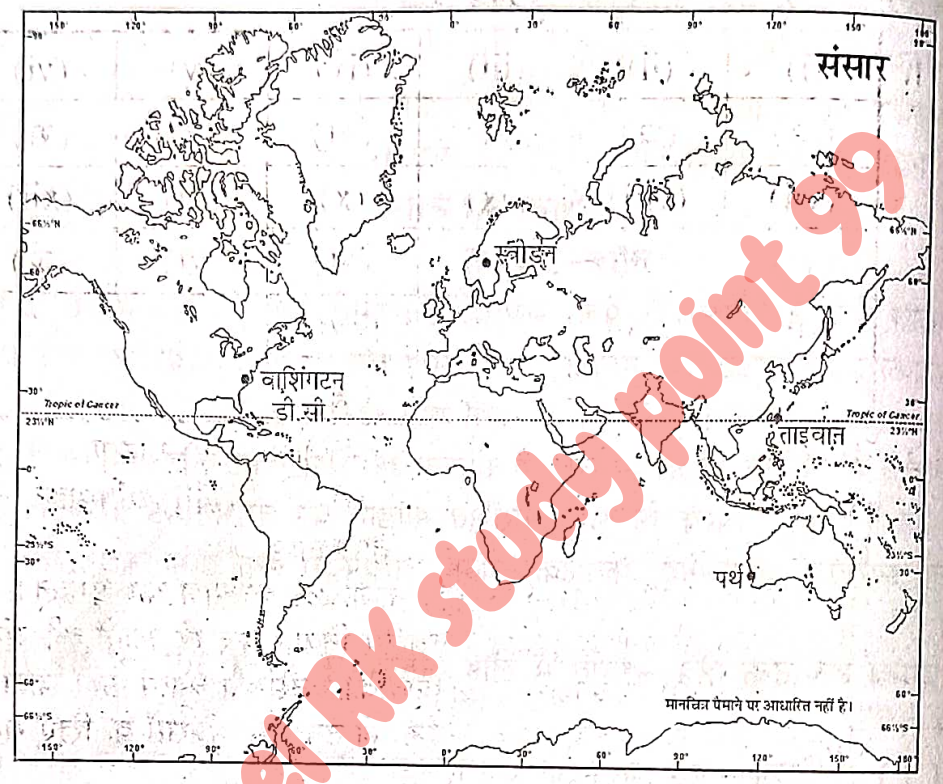

उत्तर 20.

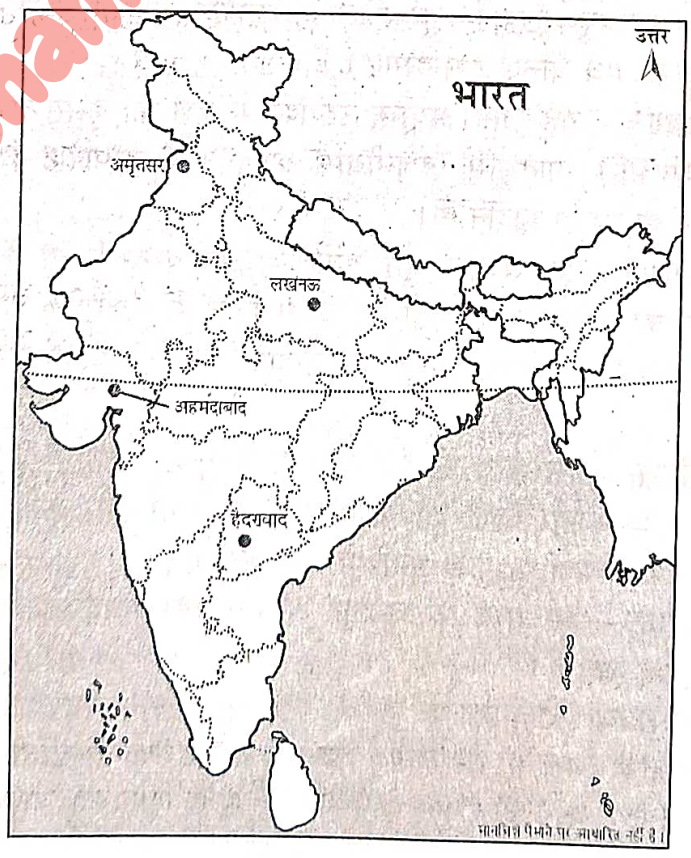

YouTube channel RK study point 99

मॉडल पेपर-9

खण्ड-अ

उत्तर 1.

(i)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)	(vi)
(अ)	(ब)	(स)	(अ)	(द)	(स)
(vii)	(viii)	(ix)	(x)	(xi)	(xii)
(स)	(अ)	(स)	(स)	(स)	(ब)
(xiii)	(xiv)	(xv)	(xvi)		
(अ)	(अ)	(अ)	(अ)		

उत्तर 2. (i) अपकर्ष (ii) डेनमार्क (iii) विनिर्माण (iv) ग्रामीण
(v) अटलांटिक (vi) छः (vii) तीन (viii) बॉक्साइट
(ix) जनसंख्या वृद्धि (x) तमिलनाडु

उत्तर 3. (i) (1) व्यवहारवादी भूगोल (2) सामाजिक कल्याण का भूगोल।

(ii) भूमि की प्रत्येक इकाई में उस पर निवास कर रहे लोगों की संख्या और भूमि के आकार के अनुपात को जनसंख्या घनत्व कहा जाता है।

(iii) समता का आशय प्रत्येक व्यक्ति को उपलब्ध अवसरों के लिए समान पहुँच की व्यवस्था करना है।

(iv) महान झील औद्योगिक प्रदेश संयुक्त राज्य अमेरिका में स्थित है।

(v) व्यापार हेतु अर्थव्यवस्थाओं को खोलने का कार्य मुक्त व्यापार अथवा व्यापार उदारीकरण के रूप में जाना जाता है।

(vi) (1) मासिनराम (2) चेरापूँजी।

(vii) पर्यावरण प्रदूषण मानवीय क्रियाकलापों के अवशिष्ट उत्पादों से मुक्त द्रव्य एवं ऊर्जा का परिणाम है।

खण्ड-ब

उत्तर 4. समय के साथ लोग अपने पर्यावरण और प्राकृतिक बलों को समझने लगते हैं। अपने सामाजिक और सांस्कृतिक विकास के साथ मानव बेहतर और अधिक सक्षम प्रौद्योगिकी का विकास करते हैं। वे अभाव की अवस्था से स्वतन्त्रता की अवस्था की ओर अग्रसर होते हैं। पर्यावरण से प्राप्त संसाधनों के द्वारा वे सम्भावनाओं को जन्म देते हैं। मानवीय क्रियाएँ सांस्कृतिक भूदृश्य की रचना करती हैं। मानवीय क्रियाओं की छाप स्पष्ट रूप से सर्वत्र दिखलाई देती है। फ्रांसीसी विद्वानों ने इसे 'सम्भववाद' के नाम से सम्बोधित किया है।

उत्तर 5. (i) वृद्धि धनात्मक एवं ऋणात्मक, दोनों प्रकार की हो सकती है, परन्तु विकास के अन्तर्गत गुणवत्ता में सकारात्मक परिवर्तन होता है।

(ii) वृद्धि मात्रात्मक और मूल्यनिरपेक्ष होती है, जबकि विकास गुणात्मक होता है और इसका मूल्य सापेक्ष होता है।

(iii) विकास उस समय तक नहीं हो सकता, जब तक कि वर्तमान दशाओं में सकारात्मक या धनात्मक परिवर्तन न हों, जबकि वृद्धि के लिए यह आवश्यक नहीं है।

YouTube channel RK study point 99

उत्तर 6. दैनिक जीवन में काम को सुविधाजनक बनाने के लिए लोगों को व्यक्तिगत सेवाएँ उपलब्ध करवाई जाती हैं। कामगार रोजगार की तलाश में ग्रामीण क्षेत्रों में प्रवास करते हैं और अकुशल होते हैं। इनको मोची, गृहपाल, खानसामा और माली जैसी घरेलू सेवाओं के लिए नियुक्त किया जाता है तथा इनको भुगतान भी कम किया जाता है। कार्मिकों के इसी वर्ग को 'असंगठित श्रमिक' वर्ग के नाम से जाना जाता है। मुम्बई की डब्बा वाला सेवा जो कि पूरे शहर में लगभग 1,75,000 उपभोक्ताओं को उपलब्ध करवाई जाती है, इसका स्पष्ट उदाहरण है।

उत्तर 7. ट्रान्स साइबेरियन रेल मार्ग रूस के पूर्वी भाग, साइबेरिया तथा यूराल प्रदेश को जोड़ता है। इस रेल मार्ग से साइबेरिया के आर्थिक विकास में सहायता मिली है। इस रेल मार्ग के द्वारा पूर्वी क्षेत्र को मशीनरी तथा लोहा भेजा जाता है तथा साइबेरिया से पश्चिम की तरफ खाद्यान्न, लकड़ी तथा कोयला भेजा जाता है। इस रेल मार्ग के उत्तर तथा दक्षिण की तरफ नदियों के द्वारा माल ढोया जाता है। इस व्यापारिक मार्ग पर साइबेरिया के मुख्य नगर स्थित हैं। इस रेल मार्ग के विकास से साइबेरिया में जनसंख्या घनत्व में वृद्धि हुई है।

उत्तर 8. 15वीं शताब्दी में यूरोपीय उपनिवेशवाद और विदेशी वस्तुओं के व्यापार के साथ ही व्यापार के एक नवीन स्वरूप दास व्यापार का उदय हुआ। पुर्तगालियों, डच, स्पेनिश लोगों व अंग्रेजों ने अफ्रीकी मूल निवासियों को पकड़ा तथा उनको बलपूर्वक, बागानों में श्रम हेतु नये खोजे गये अमेरिका में परिवहित किया। दास व्यापार दो सौ वर्षों से भी अधिक समय तक एक लाभदायक व्यापार रहा परन्तु इसे 1792 में डेनमार्क में, 1807 में ग्रेट ब्रिटेन में और 1808 में संयुक्त राज्य अमेरिका में पूरी तरह समाप्त कर दिया गया।

उत्तर 9. यहाँ अधिक क्षेत्रफल वाले अनेक राज्यों में कम जनसंख्या पायी जाती है जबकि कम क्षेत्रफल वाले अनेक राज्यों में अधिक जनसंख्या पायी जाती है। भारत के कुल क्षेत्रफल के 10.41% क्षेत्र वाले राजस्थान में कुल जनसंख्या का 5.67% भाग ही पाया जाता है जबकि 7.33% क्षेत्र वाले उत्तरप्रदेश में कुल जनसंख्या का 16.5% भाग पाया जाता है। इसी प्रकार महाराष्ट्र, बिहार, पश्चिम बंगाल तथा आंध्रप्रदेश में भी अधिक जनसंख्या पायी जाती है जबकि जम्मू-कश्मीर, अरुणाचल प्रदेश तथा उत्तराखण्ड जैसे राज्यों में बहुत कम जनसंख्या रहती है।

उत्तर 10. विभिन्न आकार और प्रकार वाले घरों का समूह, जिनमें मनुष्य रहते हैं, मानव बस्ती कहलाती है। इसके निर्माण के लिए लोग मकानों और अन्य इमारतों का निर्माण करते हैं और अपने आर्थिक भरण-पोषण के लिए कुछ क्षेत्र पर अपना अधिकार रखते हैं। अतः बस्ती की प्रक्रिया में मूल रूप से लोगों का समूहन और उनके मूलभूत व अन्य आवश्यकताओं को पूरा करने वाले संसाधनों के स्थायित्व तथा विकास के लिए पृथक्-पृथक् क्षेत्र का आवंटन सम्मिलित होते हैं।

उत्तर 11. ओ. आई. एल.—पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के प्रशासन के अधीन स्थापित ओ. आई. एल. अर्थात् 'आयल इंडिया लिमिटेड' कच्चे तेल एवं प्राकृतिक गैस के अन्वेषण, उत्पादन और परिवहन का कार्य करती है। इसे 1959 में एक कंपनी के रूप में निगमित किया गया था।

एशिया की पहली 1,157 किमी. लंबी देशपारीय पाइपलाइन का निर्माण ओ. आई. एल. द्वारा ही किया गया था। यह पाइपलाइन असम के नहरकटिया तेल क्षेत्र से बरौनी के तेल शोधन कारखाने तक थी।

YouTube channel RK study point 09

उत्तर 12. (1) कांडला पत्तन की अवस्थिति—यह पत्तन कच्छ की खाड़ी के मुहाने पर स्थित है।

(2) विकास का कारण—कांडला पत्तन को देश के पश्चिमी एवं उत्तर-पश्चिमी भाग की जरूरतों को पूरा करने और मुम्बई पत्तन पर दबाव को घटाने के लिए एक प्रमुख पत्तन के रूप में विकसित किया गया था।

(3) उपयोगिता—इस पत्तन को विशेष रूप से भारी मात्रा में पेट्रोलियम, पेट्रोलियम उत्पादों एवं उर्वरकों को ग्रहण करने के लिए बनाया गया है।

उत्तर 13. (1) समूची बस्ती में अस्थायी निर्माण के भवन हैं, जो दो से तीन मंजिल तक ऊँचे हैं।

(2) यहाँ अनेक मूल्यवान एवं उपयोगी सामान बनाए जाते हैं, जैसे—मृत्तिका शिल्प (सेरेमिक्स), उत्कृष्ट आभूषण सेट, लकड़ी का फर्नीचर आदि।

(3) धारावी वस्तुतः सागर का एक हिस्सा है जो कि व्यापक रूप से कचरे से भरी गई जगह पर है।

खण्ड-स

उत्तर 14. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार—विभिन्न राष्ट्रों के मध्य राष्ट्रीय सीमाओं के आर-पार वस्तुओं और सेवाओं के आदान-प्रदान को अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार कहा जाता है।

अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के प्रकार—अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार को निम्नलिखित दो वर्गों में विभक्त किया जा सकता है—

(1) द्विपार्श्विक व्यापार—दो देशों के द्वारा एक-दूसरे के साथ किया जाने वाला व्यापार द्विपार्श्विक व्यापार कहलाता है। इस व्यापार के अन्तर्गत दोनों देश निर्दिष्ट वस्तुओं का व्यापार करने के लिए सहमति देते हैं। उदाहरण के लिए—एक देश कुछ कच्चे पदार्थ के व्यापार के लिए इस समझौते के साथ सहमत हो सकता है कि दूसरा देश कुछ अन्य निर्दिष्ट सामग्री खरीदेगा अथवा स्थिति इसके विपरीत भी हो सकती है।

(2) बहु-पार्श्विक व्यापार—बहु-पार्श्विक व्यापार बहुत से व्यापारिक देशों के साथ किया जाता है। वही देश अन्य अनेक देशों के साथ व्यापार कर सकता है। एक देश कुछ व्यापारिक साझेदारों से सर्वाधिक अनुकूल राष्ट्र की स्थिति प्रदान कर सकता है।

अथवा का उत्तर

विश्व व्यापार संगठन (WTO)—WTO की स्थापना जनवरी, 1995 में हुई थी। यह विश्व का एकमात्र ऐसा अन्तर्राष्ट्रीय संगठन है, जो राष्ट्रों के मध्य वैश्विक नियमों का व्यवहार करता है। यह विश्वव्यापी व्यापार तंत्र के लिए नियमों का निर्धारण करता है तथा सदस्य देशों के मध्य व्यापारिक विवादों को सुलझाता है। इसका मुख्यालय जेनेवा (स्विट्जरलैण्ड) में है तथा 2016 में 164 देश इसके सदस्य थे। यह संगठन दूरसंचार तथा बैंकिंग जैसी सेवाओं तथा अन्य विषयों जैसे—बौद्धिक सम्पदा अधिकार के व्यापार का भी नियमन करता है।

विश्व में मुक्त व्यापार तथा भूमण्डलीकरण के प्रभावों से परेशान देशों द्वारा विश्व व्यापार संगठन का विरोध एवं आलोचना की जा रही है। इन देशों का मानना है कि यह संगठन धनी देशों को और अधिक धनी और गरीब देशों को और अधिक गरीब बना रहा है। ऐसा इसलिए है क्योंकि इस संगठन में प्रभावशाली राष्ट्र केवल अपने वाणिज्यिक हितों पर ध्यान केन्द्रित रखते हैं। इसके अलावा इन देशों का मानना है कि

YouTube channel RK study point 99

अनेक विकसित राष्ट्रों ने अपने बाजारों को विकासशील देशों के उत्पादों के लिए पूरी तरह से नहीं खोला है। इसके अलावा इस संगठन द्वारा स्वास्थ्य, श्रमिकों के अधिकार, बाल श्रम और पर्यावरण जैसे मुद्दों की उपेक्षा की गई है।

उत्तर 15. कोयला उत्पादक क्षेत्र—भारत में सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण गोंडवाना कोयला क्षेत्र दामोदर घाटी में स्थित है। यह झारखंड-बंगाल कोयला पट्टी में स्थित है। इस प्रदेश के महत्त्वपूर्ण कोयला क्षेत्रों में प. बंगाल का रानीगंज तथा झारखंड के झरिया, बोकारो, गिरीडीह तथा करनपुरा हैं। झरिया व रानीगंज क्रमशः देश के सबसे बड़े कोयला क्षेत्र हैं।

कोयले से संबद्ध अन्य नदी घटियां गोदावरी, महानदी व सोन हैं। सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण कोयला खनन केन्द्र मध्यप्रदेश में सिंगरौली (जिसका कुछ भाग उत्तर प्रदेश में भी आता है), छत्तीसगढ़ में कोरबा, ओडिशा में तलचर तथा रामपुर, महाराष्ट्र में चांदा-वर्धा, काम्पटी और बांदेर तथा तेलंगाना में सिंगरेनी व आन्ध्रप्रदेश में पांडुर हैं।

टर्शियरी कोयले का उत्पादन भारत के निम्न राज्यों में होता है—

(i) मेघालय—यहाँ दरानगिरी, चेरापूँजी, मेवलांग तथा लैंग्रिन में।

(ii) अरुणाचल प्रदेश—नामचिक-नाम्फुक में।

(iii) माकुम, जयपुर, उत्तरी असम में नजीरा तथा जम्मू-कश्मीर के कालाकोट में।

अथवा का उत्तर

बॉक्साइट उत्पादक क्षेत्र—भारत में बॉक्साइट अयस्क के प्रमुख उत्पादक क्षेत्र निम्न प्रकार से हैं—

(i) ओडिशा—सबसे बड़ा उत्पादक। यहाँ के उत्पादक क्षेत्र कालाहांडी, संभलपुर, बोलनगीर तथा कोरपुट जिले हैं।

(ii) झारखंड—यहाँ पर लोहारडागा जिले की पैटलैंडस में।

(iii) गुजरात—यहाँ पर भावनगर और जामनगर जिले में।

(iv) छत्तीसगढ़—यहाँ पर अमरकंटक पठारी क्षेत्र में।

(v) मध्यप्रदेश—यहाँ पर कटनी, जबलपुर तथा बालाघाट जिलों में।

(vi) महाराष्ट्र—यहाँ पर कोलाबा, थाणे, रत्नागिरी, सतारा, पुणे तथा कोल्हापुर जिलों में।

(vii) कर्नाटक, तमिलनाडु तथा गोआ गौण उत्पादक राज्य हैं।

उत्तर 16. जल गुणवत्ता से तात्पर्य जल की शुद्धता अथवा अनावश्यक बाहरी पदार्थों से रहित जल से है।

सामान्यतः जल बाहरी पदार्थों, जैसे—सूक्ष्मजीव, रासायनिक पदार्थ, औद्योगिक एवं अन्य अपशिष्टों के मिलने से प्रदूषित हो जाता है, जिस कारण जल मानव उपयोग के योग्य नहीं रह पाता। यह प्रदूषित जल जब झीलों, सरिताओं, समुद्रों और अन्य जलाशयों से मिलता है तो ये विषैले पदार्थ उस जल में घुल जाते हैं, जिससे जल प्रदूषण बढ़ता है। कभी-कभी प्रदूषक नीचे तक पहुँच जाते हैं, जिससे भौम जल भी प्रदूषित हो जाता है। इस प्रकार जल के गुणों में हुई कमी के कारण जलीय तन्त्र भी प्रभावित होता है। भारत में गंगा और यमुना सबसे प्रदूषित नदियाँ हैं। वर्तमान में मानवकृत कारणों के कारण ही सबसे अधिक जल प्रदूषित होता है।

अथवा का उत्तर

वर्षा जल संग्रहण के लाभ—वर्षा जल को संग्रहित करने से विविध प्रकार के लाभ प्राप्त हो सकते हैं, जैसे—

YouTube channel RK Study Point 99

(i) वर्षा के जल को संग्रहित करके पानी की उपलब्धता को बढ़ाया जा सकता है।

(ii) लगातार नीचे गिरते भूमिगत जल के स्तर को रोका जा सकता है।

(iii) इससे फ्लुओराइड और नाइट्रेट्स जैसे संदूषकों को कम करके अवमिश्रण भूमिगत जल की गुणवत्ता को बढ़ा सकते हैं।

(iv) मृदा अपरदन और बाढ़ को रोका जा सकता है।

(v) भूमिगत जलभृतों का पुनर्भरण में इसका उपयोग करके तटीय क्षेत्रों में लवणीय जल के प्रवेश को रोका जा सकता है।

(vi) नालियों को रोकने वाले सतही जल के प्रवाह को कम किया जा सकता है।

(vii) सड़कों पर व्यर्थ बहते जल को रोका जा सकता है।

(viii) ग्रीष्म ऋतु और सूखे के समय जल की घरेलू आवश्यकताओं की इससे पूर्ति की जा सकती है।

(ix) वर्षा जल का संग्रहण घरेलू उपयोग के लिए भूमिगत जल पर समुदाय की निर्भरता को कम करता है।

खण्ड-द

उत्तर 17. पत्तन निम्नलिखित प्रकार से व्यापार के लिए सहायक होते हैं, यथा—

(1) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार की दुनिया के मुख्य प्रवेश-द्वार पोताश्रय तथा पत्तन होते हैं। इन्हीं पत्तनों के द्वारा जहाजी माल तथा यात्री विश्व के एक भाग से दूसरे भाग को जाते हैं।

(2) पत्तन जहाज के लिए गोदी, लादने, उतारने तथा भण्डारण के लिए सुविधाएँ प्रदान करते हैं। इन सुविधाओं को प्रदान करने के उद्देश्य से पत्तन के प्राधिकारी नौगम्य द्वारों का रख-रखाव, रस्सों, बजरों अर्थात् छोटी अतिरिक्त नौकाओं की व्यवस्था करने और श्रम एवं प्रबन्धकीय सेवाओं को उपलब्ध करवाने की व्यवस्था करते हैं।

(3) एक पत्तन के महत्त्व को नौभार के आकार और निपटान किए गए जहाजों की संख्या द्वारा निश्चित किया जाता है।

(4) एक पत्तन द्वारा निपटाया गया नौभार उसके पृष्ठ प्रदेश के विकास के स्तर का सूचक होता है।

अवस्थिति के आधार पर पत्तनों का वर्गीकरण—अवस्थिति के आधार पर पत्तनों को निम्नलिखित वर्गों के अन्तर्गत वर्गीकृत किया गया है—

(1) अन्तर्देशीय पत्तन—अन्तर्देशीय पत्तन समुद्र तट से दूर अवस्थित होते हैं। ये समुद्र से एक नदी अथवा नहर के द्वारा जुड़े होते हैं। इस प्रकार के पत्तन चौरस तल वाले जहाज या बजरे द्वारा ही गम्य होते हैं, यथा—मानचेस्टर पत्तन सागर से एक नहर द्वारा जुड़ा हुआ है तथा मेंफिस पत्तन मिसीसिपी नदी द्वारा सागर से जुड़ा है। इसी प्रकार मैनहीम एवं ड्यूसबर्ग पत्तन राइन नदी द्वारा तथा कोलकाता पत्तन हुगली नदी द्वारा सागर से जुड़े हुए हैं।

(2) बाह्य पत्तन—बाह्य पत्तन गहरे जल के पत्तन हैं जो कि वास्तविक पत्तन से दूर बने होते हैं। ये उन जहाजों, जो कि अपने बड़े आकार के कारण उन तक पहुँचने में अक्षम हैं, को ग्रहण करके पैतृक पत्तनों को सेवाएँ प्रदान करते हैं। यथा—एथेन्स तथा यूनान में इसके बाह्य पत्तन पिरेइअस से उच्च कोटि का संयोजन देखने को मिलता है।

अथवा का उत्तर

अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार उत्पादन में विशिष्टीकरण का परिणाम है। यदि विभिन्न राष्ट्र वस्तुओं के उत्पादन या सेवाओं की उपलब्धता में श्रम विभाजन तथा विशेषीकरण को प्रयोग

YouTube channel RK study point 09

में लाए तो यह वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए लाभदायक होता है। अर्थात् अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार वस्तुओं के तुलनात्मक लाभ, परिपूरकता तथा हस्तान्तरणीयता के सिद्धान्तों पर आधारित होता है। अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार से देश निम्न प्रकार से लाभ प्राप्त करते हैं—

(i) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार से विभिन्न वस्तुओं तथा सेवाओं के अन्तर्राष्ट्रीय मूल्यों में अधिक भिन्नताएँ नहीं मिलती हैं। वस्तुतः अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार वस्तुओं तथा सेवाओं के मूल्य नियंत्रण में प्रभावी भूमिका निभाता है।

(ii) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार द्वारा विश्व के कुछ विकासशील देशों में बाह्यस्रोतन के कार्य से एक ओर लाखों व्यक्तियों को रोजगार मिला है, वहीं दूसरी ओर बाह्यस्रोतन करने वाले देशों को पर्याप्त पूँजी की प्राप्ति होती है।

(iii) कुछ देशों में कुछ वस्तुओं तथा सेवाओं का उत्पादन आवश्यकता से अधिक होता है, जबकि कुछ देशों में उन वस्तुओं एवं सेवाओं की कमी होती है। ऐसी स्थिति में वस्तुओं और सेवाओं का अधिक उत्पादन करने वाले देश, इन वस्तुओं व सेवाओं का निर्यात दूसरे अल्प उत्पादित देशों में करने लगते हैं। इस प्रकार अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में भागीदार देश वस्तुओं व सेवाओं का लाभ उठाते हैं।

(iv) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार द्वारा विदेशी सम्बन्धों में उल्लेखनीय सुधार होता है, जिससे देशों में सामाजिक व सांस्कृतिक विकास होता है।

(v) आयातित उत्पादों एवं सेवाओं के द्वारा आयात करने वाले देश की जनसंख्या के जीवन स्तर में सुधार आता है, जबकि निर्यात करने वाले देश को निर्यात के बदले भारी मात्रा में पूँजी प्राप्त होती है। इस पूँजी से निर्यात करने वाले देश अपने आर्थिक विकास को गति प्रदान करते हैं।

(vi) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार से विभिन्न राष्ट्रों में वस्तुओं के उत्पादन या सेवाओं की उपलब्धता में श्रम विभाजन का विशिष्टीकरण को बल मिलता है।

(vii) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार केवल आर्थिक दृष्टि से लाभदायक नहीं होते वरन् यह विश्व शान्ति तथा सामाजिक-सांस्कृतिक विकास में अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका भी निभाता है।

उत्तर 18. सूखा संभावी क्षेत्र कार्यक्रम—भारत में 'सूखा संभावी क्षेत्र कार्यक्रम' की शुरुआत चौथी पंचवर्षीय योजना में हुई थी। इसका मुख्य उद्देश्य सूखा संभावी क्षेत्रों में लोगों को रोजगार उपलब्ध करवाना और सूखे के प्रभाव को कम करने के लिए उत्पादन के साधनों को विकसित करना था। पांचवीं पंचवर्षीय योजना में इसके कार्यक्षेत्र को और विस्तृत किया गया। प्रारंभ में इस कार्यक्रम में ऐसे सिविल निर्माण कार्यों पर बल दिया गया था, जिनमें अधिक श्रमिकों की आवश्यकता होती है। परंतु बाद में इसमें सिंचाई परियोजनाओं, भूमि विकास कार्यक्रमों, वनीकरण, चरागाह विकास और आधारभूत ग्रामीण अवसंरचना जैसे विद्युत, सड़कों, बाजार, ऋण सुविधाओं और सेवाओं पर बल दिया गया।

सूखा सम्भावी क्षेत्रों का विकास करने की अन्य रणनीतियों में सूक्ष्म स्तर पर समन्वित जल-संभर विकास कार्यक्रम, जल, मिट्टी, पौधों, मानव तथा पशु जनसंख्या के बीच पारिस्थितिकीय संतुलन, पुनःस्थापन भी सम्मिलित हैं।

भारत में सूखा संभावी क्षेत्र मुख्यतः राजस्थान, गुजरात, पश्चिमी मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र का मराठवाड़ा क्षेत्र, आंध्रप्रदेश के रायल सीमा और तेलंगाना पठार, कर्नाटक पठार और तमिलनाडु की उच्च भूमि तथा आंतरिक भाग के शुष्क एवं अर्द्धशुष्क भाग में फैले हुए हैं।

YouTube Channel RK study point 99

सूखा संभावी क्षेत्र कार्यक्रम का शुष्क भूमि विकास में योगदान—शुष्क कृषि भारत के उन क्षेत्रों में की जाती है, जहाँ वार्षिक वर्षा की मात्रा 50 सेंटीमीटर से कम होती है तथा सिंचाई की सुविधाओं का अभाव है। इस कृषि में सामान्यतः उन्हीं फसलों को बोया जाता है, जो शुष्कता सहन करने में सक्षम होती हैं। सूखा संभावी क्षेत्र विकास कार्यक्रम और कृषि जलवायु नियोजन कार्यक्रम के अंतर्गत इन क्षेत्रों में रोजगार के नवीन अवसरों का सृजन एवं सिंचाई साधनों का विकास किया जा रहा है। सिंचाई साधनों के प्रसार के कारण ही पंजाब, हरियाणा और उत्तरी राजस्थान के सूखा प्रभावित क्षेत्र सूखे से बच जाते हैं।

अथवा का उत्तर

इंदिरा गांधी नहर कमान क्षेत्र में विगत कुछ दशकों में विकास के साथ-साथ भौतिक पर्यावरण का निम्नीकरण भी हुआ है। अतः इस कमान क्षेत्र में सतत पोषणीय विकास का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए निम्न उपाय अपनाये जाने चाहिए—

(1) जल प्रबंधन—इंदिरा गांधी नहर कमान क्षेत्र में सतत पोषणीय विकास को प्राप्त करने की सबसे महत्त्वपूर्ण आवश्यकता जल प्रबंधन नीति का कठोरता से पालन करना है। मूलतः इस नहर परियोजना के चरण-I में कमान क्षेत्र में फसल रक्षण सिंचाई और चरण—II में फसल उगाने और चरागाह विकास के लिए विस्तारित सिंचाई का प्रावधान रखा गया है। अतः जल प्रबंधन नीति का कठोरता से कार्यान्वयन आवश्यक है।

(2) बागाती कृषि—इस क्षेत्र के शस्य प्रतिरूप में जल सघन फसलों के स्थान पर किसानों को बागाती कृषि के अंतर्गत खट्टे फलों की कृषि करनी चाहिए।

(3) जल का समान वितरण—कमान क्षेत्र विकास कार्यक्रम, जैसे—नालों को पक्का करना, भूमि विकास तथा समतलन और कमान क्षेत्र में नहर के जल के समान वितरण के लिए बारबंदी (ओसरा) पद्धति प्रभावी रूप से कार्यान्वित की जानी चाहिए ताकि व्यर्थ बहते जल की क्षति को मार्ग में कम किया जा सके।

(4) भूमि सुधार—सघन सिंचाई और जल के अत्यधिक प्रयोग से जलाक्रांत और लवण से प्रभावित भूमि का पुनरुद्धार आवश्यक है।

(5) वनीकरण एवं चरागाह विकास—इस क्षेत्र में, विशेषकर चरण—II के कमान क्षेत्र के भंगुर पर्यावरण में पारितंत्र विकास के लिए वनीकरण, वृक्षों का रक्षण मेखला का निर्माण और चरागाह विकास अति आवश्यक हैं।

(6) कृषि विकास—इस प्रदेश में सामाजिक सतत पोषणीय विकास का लक्ष्य निर्धन आर्थिक स्थिति वाले भूआवंटियों को कृषि के लिए पर्याप्त मात्रा में वित्तीय और संस्थागत सहायता उपलब्ध करवा कर ही प्राप्त किया जा सकता है।

(7) आर्थिक विविधीकरण—इस क्षेत्र में आर्थिक सतत पोषणीय विकास की अवधारणा को मात्र कृषि और पशुपालन के विकास द्वारा साकार नहीं किया जा सकता। अतः इस क्षेत्र में कृषि और इससे सम्बन्धित क्रियाकलापों को अर्थव्यवस्था के अन्य सेक्टरों के साथ विकसित करना होगा, जिससे इस क्षेत्र में आर्थिक विविधीकरण होगा तथा मूल आबादी गांवों, कृषि सेवा केन्द्रों और विपणन केन्द्रों अर्थात् मण्डी कस्बों के बीच प्रकार्यात्मक सम्बन्ध भी स्थापित होंगे।

अतः उपर्युक्त उपायों को अपनाकर इंदिरा गांधी नहर कमान क्षेत्र में सतत पोषणीय विकास के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

YouTube channel RK Study Point 99

खण्ड-य

उत्तर 19.

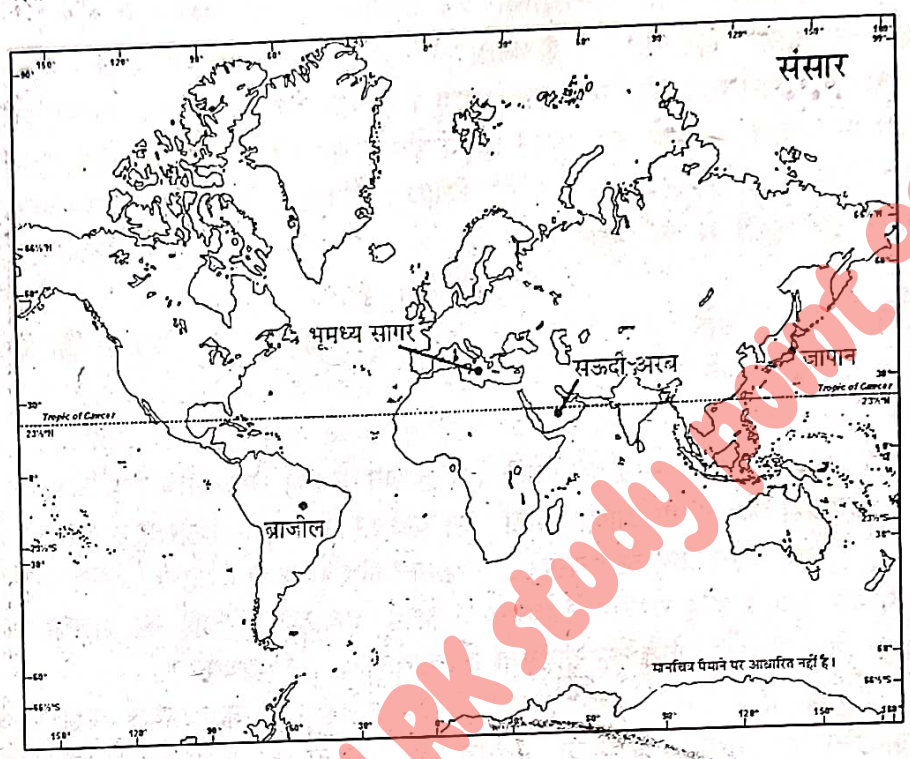

उत्तर 20.

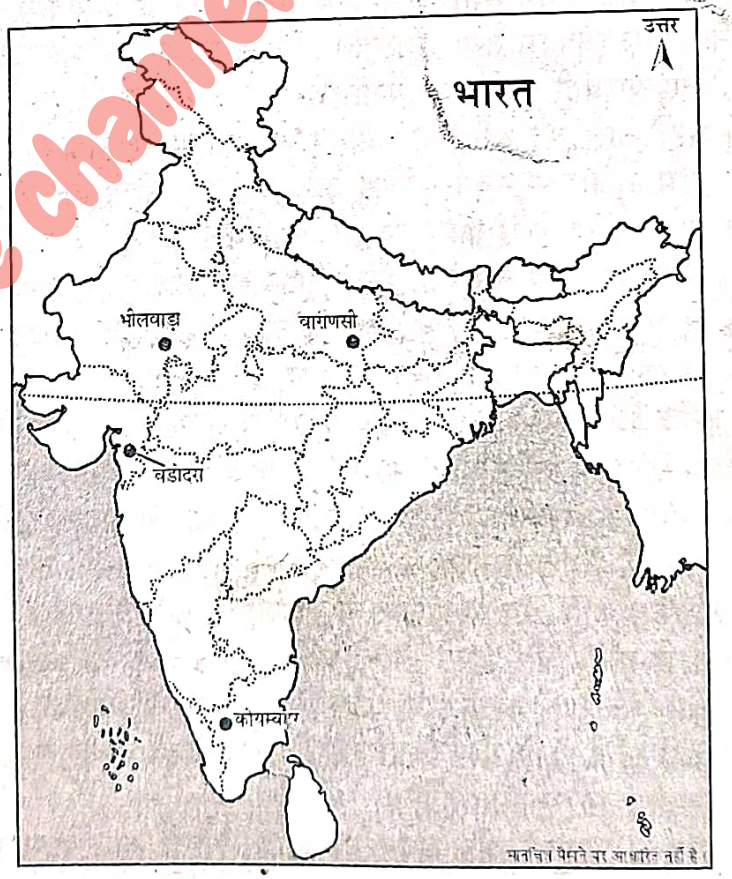

YouTube channel PK study point 99